नई दिल्ली
गुरुवार, 30 अप्रैल 2020
वैशाख मास शुक्ल पक्ष-07
वर्ष : 24, अंक : 39
पृष्ठ : 12 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 36
न्यून. 26

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सदाबहार अभिनेता इरफान खान का 54 साल की उम्र में कैंसर से निधन

'पर्दा' गिरने के बाद भी तालियां बज रही हैं, लगता है कोई जिंदगी का किरदार अच्छे से निभा के चला गया

ये अच्छा हुआ कि इरफान को मौत नहीं ले गई। इरफान ने ही बताया कि मुझे अम्मा लेने आई हैं। अम्मा जिनका निधन 4 दिन पहले हो गया था। तब न बेटा मां को देख पाया था, न मां ही बेटे को। तो, दोनों मां-बेटों ने मौत को शिकस्त दे दी और अब गले मिल लिए।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

किसी शायर ने कभी लिखा था- कि हमने देखी है इन आंखों में महकती खुशबू। पर, दुनिया ने इरफान की आंखों में अभिनय को महकते देखा था। किसी भी भूमिका में उतर जाना। किसी भी भूमिका को जी लेना। बहुत अभिनेता करते हैं ये। पर, इरफान को तो एक शख्स के रूप में उनके प्रशंसक जी रहे थे। तभी तो, पर्दा गिरने के बाद भी इतनी तालियां बज रही हैं, कि जैसे लगता है कोई जिंदगी का किरदार अच्छे से निभा के चला गया। ये अच्छा हुआ कि इरफान को मौत नहीं ले गई। इरफान ने ही बताया कि मुझे अम्मा लेने आई है। अम्मा जिनका निधन 4 ▶▶शेष पेज 5 पर

पान सिंह तोमर के भतीजे बलवंत ने बताया...

वे शूटिंग में बिल्कुल मेरे चाचा जैसे ही लगे

जावेद खान. ग्वालियर। इरफान ने दस्यु पान सिंह तोमर की भूमिका इसी नाम की फिल्म में निभाई थी। पान सिंह के भतीजे बलवंत ने हरिभूमि को इस फिल्म के निर्माण के दौरान इरफान के कमिटमेंट के बारे में बताया। वो बताते हैं कि बहुत 'हल्के में' उन्होंने उस वक्त इरफान को लिया था। बाद में जब शूटिंग शुरू हुई तो उन्हें इरफान का कमिटमेंट देखकर हैरत हुई। वो ऐसे बड़ी-बड़ी चढ़ाई से कूद जाते थे, शरीर की चोट से बिना डरे पुलिस ▶▶शेष

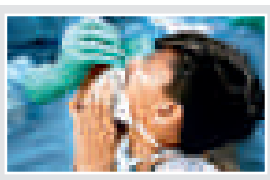

24 घंटे में 1813 नए केस, 71 मौतें

भारत	दिल्ली
31,332 लोग पॉजिटिव	3314 लोग पॉजिटिव
7696 लोग स्वस्थ हुए	1078 लोग स्वस्थ हुए
1007 लोगों की मौत	54 लोगों की मौत

केंद्रीय कर्मियों को निर्देश...

आरोग्य सेतु एप फोन में रखना अनिवार्य

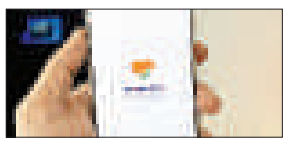

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए मोबाइल फोन पर आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करना अनिवार्य कर दिया है। केंद्र सरकार के अधीन आने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के मोबाइल फोन में तत्काल प्रभाव से आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड होना चाहिए। ऑफिस के लिए निकलने से पहले कर्मचारियों को आरोग्य सेतु ऐप पर अपनी स्थिति देखनी होगी यदि एप 'सुरक्षित या कम जोखिम' दिखा रहा तो तभी घर से निकलना है। अगर ऐप ख़तरा दिखा रहा हो तो न ऑफिस नहीं आएं और 14 दिनों के लिए सेल्फ आइसोलेशन में रहें।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गाइडलाइंस के साथ इस आशय का आदेश जारी किया

अब अपने घर लौट सकेंगे प्रवासी मजदूर पर्यटक, विद्यार्थी समेत सभी फंसे लोग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में लगे लॉकडाउन के दौरान विभिन्न हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूर, पर्यटक, छात्रों और अन्य लोगों को लेकर गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि ये लोग कुछ शर्तों के साथ अब अपने घर जा सकेंगे

▶▶ जो लोग जाना चाहेंगे, उनकी स्क्रीनिंग हागी अगर कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं दिखे तो जाने की अनुमति होगी

▶▶ गृह मंत्रालय ने राज्यों को कहा है कि फंसे लोगों को लाने और ले जाने वाली बसों को गुजरने दें

कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूर, पर्यटक, छात्रों और अन्य लोगों को लेकर गृह मंत्रालय के अनुसार बुधवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से जारी नई गाइडलाइंस के अनुसार देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूर, पर्यटक, छात्रों और अन्य लोग कुछ शर्तों के साथ अब अपने घर जा सकेंगे। इसके लिए राज्य सरकारें उनकी बसों की व्यवस्था कराएंगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को गाइडलाइंस जारी करते हुए राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने यहां लोगों को वापस बुलाने और उन्हें भेजने के लिए नोडल प्राधिकरण और नियम बनाएं। यह नोडल प्राधिकरण अपने राज्यों में फंसे लोगों का पंजीकरण भी करेंगी। गौरतलब है कि कोरोना संकट के कारण 25 मार्च से देशव्यापी लॉकडाउन घोषित कर दिया गया। ऐसे में देश के अलग-अलग हिस्सों में मजदूर, विद्यार्थी, पर्यटक, मरीज और उनके परिजन आदि फंस गए। कामकाज ठप हो जाने के कारण आमदनी रुक गई और मजदूरों को रहने-खाने की चिंता सताने लगी।

गृह मंत्रालय ने जारी की ये गाइडलाइन

1. राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस काम के लिए नोडल अथॉरिटीज नामित करेंगे और फिर ये अथॉरिटीज अपने-अपने यहां फंसे लोगों का रजिस्ट्रेशन करेंगी। जिन राज्यों के बीच लोगों की आवाजाही होनी है, वहां की अथॉरिटीज एक दूसरे से संपर्क कर सड़क के जरिए लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करेंगी।
2. जो लोग जाना चाहेंगे, उनकी स्क्रीनिंग की जाएगी। अगर उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं दिखेंगे तो उन्हें जाने की अनुमति होगी।
3. लोगों की आवाजाही के लिए बसों का उपयोग किया जा सकेगा। बसों को सैनिटाइज करने के बाद उसमें सोशल डिस्टैंसिंग के नियम के मुताबिक ही लोगों को बिठाया जाएगा।
4. कोई भी राज्य इन बसों को अपनी सीमा में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा और उन्हें गुजरने की अनुमति देगा।
5. डेस्टिनेशन पर पहुंचने के बाद लोगों की लोकल हेल्थ अथॉरिटीज की ओर से जांच की जाएगी। बाहर से आए लोगों को घूमने-फिरने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें होम क्वॉरेंटाइन में ही रहना होगा। जरूरत पड़ी तो उन्हें अस्पतालों/स्वास्थ्य केंद्रों में भी भर्ती किया जा सकता है। उनकी समय-समय पर जांच होती रहेगी।
6. ऐसे लोगों को आरोग्य सेतु का इस्तेमाल करना होगा ताकि उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा सके।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देगी सरकार

■ मानूसन का मुकाबला करने को तैयार जल शक्ति अभियान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में कोरोना संकट से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यस्था को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए आगामी मानसून के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जल संकट से जूझ रहे देश के जिलों में जल शक्ति अभियान को तेजी के साथ चलाने का फैसला किया गया है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार 'जल शक्ति अभियान' कोरोना संकट से उबरने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस साल कोविड-19 संकट और ग्रामीण क्षेत्रों में भारी श्रम बल की उपलब्धता को देखते हुए आगामी मॉनसून के मद्देनजर अभियान के तहत तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए केंद्र सरकार के ▶▶शेष पेज 5 पर

आवश्यक सामान से लदे ट्रकों को नाकेबंदी पर न रोकें राज्य

■ मंत्री गडकरी की राज्यों के परिवहन एवं लोक निर्माण विभाग मंत्रियों के साथ बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सड़क परियोजनाओं पर कोरोना वायरस के संकट के कारण लॉकडाउन का ब्रेक लग गया था। देश थमी सड़क निर्माण की परियोजनाओं को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ चर्चा करके 2-3 गुना से ज्यादा गति से आगे बढ़ाने की योजना पर बल दिया गया। इस दौरान राज्यों के परिवहन मंत्रियों के साथ हुई चर्चा के दौरान गडकरी ने आवश्यक सामानों की आपूर्ति करने वाले माल वाहक वाहन ट्रकों व लारियों के अंतरराज्यीय सीमा पर बने नाकों पर न रोकने का अनुरोध भी किया गया। नितिन गडकरी ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से मालवाहक वाहनों की आवाजाही को ▶▶शेष पेज 5 पर

अभी आप घर पर ही रहें और लॉकडाउन का पालन करें

फंसे प्रवासियों को घर भेजने एक-दो दिन में सूचित करेंगे

नई दिल्ली। लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों, छात्रों को घर भेजने के केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस संबंध में हम अन्य राज्य सरकारों से बात कर रहे हैं। सभी प्लानिंग करके आपको एक दो दिन में सूचित करेंगे। केजरीवाल ने केंद्र के आदेश के बाद ट्वीट किया कि मंत्रालय द्वारा प्रवासियों के संबंध में बुधवार को आदेश पारित किया गया। इस संबंध में हम अन्य राज्य सरकारों से बात कर रहे हैं। सभी प्लानिंग करके आपको एक दो दिन में सूचित करेंगे। तब तक आप घर पर ही रहें और लॉकडाउन का पालन करें। बता दें कि बुधवार को केंद्र सरकार ने कई जगह फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों, छात्रों और श्रद्धालुओं को मूवमेंट की अनुमति दी। राज्यों को एक-दूसरे से संपर्क कर आवाजाही सुनिश्चित करनी होगी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश अपने यहां फंसे लोगों को उनके गृह राज्यों में भेजने और दूसरी जगहों से अपने-अपना नागरिकों को लाने के लिए प्रॉटोकॉल तैयार करें।

पीएम मोदी के नाम से हुई रुद्राभिषेक पूजा...

लॉकडाउन के बीच पूजा-अर्चना कर बाबा केदारनाथ मंदिर के कपाट खोले

एजेंसी ▶▶ ▶▶देहरादून

बाबा केदारनाथ के कपाट बुधवार सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजा अर्चना के खोल दिए गए। कपाट खुलने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से रुद्राभिषेक पूजा संपन्न की गई। हालांकि कोरोना संकट के चलते फिलहाल श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में जाने की अनुमति नहीं हैं। ऐसा पहली बार हुआ होगा जब मंदिर कपाट खुलने के दौरान यहां भक्तों की लाइन नहीं थी। महज 15 से 16 लोग ही वहां मौजूद थे।

केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग उखीमठ में 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में हैं इसलिए उनके प्रतिनिधि के तौर पर पुजारी शिवशंकर लिंग ने कपाट खुलने की परंपरा का निर्वहन किया। रावल 19 अप्रैल को महाराष्ट्र से उत्तराखंड लौटे हैं, क्वारंटीन खत्म करने के बाद 3 मई को वह केदारनाथ पहुंचेंगे। उनके साथ देवस्थानम बोर्ड के प्रतिनिधि के तौर पर बीडी सिंह समेत पंचगाई से संबंधित 20 कर्मचारी कपाट खुलने पर यहां पहुंचे। इसके अलावा पुलिस और प्रशासन के करीब 15 लोग यहां मौजूद रहे।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुई पूजा

कोरोना संकट के बीच मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान रखा गया। मंदिर में भीड़ न हो इसके लिए प्रशासन ने श्रद्धालुओं को मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दी। पर्यटन-धर्मस्व सचिव दिलीप जावलकर ने यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं ताकि कोरोना महामारी की समाप्ति के बाद उच्च स्तरीय दिशानिर्देशों के तहत प्रदेश में चारधाम यात्रा को पटरी पर लाया जा सके।

10 क्विंटल फूलों से सजाया गया मंदिर

वुड स्टोन कंपनी ने केदारनाथ में बर्फ के ग्लेशियरों को काट कर मंदिर तक पहुंचने के लिए रास्ता बनाया। अभी भी केदारनाथ में 4 से 6 फीट तक बर्फ देखी जा सकती है। कपाट खुलने के दौरान ऋषिकेश के बाबा के भक्त सतीश कालड़ा ने केदारनाथ मंदिर को 10 क्विंटल गेंदा, गुलाब और अन्य फूलों को भेज फूलों से मंदिर सजाया। मंदिर रात को बिजली की रोशनी से जगमगा रहा था।

भारत में 11 दिनों में दोगुना हो रहे हैं कोरोना के मामले, मृत्यु दर भी अन्य देशों के मुकाबले कम

नई दिल्ली। सरकार की तमाम कोशिशो के बावजूद देश में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। रोजाना 1500 से ज्यादा मामले दर्ज हो रहे हैं और संक्रमण का आंकड़ा बढ़कर 31,787 तक पहुंच गया है। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि हालात नियंत्रण में है और भारत दुनिया अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा बेहतर स्थिति में है।

रोज 60 हजार की जांच

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने बताया कि इस समय देश में हर रोज 60 हजार लोगों की कोरोना जांच हो रही है,जिसे जल्द ही बढ़ाकर 1 लाख तक कर दिया जाएगा। अब तक के हालात को नियंत्रण में होने का दावा करते हुए उन्होंने कहाकि पिछले 3 दिनों से देश में कोरोना संक्रमण ▶▶शेष पेज 5 पर

सीबीएसई ने कहा लॉकडाउन के बाद दसवीं 12वीं के 29 मुख्य विषयों की होगी परीक्षा

भोपाल। कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते पूरे देश में लॉकडाउन का दौर चल रहा है। ऐसे में दसवीं बोर्ड एग्जाम न होने की अफवाह के बीच सीबीएसई ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि बोर्ड अब भी अपने पुराने एक अप्रैल के फैसले पर कायम है। बोर्ड 10वीं और 12वीं के मेन 29 विषयों की परीक्षा लेगा। 1 अप्रैल के सर्कुलर के मुताबिक 12वीं के पेपर लॉकडाउन और आगे की स्थिति के हिसाब से प्लान होंगे। पेपर कब होंगे इसकी जानकारी 10 दिन पहले दे दी जाएगी। हालांकि 10वीं क्लास की परीक्षाएं दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट जिले में पढ़ने वाले बच्चों को देनी होगी। जिनकी परीक्षाएं हिंसा की वजह से बीच में ही रोकनी पड़ी थीं। इस ▶▶शेष पेज 5 पर

एनआईपी टास्क फोर्स ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारण को रिपोर्ट पेश की

कोरोना से जारी जंग जीतेंगे, 5 ट्रिलियर इकोनॉमी भी बनेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना से जंग और लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 5 ट्रिलियन इकोनॉमी वाला भारत देश बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) की एक विशेष टास्क फोर्स ने बुधवार को अपना बेहद खास 'टास्क' पूरा किया। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को एनआईपी ने वित्त वर्ष 2019-2025 में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 111 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत पर बल देता हुआ एक रिपोर्ट पेश किया।

खास बातें

- समय पर प्रोजेक्ट्स खत्म कैसे हों, इसकी रिपोर्ट में चर्चा की गई
- रिपोर्ट आर्थिक गति को बनाए रखने में सहायक होगी

... तो राज्य सरकारें निवेश करें

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अगर 5 ट्रिलियन की इकोनॉमी बनाना है तो केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर देश के प्रमुख आधारभूत संरचना वाले क्षेत्र में दिल खोलकर निवेश करें। एनआईपी के रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, एनआईपी की रिपोर्ट न केवल देश भर में इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने का काम करेगी बल्कि आर्थिक गति को बनाए रखने में सहायक होगी। एनआईपी टास्क फोर्स ने न केवल प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में भारी मात्रा में निवेश पर बल दिया है बल्कि तय मियाद में प्रोजेक्ट खत्म हों ताकि प्रोजेक्ट कॉस्ट बढ़ती समय सीमा के साथ बढ़ता न जाए उसके लिए भी वित्त मंत्रालय को नुस्खा सुझाया है। यानि समय पर प्रोजेक्ट्स खत्म कैसे हों, इसकी रिपोर्ट में विस्तार से चर्चा की गई है।

पुलिस कमिश्नर का सभी पुलिसकर्मियों को एहतियात बरतने का संदेश

दिल्ली पुलिस के करीब 30 जवान हो चुके हैं संक्रमित, दो ठीक भी हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कोरोना के खतरे को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने निर्णय लिया है कि अब कोई भी पुलिस कर्मी ड्यूटी के बाद एनसीआर में नहीं जाएगा। कर्मचारियों के लिए दिल्ली में ही रहने व खाने की व्यवस्था कर दी गई है। इससे एक फायदा यह होगा कि कोरोना दिल्ली से बाहर के लोगों में नहीं फैलेगा और पुलिस वालों के परिवार भी सुरक्षित रहेंगे। यह एहतियात इसलिए भी बरता जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के करीब 30 जवान अभी तक कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। इनमें दो पुलिसकर्मी ही अभी तक ठीक हुए है।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस के 30-35 फीसद कर्मचारी प्रतिदिन एनसीआर के विभिन्न शहरों से ड्यूटी करने के लिए दिल्ली आते हैं। वहीं दिल्ली पुलिस के करीब 30 जवान अब तक कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि इसमें दो जवान ठीक होकर घर भी जा चुके हैं। ऐसे में जवानों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने यह फैसला किया है।

पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए अधिक से अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। दिल्ली आकर रोज ड्यूटी करने और वापस एनसीआर स्थित घर जाने पर कर्मचारियों के परिवार को भी संक्रमण का खतरा बना हुआ है। ऐसे में एनसीआर से आने वाले कर्मचारियों को दिल्ली में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। उनके रहने के लिए दिल्ली में ही व्यवस्था की जा रही है।

थाने में एंट्री से पहले खुद को सेनेटाइज कर रहे हैं पुलिसकर्मी

पुलिसकर्मियों में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस प्रशासन खास सावधानी बरत रहा है। दिल्ली के सभी जिलों की पुलिस को कोरोना संक्रमण के मद्देनजर खास एहतियात बरतने को कहा जा रहा है। हर पुलिसकर्मी को थाने में दाखिल होने से पहले खुद को सेनेटाइज करना होगा। राजोरी गार्डन थाने के एसएचओ अनिल शर्मा ने बताया कि आला अधिकारियों के निर्देश पर थाना में कोरोना के मद्देनजर सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

लॉकडाउन पर नए तरह के ड्रोन से रखी जा रही है नजर

लॉकडाउन के दौरान इलाके में नजर रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने पहले से ज्यादा प्रभावी ड्रोन आसमान में उतारा है। यह ड्रोन पहले से ज्यादा ताकतवर भी है और चालाक भी है। अगर आप इसको छेड़ने की कोशिश करोगे तो ये जवाब भी देता है। महरौली इलाके में पुलिस इसी से निगरानी कर रही है। डीसीपी साउथ अतुल कुमार ठाकुर का कहना है इस ड्रोन में रात की उड़ान और थर्मल इमेजिंग जैसी क्षमता है। ये लाइव फीड सिस्टम भी भेजता है। इसके अलावा ये लाइव एनाउंसमेंट भी कर सकता है। इसके जरिए पुलिसवालों को लॉकडाउन वाले क्षेत्र में जो उल्लंघनकर्ता है वहां नहीं जाना पड़ता। यह 8 किमी के क्षेत्र को कवर कर सकता है। दिल्ली पुलिस को इस ड्रोन से लॉक डाउनलोड पर नजर रखने में काफी आसानी मिल रही हैं। इससे इलाके के चारों ओर निगरानी होती रहती है। ये आधुनिक उच्च तकनीकि से लैस है जिसके कारण आज पुलिस का सच्चा साथी बना हुआ है। यह ड्रोन जब एक पार्क के ऊपर पहुंचा तो वहां पर चार लोग घूम रहे थे। लोगों ने ड्रोन को देखा और सोचा कि यह आप ड्रोन है और घूमते रहे। लेकिन जब ड्रोन से उन लोगों के बाकायदा कपड़ों के रंग बताकर हिदायत दी गई और अनाउंसमेंट की गई तो सभी लोग भाग खड़े हुए।

दिल्ली के पुस्ता रोड पर कैमरे के माध्यम से वाहनों की स्पीड चेक करते हुए ट्रैफिक पुलिस जवान।

दिल्ली में बुधवार को यमुना में नहाते हुए लोग।

पुराना यमुना वजीराबाद पुल वाहनों और यात्रियों के लिए बंद, वहीं सिग्नेचर ब्रिज को खोला गया।

पलायन करने जा रहे 42 मजदूरों को शेल्टर होम में भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लॉकडाउन व पुलिस की सख्ती के बावजूद भी दिल्ली व आसपास के इलाकों से मजदूरों का पलायन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार रात भी पुलिस ने करीब तीन दर्जन मजदूरों को शेल्टर होम व उनके निवास स्थान पर भेजा। इसके साथ ही उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई।

30 मजदूरों को जौनापुर गांव एरिया में रोका। सभी मजदूर अम्बेडकर पहाड़ी, आया नगर में रह रहे थे। ये मजदूर रायबरेली जाने के लिए साइकिल से निकले थे। पुलिस ने समझा-बुझाकर सभी को उनके ठिकानों पर भेजा। इन मजदूरों को पता चला था कि यूपी में काम मिल रहा है। इसी प्रकार 13 मजदूरों को अंधेरिया मोड़ इलाके में रोका गया। इनमें 4 बच्चे भी शामिल थे। सभी झांसी जाने के लिए पानीपत से आए थे। पुलिस ने पहले उन्हें खाना और बच्चों को दूध दिया। उसके बाद सभी को शेल्टर होम भेजा।

■ ये मजदूर रायबरेली जाने के लिए निकले थे

रुपये के लेन-देन में सील के बट्टे से दोस्त की पीट-पीटकर हत्या

हत्या के बाद पांच घंटे तक शव के पास बैठा रहा आरोपी, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ हत्या करने के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को सूचित किया

केशवपुरम इलाके में रुपयों के लेनदेन में एक दोस्त ने अपने दोस्त की सिल के बट्टे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पांच घंटे तक शव के पास ही बैठा रहा। दोपहर में उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि एक युवक खून से लथपथ पड़ा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और घायल को अस्पताल लेकर गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम जसीम उर्फ जय सिंह (30) है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सुभाष (51) है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, जसीम और सुभाष किराए के मकान में लॉरेंस रोड पर किराए के मकान में पहली मंजिल पर रहते थे। दोनों ही पिछले काफी सालों से रामपुरा स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करते थे। लॉकडाउन की वजह से दोनों की फैक्ट्री बंद हो गई थी। उधर, सुभाष की पत्नी व पांच बच्चे बार-बार कॉल कर उसे किसी तरह घर आने का दबाव बनाने लगे। सुभाष ने कुछ समय पहले जसीम को 5900 रुपये उधार दिए थे। लॉकडाउन में दिक्कतों को वजह से वह उससे अपने रुपये वापस मांगने लगा। जसीम भी लॉकडाउन और फैक्ट्री बंद होने की बात कहकर रुपये बाद में देने के लिए कहने लगा। इसी बात को लेकर मंगलवार को दोनों के बीच झगड़ा हो गया। सुभाष ने जसीम के सिर पर सिल के बट्टे से वारकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वह उसके शव के साथ बैठा रहा। बाद में उसने हत्या करने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

जानवरों पर ध्यान...

नई दिल्ली में बुधवार को एक पार्क में कुत्ते को बिस्किट खिलाता युवक।

सिविल डिफेंस वालंटियर पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली(ब्यूरो)। जीटीबी एंक्लेव में खाना बांटते समय एक युवक ने बर्तन से सिविल डिफेंस वालंटियर पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी वहां से भागने लगा। इसी बीच लोगों ने उसे पकड़ लिया। आरोपी का नाम जितेंद्र है। हमले में वालंटियर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल का नाम करन है। पुलिस ने करन के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, करन परिवार के साथ पुरानी सीमापुरी में रहते हैं। वह दिल्ली सिविल डिफेंस में काम करते हैं। इस समय उनकी ड्यूटी सरकार की भोजन वितरण योजना में लगी है। मंगलवार शाम को करीब 6:15 बजे वह जीटीबी एंक्लेव के ताहिरपुर गांव स्थित ईडीएमसी स्कूल में खाना बांट रहे थे। इसी दौरान एक युवक बिना लाइन के खाना लेने लगा। इस पर करन युवक को लाइन में लगकर आने के लिये कहने लगा।

■ लाइन से खाना लेने आने की बात कहने पर भड़का था आरोपी

ऑनलाइन खाना डिलीवर करने वाली कंपनी के मैनेजर पर मामला दर्ज

नई दिल्ली(ब्यूरो)। मॉडल टाउन इलाके में ऑनलाइन खाना डिलीवर करने वाली एक कंपनी के मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। दरअसल, एक इमारत के नीचे 40 लोग एक कंपनी की टी-शर्ट पहन कर खड़े थे। पूछने पर उन्होंने बताया कि वह सभी कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर नौकरी करते है। इसके बाद पुलिस ने इनके मैनेजर से संपर्क किया तो वह संतोषजनक जबाब नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने मैनेजर प्रवीण के खिलाफ संक्रमण फैलाने का अंदेशा और लॉकडाउन का उल्लघंन करने की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, मॉडल टाउन थाने उदयभान बतौर कांस्टेबल तैनात है। वह इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने देखा कि एक इमारत के नीचे भीड़ लगी हुई है और सभी ने एक जैसी ड्रेस पहनी हुई है। पूछताछ करने पर पंकज नामक एक युवक ने उन्हें बताया कि वह सभी कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर नौकरी करते है। लॉकडाउन के बाद उनके मैनेजर प्रवीण यादव, रविन्द्र सिंह, राजीव मिश्रा और अभिषेक ने सभी को इमारत के पास खड़े रहने के लिए कहते है।

■ एक इमारत के नीचे खड़े थे 40 डिलीवरी बॉय

बदमाशों ने चौकी इंजार्च व होमगार्ड पर किया हमला

नई दिल्ली(ब्यूरो)। महेंद्रा पार्क इलाके के चौकी इंचार्ज व होमगार्ड पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल लेकर गई, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, आजादपुर फल मंडी चौकी में तैनात सब इंस्पेक्टर रितू राज ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि वह आजादपुर शैड नंबर-3 के पास होमगार्ड व अन्य टीम के साथ मौजूद थे। इस दौरान वह सामाजिक दूरी बनाए रखने और यातायात को सुचारू रूप से चला रहे थे। इसी बीच कुछ लोगों ने उनपर अचानक हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके पर से फरार हो गए।

■ वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए
■ पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी

लॉकडाउन खत्म होने के बाद मामलों को लेकर बार एसोसिएशन ने सुझाव दिए

आपराधिक मामलों की सुनवाई तीन महीने के लिये टालने की बात कही

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की साकेत जिला अदालत के बार संघ ने लॉकडाउन खत्म होने के बाद उन मामलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया है, जिनमें आरोपियों को न्यायिक हिरासत में रखा गया है। साथ ही उसने ऐसे आपराधिक मामलों की सुनवाई तीन महीने के लिये टालने की बात कही है, जिनमें अपराधी जमानत पर बाहर हैं। बार संघ ने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार जिला न्यायाधीश पूनम ए बंबा को लिखे गए पत्र में सुझाव दिए गए है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लॉकडाउन के बाद अपने और जिला अदालतों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने की 'चरणबद्ध कार्य योजना' बनाने के लिये न्यायमूर्ति हिमा कोहली के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है। हाईकोर्ट ने जिला न्यायाधीशों को संबंधित बार संघों से जानकारी एकत्रित कर इस संबंध मे समिति को सुझाव भेजने के लिये कहा है। साकेत जिला अदालत के बार संघ के अध्यक्ष एकवोकेट करनैल सिंह ने जिला न्यायाधीश को लिखे पत्र में उन सिविल मामलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है जिनमें कुछ जरूरी आवेदन लंबित हैं या साक्ष्य दर्ज किए जाने हैं। बार संघ के सचिव एडवोकेट धीर सिंह कसाना ने पत्र में कहा कि मौजूदा स्वास्थ्य संकट में पर्याप्त सावधानी बरती जानी चाहिए ताकि एक दूसरे की सुरक्षा को प्रभावित किए बिना काम शुरू किया जा सके। एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि डीसीपी ट्रैफिक को कुछ समय के लिए ट्रैफिक चालान के मामले अदालत में नहीं भेजने चाहिये ताकि भीड़ को कम किया जा सके। पत्र में सुझाव दिया गया है कि पीठासीन अधिकारियों को महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जमानत देने में उदार दृष्टिकोण रखना चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट से तीन मई के बाद खत्म हो रहे मामलों पर अंतरिम आदेशों को जुलाई के मध्य तक बढ़ाने का अनुरोध किया जाए। संघ ने पत्र में कहा कि सामाजिक मेलजोल से दूरी के नियमों का पालन करते रहें, जिनके बारे में पहले ही बताया जा चुका है।

■ हाईकोर्ट ने जिला न्यायाधीशों को संबंधित बार संघों से जानकारी एकत्रित कर इस संबंध मे समिति को सुझाव भेजने के लिये कहा

हेड कांस्टेबल ने बाथरूम में फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जीटीबी नगर स्थित न्यू पुलिस लाइन में बुधवार को हेड कांस्टेबल ने बाथरूम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक का नाम भूप सिंह (59) है। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है।

शुरुआती जांच के बाद पुलिस का कहना है कि भूप सिंह ने आत्महत्या का कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने भूप सिंह के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। परिवार के दिल्ली आने पर ही भूप सिंह के आत्महत्या करने का पता चल पाएगा। फिलहाल मॉडल टाउन थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पत्नी को मारी गोली, हालत गंभीर

नई दिल्ली(ब्यूरो)। वेलकम इलाके में एक शख्स ने अपनी पत्नी के पैर में गोली मार दी। घायल सपना (40) को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी पति भुनेश्वर को तलाश कर रही है। पुलिस मामला दर्ज कर जाँच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सपना परिवार के साथ छज्जूपुर वेलकम में रहती है उसके परिवार में पति भुवनेश्वर दो बेटों के अलावा परिवार के अन्य सदस्य हैं। मंगलवार रात लगभग 11:00 बजे भुनेश्वर ने सपना के ऊपर गोली चला दी गोली सपना के पैर जा लगी।

आरपीएफ कांस्टेबल को 20 बोतल शराब के साथ दबोचा

नई दिल्ली(ब्यूरो)। पहाड़गंज थाना पुलिस ने 20 शराब की बोतलों के साथ आरपीएफ के एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम जयवीर है। पुलिस ने उसके पास से एक कार भी बरामद की है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक, 28 अप्रैल की रात पहाड़गंज पुलिस पुल के पास पिकेट लगाकर गाड़ियों की जांच कर रहे थे। इसी बीच पुलिस टीम ने देखा कि की एक कार उनकी ओर आ रही है। शक होने पर उन्होंने गाड़ी को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर पुलिस को कार के अंदर से 20 शराब की बोतलें मिली। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताय कि वह रेलवे स्टेशन के आसपास इस शराब को बेचता था।

नई दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय रिर्जव पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मोहम्मद इकराम हुसैन को अंतिम सलामी देते साथी जवान। इकराम के शव को एक कब्रिस्तान में दफनाया गया। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती जवान की मृत्यु कोरोना वायरस के कारण हुई थी। बता दें कि ये जवान दिल्ली में फेज -3 के मयूर विहार में सीआरपीएफ की 31 वीं बटालियन में तैनात थे। वहीं असम के बारपेटा में सीआरपीएफ के जवान के निधन के बाद शोकाकुल परिवार के सदस्य। फोटो : हरिभूमि/एजेंसी

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्र सरकार के कदम को सराहा

जिनको परमिशन है वही करें प्लाज्मा थेरेपी पर रिसर्च: जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खिलाफ जारी जंग में उम्मीद की किरण बनकर उभरी प्लाज्मा थैरेपी पर रिसर्च को लेकर उठ रहे सवालों पर जवाब देते हुए बुधवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह कहा है की प्लाज्मा थैरेपी बड़ा ही टेक्निकल काम है यह एक्सपेरिमेंट स्टेज पर है, जिन लोगों को परमिशन नहीं है उन्हें नहीं करना चाहिए।

जैन ने कहा कि शुरुआती दौर में इसमें लोगों को आशा की किरण नजर आई, रिजल्ट अच्छे आए हैं। ऐसा ना हो कि जिन लोगों को परमिशन नहीं दी गई है वह भी इसे शुरू कर दें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार को केंद्र की परमिशन मिली हुई है और हम परमिशन के आधार पर प्लाजमा थैरेपी कर रहे हैं। यह एक्सपर्ट का काम है। ऐसा नहीं है कि इसे सभी लोग कर सकते हैं। सरकार सब कुछ चेक करने के बाद ही परमिशन देती है। उन्होंने कहां कि केंद्र की परमिशन दिल्ली, मुंबई, यूपी, दिल्ली एम्स और जगह-जगह कई संस्थानों को मिली हुई है। जिन्हें परमिशन मिली है उन्हें ही इस थैरेपी को करना चाहिए। केंद्र का यह कदम सही है।

मामूली लक्षण है तो घर में ही करेंगे आइसोलेट

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि अब जो प्रोटोकॉल है उसके हिसाब से जिनमें लक्षण नहीं हैं या हल्के लक्षण हैं उनको घर में ही आइसोलेशन करके इलाज किया जाएगा, उन्हें अस्पताल जाने की जरूरत नहीं है। वहीं जैन ने बुधवार को कहा कि राजधानी में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 3314 है, जिसमें कल के 206 केस शामिल हैं और कल 201 लोग ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में अभी तक कुल 1078 लोग ठीक हो चुके हैं, जो कुल पेशेंट का 32 प्रतिशत होता है। इसके अलावा 53 आईसीयू में और 12 लोग वेंटिलेटर पर हैं।

कंटेनमेंट जोन से 90 फीसद मामले कम

सत्येंद्र जैन ने कहा कि कंटेनमेंट जोन हम उस इलाके को बनाते जहां पर 3 या उससे अधिक कोरोना पॉजिटिव आते हैं। कंटेनमेंट जोन हम इसलिए बना रहे हैं कि करीब 90 फीसदी कोरोना के मामले आने बंद हो गए हैं। कोरोना के तेजी से बढ़ते मामले के सवाल पर जैन ने कहा कि अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले डबलिंग स्टेज 4 से 5 दिनों में थी, अब यह बढ़कर 13 दिन में आ गई है। दिल्ली में देश से बेहतर स्थिति है। उन्होंने कहा कि पहले परसेंटेज ऑफ ग्रोथ 20 प्रतिशत थी फिर यह घटकर 12 प्रतिशत हो गई। अब यह परसेंटेज घटकर 5 से 6 प्रतिशत रह गई है।

दिल्ली में 529 में से तीन पत्रकार निकले कोरोना पॉजिटिव: केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि हाल ही में किए गए 529 मीडिया कर्मियों के कोविड-19 टेस्ट में से सिर्फ 3 मीडिया कर्मी ही कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। केजरीवाल ने कोरोना संक्रमित सभी लोगों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि मीडिया का काम बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर इस महामारी के दौरान। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि 529 मीडिया कर्मियों में से केवल 3 ही कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं। आपका काम इस महामारी के दौरान बहुत महत्वपूर्ण है। जिन लोगों को कोरोना संक्रमित पाया गया है, मैं आपके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बता दें कि जब देशभर से मीडियाकर्मियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की खबरें आई थीं तब पिछले हफ्ते दिल्ली सरकार ने भी मीडिया कर्मियों का कोरोना वायरस टेस्ट कराया था। बीते 22 अप्रैल को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर मीडिया कर्मियों के लिए एक अलग कोविड-19 टेस्ट सेंटर शुरू किए जाने की जानकारी दी थी।

कस्तूरबा अस्पताल की स्त्री रोग विभाग की डॉक्टर मिली कॉरोना पॉजिटिव

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कस्तूरबा अस्पताल में स्त्री रोग विभाग की डॉक्टर कोरोना पॉजीटिव पाई गई है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने मामले की पुष्टि कर बताया कि मंगलवार रात को एलएनजेपी की रिपोर्ट में कोरोना पॉजीटिव मिली थीं। इसके बाद अस्पताल के सात डॉक्टरों और 4 नर्सों को होम क्वारंटाइन किया गया है। वह प्रथम वर्ष के पीजी छात्र बताई गई है। प्रशासन ने बताया कि डॉक्टर के सपंर्क में आने वाले बाकी लोगों का भी जल्द परीक्षण किया जाएगा।

आप सरकार की मुख्यमंत्री खाद्य कूपन योजना की भाजपा ने आलोचना की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सभी सांसदों एवं विधायकों को केजरीवाल सरकार की ओर से लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों के बीच वितरित करने के लिये दो-दो हजार खाद्य कूपन दिये जाने की योजना भाजपा को प्रभावित करने में विफल रही है और पार्टी नेताओं ने इसे 'जटिल एवं देर से लाया गया' करार दिया है। पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने कूपनों को लेने से मना कर दिया है और जरूरतमंदों के बीच राशन उपलब्ध कराने की पेशकश की है। गंभीर ने ट्वीट कर कहा, 'दो हजार राशन कूपनों के लिये शुक्रिया अ रविंद केजरीवाल जी, लेकिन मेरे कार्यकर्ताओं के पास जरूरत के अनुसार वितरित करने के लिये पर्याप्त खाद्य सामग्री है। इन्हें कृपया इलाके के विधायकों एवं पार्षदों को दे दीजिये। अगर जरूरत पड़ती है, तो मैं उनलोगों को और राशन भेज सकता हूं जो वितरित करना चाहते हैं। कृपया मुझे जानकारी दें। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दावा किया कि खाद्य कूपन के बारे में उन्हें सरकार से कोई जानकारी नहीं मिली है। तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार से मुझे न तो कोई कूपन मिला है और न ही कोई सूचना मिली है। यह कदम थोड़ा देर से उठाया गया है।

पूर्वी निगम: महापौर ने वितरित की पीपीई किट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- निगम कर्मियों को मिलेगी कोरोना संक्रमण से राहत

पूर्वी दिल्ली नगर निगम की महापौर अंजू कमलकांत ने अपने जन स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मियों को पीपीई किट वितरित की। इस मौके पर अतिरिक्त निगम स्वास्थ्य अधिकारी (मलेरिया), डॉ. अजय हांड़ा, आदि आलाधिकारी, आरडब्ल्यूए के सदस्य तथा जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

महापौर अंजू ने कहा कि पूर्वी निगम ने अभी 150 पीपीई किट खरीदी है और आवश्यकता पड़ने पर और भी किट खरीदी जायेगी। उन्होंने बताया कि यह किट पूर्वी निगम के कोरोना वॉरियर्स को कोरोना के संक्रमण से बचायेगी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम विकट परिस्थिति में एवं सीमित संसाधनों के होने के बावजुद भी क्षेत्र के लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। वहीं, उप-स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने बताया कि अभी ये पीपीई किट केवल शमशान घाट व कब्रिस्तान के सम्बन्धित कर्मियों को ही दी जायेगी ताकि वह कर्मचारी कोरोना से संक्रमित मृत व्यक्ति के सम्पर्क में आने से संक्रमित ना हो पाये। यहां किट की उपयोगिता, पहनने एवं पीपीई किट के निपटारा करने की विधि की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

अस्पतालों की खराब हालत को लेकर एक महीने बाद भी समय नहीं मिला: चौ.अनिल

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने दिल्ली की बिगड़ती स्वास्थ व्यवस्ता पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हम 1 महीने से उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री से इस विषय पर मिलने का समय मांग रहे है। लेकिन अभी तक किसी ने समय नही दिया है। आज हालत इस कदर खराब हो चुके है कि खुद डॉक्टर व अन्य स्टाफ को अपनी सुरक्षा के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। स्वस्थ कर्मियों की बात सही है, अगर वो खुद कोरोना से नही बचे तो लोगों को कैसे बचाएंगे। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बार मांग करते रहे है कि अस्पतालों में जरूरी सुविधाओं को बढ़ाओ, पीपीई किट, मास्क, ग्लब्स व अन्य साधन नही है।

एपीएमसी में कोरोना से माल वाहन चालक व पल्लेदारों में बढ़ा खौफ

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- चालकों व पल्लेदारों को 5-5 हजार रुपए की आर्थिक मदद देने की मांग

एशिया की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी की थोक मंडी आजादपुर मंडी में एक साथ 11 व्यापारियों को कोरोना होने से माल वाहक वाहन चालकों व पल्लेदारों में भय व चिंता बढ़ने लगी है। भारी भीड़ व सोशल डिस्टेंस की रोज उड़ती धज्जियां के चलते मंडी में काम करने वाले सैंकड़ों माल वाहक चालकों की हालत खराब हो रही है। इनमें बड़े ट्रक, टेम्पो, छोटा हाथी, विक्रम माल वाहक ऑटो, रिक्शा, ई रिक्शा आदि शामिल हैं। वहीं एपीएमसी चेयरमैन आदिल अहमद खान ने कहा है मंडी में सब व्यवस्था है। रोज सैनिटाइजेशन व साफ किया जा रहा है, व्यापरियों, मजदुरों, चालकों आदि को मास्क व सैनिटाइजर दिया जा रहा है।

भारतीय मजदूर संघ के राजेन्द्र सोनी व अनीस मिश्रा ने मंडी प्रशासन पर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा की एपीएमसी अध्यक्ष आदिल खान पर मुकद्दमा दर्ज होना चाहिए। मंडी में सभी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उनकी जिम्मेदारी बनती है लोगों को सुरक्षा व सुविधा मुहैया करवाते हुए काम चलाया जाता।

जरूरतमंदों की मदद...

दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में लॉकडाउन के बीच जरूरतमंद महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन एवं मास्क वितरित किए। फोटो : हरिभूमि

जेएनयू प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। जेएनयू की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने की तारीख को बढ़ाने के लिए बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की जेएनयू इकाई ने कुलपति को ज्ञापन दिया। परिषद् ने मांग करी कि कोरोना वायरस महामारी के चलते सरकार ने बचाव के लिए लॉकडाउन घोषित किया है, तभी से सारे साइबर कैफे एवं इंटरनेट के अन्य स्त्रोत बंद हैं, ऐसे में फॉर्म ना भर पाने के कारण छात्र जेएनयू में आने से वंचित हो सकते हैं अतः आवेदन की तिथि बढ़ाई जानी चाहिए। गौरतलब है कि एबीवीपी के प्रयासों की वजह से ही पिछली बार आवेदन तिथि 1 महीने के लिए बढ़ाई गई थी लेकिन पुनः लॉकडाउन बढ़ने के चलते इसका लाभ छात्रों को नहीं मिल सका।

उत्तरी निगम के शिक्षकों को वितरित किए फेस शील्ड्स

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने कोरोना महामारी को तैनात नरेला व सिविल लाइन जोन के शिक्षकों को 3794 फेस शील्ड वितरित किए। प्रेस एवं सूचना विभाग की निदेशक ईरा सिंघल ने बुधवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जिन निगम शिक्षकों को पका हुआ भोजन और राहत सामग्री वितरण के कार्य में लगाया गया हैं, उन समर्पित शिक्षकों को सुरक्षा प्रदान की गई हैं। एक निजी व्यक्ति अरुणेश ने ये फेस शील्ड्स निगम को दिए हैं।

हरियाणा व यूपी से आने वाले दक्षिणी निगम कर्मियों को ऑफर

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले अपने अधिकारियों व कर्मचारियों को ऑफर दिया है कि वे दिल्ली में रहकर दक्षिणी निगम की ड्यूटी कर सकते हैं। दिल्ली में वे होटल, गेस्ट हाउस व सामुदायिक केंद्र में रह सकेंगे और रहने खाने के लिए दक्षिणी निगम इसका भुगतान करेगा। गौरतलब है कि लॉक डाउन के दौरान भी कोरोना मामले बढ़ने के बाद पालन होने के चलते हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने कड़ाई दिखाई है। जिसके बाद निगम कर्मियों के साथ ही अन्य विभागों के कर्मचारी भी दिल्ली नहीं आ पा रहे हैं। निगम प्रशासन का कहना है कि दिल्ली रहते समय ए एवं बी ग्रुप के कर्मचारी को प्रतिदिन 2 हजार रुपये प्रतिदिन और सी एवं डी ग्रुप के कर्मचारी को 11 सौ रुपये का भुगतान किया जाएगा।

राष्ट्रमंडल खेलगांव में लॉकडाउन नियमों के उल्लंघन का पता लगाने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नोडल अधिकारी को इस बात का पता लगाने के लिये कहा है कि अक्षरधाम मंदिर के निकट राष्ट्रमंडल खेलगांव के निवासियों द्वारा लॉकडाउन और शरीर से दूरी रखने के नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया जा रहा। अदालत ने इस संबंध में संबंधित अधिकारी को जानकारी देने का भी निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने पिछले साल एक सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया था, जिन्हें तय सीमा में रहकर सीडब्ल्यूजीवी से संबंधित आवश्यक सेवा शुल्क के भुगतान को लेकर कार्य करने की अनुमति थी। दरअसल खेलगांव के एक निवासी ने कॉलोनी के निवासियों पर लॉकडाउन तथा शरीर से दूरी बनाए रखने के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की थी, जिसपर अदालत सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना ने कहा कि नोडल अधिकारी... सुविधा प्रबंधन सेवा एजेंसी और सीडबल्यूजीवीएओए (सीडब्ल्यूजी विलेज अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन) के कर्मचारियों की मदद से खेलगांव के भीतर, भारत सरकार और दिल्ली सरकार के जारी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की पड़ताल करें।

हाईकोर्ट, जिला अदालतों के जजों, कर्मियों ने 'पीएम केयर्स फंड' में दिए करीब दो करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट और राजधानी की सभी जिला अदालतों के न्यायाधीशों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोरोना वायरस संकट से मुकाबला करने में मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित राहत कोष में 1.92 करोड़ रुपये दिए हैं। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस अदालत और दिल्ली की जिला अदालतों के सभी न्यायाधीशों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर 'पीएम केयर्स फंड' में 1,92,97,900 रुपये का योगदान दिया है। दान की गई राशि में दिल्ली हाईकोर्ट के कुछ पूर्व न्यायाधीशों का योगदान भी शामिल है। दिल्ली हाईकोर्ट के सभी 34 न्यायाधीशों ने मिलकर 31 मार्च तक राहत कोष में 10 लाख रुपये का योगदान दिया था।

दिल्ली सरकार ने दूरदर्शन और आकाशवाणी से की मांग

छात्रों के लिए रोजाना तीन घंटे के प्रसारण का समय दें

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- अधिकारियों का मानना है कि लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद भी स्कूलों के फिर से खुलने में समय लग सकता है
- दूरदर्शन और आकाशवाणी के माध्यम से अधिकतम छात्रों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है

दिल्ली सरकार ने कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान छात्रों के लिए कक्षाओं का प्रसारण करने की खातिर दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रतिदिन तीन घंटे का समय दिए जाने की मांग की है। अधिकारियों का मानना है कि लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद भी स्कूलों के फिर से खुलने में समय लग सकता है।

दूरदर्शन और आकाशवाणी के माध्यम से अधिकतम छात्रों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने केंद्र से संपर्क किया है और स्कूलों के फिर से खुलने तक दूरदर्शन तथा आकाशवाणी पर दैनिक प्रसारण के लिए तीन घंटे का समय देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए अलग-अलग समय की मांग की गयी है। कोरोना वायरस के कारण देश भर में स्कूल 16 मार्च से बंद हैं। दूरदर्शन और आकाशवाणी लॉकडाउन के दौरान छात्रों के लिए क्षेत्रीय चैनलों के माध्यम से टीवी, रेडियो और यूट्यूब पर शैक्षिक सामग्री प्रसारित कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि हम ऑनलाइन माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने की खातिर शिक्षा क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ संगठनों के साथ सहयोग कर रहे हैं। दिल्ली सरकार विभिन्न ऑनलाइन मंचों के जरिए कक्षाएं चला रही है और फोन के माध्यम से बच्चों को 'असाइनमेंट' भेज रही है। हालांकि, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार केवल 68 प्रतिशत छात्रों के घरों में स्मार्टफोन हैं। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की हुई बैठक में भी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने यह मुद्दा उठाया था।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद में प्रतिबंधित सिगरेट व तम्बाकू बेचते दुकानदार गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव टीम ने लॉकडाउन के कारण प्रतिबंधित की गई सिगरेट व तंबाकू आदि बेचने के आरोप में मोहना रोड से एक दुकानदार को अरेस्ट कर केस दर्ज किया है। आदर्श नगर थाने में दर्ज मामले के अनुसार क्त्राइम ब्रांच ऊंचा गांव के सब इंस्पेक्टर जलालुद्दीन को सूचना मिली कि मोहना रोड स्थित यादव डेरी के पास एक दुकानदार अपनी दुकान खोलकर सिगरेट व तम्बाकू आदि बेच रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने वहां पर पहुंचकर रेड कर दी। जहां पर एक व्यक्ति दुकान खोलकर सिगरेट व तंबाकू आदि बेच रहा था। दुकानदार के पास से सिगरेट के 107 पैकेट व तंबाकू के 45 मिले। जिसने अपना नाम सोनू निवासी आदर्श नगर बताया। जांच अधिकारी यूनिस खान ने बताया कि आरोपित सोनू के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अरेस्ट करते हुए प्रतिबंधित सामान कब्जे में ले लिया गया है।

वर्कशॉप का ताला तोड़कर सामान चुराया

फरीदाबाद। नैशनल हाइवे स्थित पेट्रोल पंप के पास एक वर्कशॉप का ताला तोड़कर चोरों ने कीमती सामान चोरी कर लिया। वर्कशॉप मालिक ने इस बाबत पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिटी थाने में दर्ज मामले के अनुसार दयालपुर गांव निवासी प्रमोद ने दी शिकायत में बताया कि उसने नैशनल हाइवे स्थित पेट्रोल पंप के पास वर्कशॉप खोली हुई है। आरोप है कि मंगलवार रात को किसी ने उसकी वर्कशॉप का ताला तोड़कर कीमती सामान चुरा लिया। चोरी के बारे में उसे बुधवार सुबह पता चला जब वह वहां पर आया था। आरोप है कि चोरों ने वर्कशॉप से 3 जैकए 2 मुर्गए एक कट्टा बुशए नेकए बैट्री सहित अन्य सामान चोरी किया है।

जिला जेल में कैदी से मोबाइल फोन मिला

फरीदाबाद। नीमका गांव स्थित जिला जेल में बंदियों से मोबाइल मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। मंगलवार को एक बंदी के कब्जे से पुलिस ने मोबाइल फोन बरामद किया है। इस मामले में थाना सदर पुलिस ने बंदी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाने में दर्ज मामले के मुताबिक नीमका जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट सचिन कुमार ने दी शिकायत में बताया कि रोजाना की तरह मंगलवार को भी जेल के सुरक्षा कर्मचारी अलग अलग बैरकों में जाकर कैदियों के सामान की तलाशी ले रहे थे। उसी दौरान एक बैरक में बंद जिला नूंह के पुन्हाना निवासी अखलाक के कब्जे से एक मोबाइल फोन मिला। कर्मचारियों के बताने पर उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम ब्लॉक आया सक्षम ब्लॉक की सूची में

गुरुग्राम। सक्षम हरियाणा का परिणाम घोषित होने के साथ ही बुधवार को गुरुग्राम खंड ब्लॉक सक्षम ब्लॉक की सूची में आ गया है। उपायुक्त अमित खत्री ने कहा कि फरवरी माह में कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों का अग्रेंजी विषय को छोड़कर सभी विषयों जैसे हिंदी, गणित, ईवीएस वज्ञिान व सामाजिक अध्ययन की थर्ड पार्टी द्वारा परीक्षा ली गई थी। इस परीक्षा के लिए हर ब्लॉक से तीसरी से आठवीं कक्षा तक के 20-20 वद्यिालयों के 40-40 वद्यिार्थी चुने गए थे। इस परीक्षा का आज परिणाम घोषित हुआ है। जिसमें गुरुग्राम ब्लॉक के वद्यिार्थियों ने बाजी मारते हुए इसे सक्षम ब्लॉक बनाया है। डीसी के मुताबिक इस ब्लॉक में 80 प्रतिशत वद्यिार्थियों ने सभी विषयों में 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए गुरुग्राम ब्लॉक के अध्यापकों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि सक्षम हरियाणा के इस मेगा राउंड में प्रदेश के 119 ब्लॉकों के वद्यिार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई थी, जिसमें से प्रदेश के 22 ब्लॉक सक्षम घोषित हुए है ।

विदेशों में फंसे विद्यार्थियों के लिए प्रशासन ने की पहल ई-मेल आईडी जारी करके मांगी जरूरी जानकारियां

गुरुग्राम। विदेशों में फंसे वद्यिार्थियों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा आज ऐतिहासिक पहल की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन ने ई मेल आईडी जारी की है। इस ईमेल आईडी के माध्यम से इन वद्यिार्थियों के अड्डिभावक जिला प्रशासन से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। एनसीआर क्षेत्र में होने के कारण गुरुग्राम जिला में ऐसे वद्यिार्थियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। ऐसे वद्यिार्थियों के अड्डिभावकों को जिला प्रशासन की ईमेल आईडी पर विषय के साथ मेल करनी होगी। इसके बाद अड्डिभावकों को गूगल फार्म ड्डोजा जाएगा, जिस पर वे आवश्यक जानकारी अपलोड कर सकते है। बता दें कि हरियाणा सरकार ने विदेशों में फंसे वद्यिार्थियों का डाटा एकत्रित करना शुरू किया है, ताकि केन्द्र सरकार के हस्तक्षेप से उनकी मदद की जा सके। इसके लिए गृह विभाग के अतिरक्ति मुख्य सचिव विजयवर्द्धन ने सभी जिला उपायुक्तों को पत्र लिखकर विदेशों में फंसे वद्यिार्थियों का पूरा विवरण उपलब्ध करवाने को कहा है। गुरुग्राम जिला सहित प्रदेश के अन्य जिलों से वद्यिार्थियों के अड्डिभावकों द्वारा मुख्यमंत्री से फरियाद की गई थी कि उनके बच्चों को विदेशों से वापस लाने की व्यवस्था की जाए। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री के नर्दिेशानुसार उपायुक्तों को ऐसे वद्यिार्थियों का ब्यौरा उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया है।

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए घरों में सुरक्षित रहें आमजन

हरिभूमि न्यूज ⏭गुरुग्राम

जिला की जनता ने जिस धैर्य व संकल्प के साथ कोरोना को रोकने में अब तक अपनी भागीदारी निभाई है, वे आगे भी अपनी सजगता का परिचय देते हुए कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में सहभागी बनें। इसके साथ ही उपायुक्त ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर रोक लगाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के मद्देनजर विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए जिलावासियों को व्हाट्स एप या ई-मेल पर आने वाले फर्जी लिंक से सावधान रहने के लिए कहा। जिला अब तक पूरे धैर्य व दृढ़ संकल्प के साथ कोरोना संक्रमण संबंधी मामलों को नियंत्रित करने में जिला प्रशासन का सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस संक्रमण के फैलाव को रोकने में पूरी जम्मिेवारी के साथ सजगता का परिचय देना है। उन्होंने आमजन को स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से घर में रहकर संक्रमण चक्र को तोडने में पूरी सावधानी के साथ कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वयं जागरूक होकर प्रशासन की ओर से कोविड-19 के बचाव के लिए उठाए जा रहे कदमों में सहयोग देना है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा बरती गई ऐहतियात स्वयं के साथ साथ हमारे परिजनों को भी सुरक्षित रखती है, इसलिए जरूरी है कि हम अपने घरों में रहें और जब तक बहुत जरूरी ना हो, घरों से बाहर ना निकलें। यदि किसी कारणवश घरों से निकलना भी पड़े तो फेस मास्क व हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल जरूर करें।

अलग खबर

साइबर धोखाधड़ी मामलों से बचें

उपायुक्त अमित खत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नागरिक वाट्सअप या मेल व सोशल मीडिया पर आए किसी भी संदग्धि लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी सांझा न करें, क्योंकि ऐसा करने से वे साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि इस मामले में हरियाणा पुलिस द्वारा भी एडवाइजरी जारी की गई है। लॉकडाउन का फायदा उठाते हुए कुछ असामाजिक तत्व नागरिकों के बैंक खातों से पैसे निकालने के लिए साइबर क्राइम से जुड़े हथकंडे अपना रहे हैं। लोग इस बारे में एहतिहात बरतें और कोविड-19 के नाम पर सोशल मीडिया और ईमेल पर आने वाले किसी भी फर्जी लिंक को खोलने से बचें।

उपायुक्त अमित खत्री।

गृहमंत्री विज का बॉर्डर पर सख्ती करने का आदेश बना लोगों के लिए परेशानी

दिल्ली में नौकरी करने वालों के लिए बॉर्डर पर नो एंट्री

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज का बॉर्डर पर सख्ती करने का आदेश अब लोगों के लिए परेशानी बन गया है जो दिल्ली में नौकरी करते हैं। अब इन लोगों को अपने घर आने से पुलिस बॉर्डर पर ही रोक रही है। पुलिस की सैकड़ों लोगों से तीखी बहस भी हुई। काफी लोगों को वापस भेज दिया गया। कुछ लोग पुलिस द्वारा सख्त भाषा के प्रयोग को लेकर आहत नजर आए।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर गृहमंत्री अनिल विज ने दिल्ली से लगती सीमाओं पर सख्ती बढ़ाने को कहा है। वहीं उपायुक्त ने भी आज दो दोपहर 12 बजे से दिल्ली में नौकरी करने वाले जैसे बैंक कर्मचारी, डाक्टर, नर्स व अन्य किसी कार्य से जाने वालों को पूर्णतयः रोकने के आदेश दिए थे। जिस पर थाना सराय ख्वाजा के प्रभारी नरेश कुमार, सूरजकुण्ड थाने के प्रभारी अर्जुन देव ने दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर लगते नाकों पर सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। केवल गृह मंत्रालय द्वारा जारी पासों लगे वाहनों, अखबार की गाड़ियों व अखबार वितरण में लगे लोगों को ही जाने दिया जा रहा है।

फरीदाबाद। दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर थाना सराय ख्वाजा प्रभारी नरेश कुमार पुलिस बल के साथ तैनात। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली में नौकरी करने वाले दिखे परेशान

पुलिस द्वारा सख्ती बरतने से 'यादातर बैंक कर्मचारी, पुलिस, डाक्टर, नर्स व पैरामैडिकल स्टाफ जोकि दिल्ली में नौकरी करते है परेशान दिखें। उनका कहना था कि या तो वह देश की सेवा करें या फिर अपने घरों में बैठ जाए। इसके साथ ही सीकरी नाके पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने भी फरीदाबाद में पलवल, होडल, हथीन व अन्य जगहों से आने वाले सफाई कर्मचारी, फायरमैन को आने से मना कर दिया। जिसके बाद उन कर्मचारियों ने इसकी सूचना सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर को दी। श्री बालगुहेर ने तुरन्त निगमायुक्त डा. यश गर्ग व स्वास्थ्य अधिकारी डा. उदयभान शर्मा को अवगत कराया। जिस पर निगमायुक्त ने होडल, हथीन, पलवल से आने वाले कर्मचारियों की लिस्ट मांगी है।

क्या कहते हैं पुलिस आयुक्त

फरीदाबाद पुलिस के आयुक्त के.के.राव का कहना है कि दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं। इसलिए फरीदाबाद से लगते दिल्ली बॉर्डर एरिया पर सख्ती की जा रही है। दिल्ली में जॉब करने वाले दिल्ली में ही रहें। दिल्ली से जिले में आवागमन बिल्कुल बंद कर दिया गया है। आमजन से अपील है कि वह संयम रखें और पुलिस का सहयोग करे।

गुरुग्राम। सिविल डिफेंस की ओर से बांटे जा रहे खाने को लेने के लिए लाइन में लगे लोग। फोटो : हरिभूमि

चौमा के सामुदायिक कैंद्र में 1100 फूड पैकेट किए वितरित

गुरुग्राम। गुरुग्राम सिविल डिफेंस के नियंत्रक एवं उपायुक्त अमित खत्री के नर्दिेशानुसार उप नियंत्रक एवं तहसीलदार मनीष यादव के नेतृत्व में सिविल डिफेंस टीम की सेवाएं जारी हैं। गांव चौमा के सामुदायिक केंद्र में जरूरतमंदों को 1100 फूड पैकेट्स वितरित किए गए। सेक्टर-65 सक्सेस टावर के पास के क्षेत्र और बसई रामा गार्डन में तथा अनेकों क्षेत्रों में मांग के अनुसार राशन वितरित किया गया। गत दिवस तक सिविल डिफेंस द्वारा 578265 फूड पैकेट्स और 40224 राशन वितरित किया जा चुका है। कोरोना वायरस के कारण चल रही तालाबंदी के दौरान सिविल डिफेंस विभाग, गुरुग्राम द्वारा जरूरतमंदों को वड्डिान्नि सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। जिसमें गुरुग्राम पुलिस भी अपना बेहतर सहयोग कर रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-28 स्थित ट्रैफिक टॉवर से इसका संचालन किया जा रहा है। इस समय सभी वालंटियर्स यहीं से तन मन धन से अपनी अपनी सेवाओं को कर रहे हैं।

स्कूल प्रबंधक फीस जमा कराने के लिए अभिभावकों पर डाल रहे है दवाबः मंच

फरीदाबाद। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि स्कूल प्रबंधक मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। वे लिखित व मौखिक रूप से अभिभावकों पर बढ़ाई गई ट्यूशन फीस व अन्य फंडों में फीस जमा कराने के लिए दबाव डाल रहे हैं। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि डीएवी स्कूल सेक्टर 14, एमबीएन 17, मॉडर्न डीपीएस, जीवीएन 21 सहित कई स्कूलों ने अभिभावकों से कहा है कि जो फीस डिटेल उनको भेजी गई है उसके अनुसार 30 अप्रैल तक फीस जमा कराएं। जब अभिभावकों ने अप्रैल 19 में जमा कराएगी ट्यूशन फीस और अब मांगी जा रही ट्यूशन फीस का अंतर देखा तो पाया कि स्कूल प्रबंधकों ने 1000 से लेकर 3000 तक ट्यूशन फीस वृद्धि कर दी है इसके अलावा अंदर चार्ज के रूप में भी से फीस मांगी जा रही है।

भारत विकास परिषद् जरूरतमंदों को उपलब्ध करा रहा भोजन व सूखा राशन

फरीदाबाद। भारत सहित पूरा विश्व कोविड.19 बिमारी से लड़ रहा है। इस बिमारी के भारत में फैलने का सबसे बुरा असर उन गरीबों पर पड़ा है जो रोजाना कमाकर अपना व अपने परिवार को पेट भरते थे। ऐसे में इन गरीबों के लिए देशव्यापी संगठन भारत विकास परिषद् वरदान साबित हो रहा है जोकि रोजाना सैकड़ो लोगों को भोजन खिलाकर एक बहुत ही नेकी का कार्य कर रहा है। भारत विकास परिषद फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष प्रमोद टिबड़ेवाल ने बताया कि फरीदाबाद जिले की प्रत्येक शाखा अभी तक हजारों असंगठित मजदूर को ना केवल राशन दिया है बल्कि उन्हें मास्क, सैनीटाईजर और भोजन देने का काम शहर के अलग अलग-स्थान पर किया है। उन्होनें बताया कि फरीदाबाद, संस्कार, नारायण बल्लभगढ़, माधव एवं एन आई टी शाखा का प्रत्येक सदस्य गरीबों की हरसंभव मदद कर रहा है।

श्री सिद्धदाता आश्रम ने मनाई रामानुज स्वामी की जयंती

फरीदाबाद। उत्तर भारत में रामानुज संप्रदाय के तीर्थ क्षेत्र श्री सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम में श्री रामानुज स्वामी की जयंती विधि विधान के साथ मनाई गई और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की गई। स्वामीजी को वैष्णव परंपरा के पुनरोद्धारक के रूप में माना जाता है। करीब एक हजार वर्ष पूर्व जब द्वुनिया में पाप का बोलबाला बढ़ रहा थाए ऐसे में दक्षिण में जन्म रामानुज स्वामी ने न केवल वैष्णव परंपरा की ओर लोगों का मन उन्मुख किया बल्कि घर घर में भगवान की आराधना का विधान करवाया। श्री सिद्धदाता आश्रम के अधिपति जगदगुरु रामानुज स्वामी उन्हीं की गुरु शिष्य परंपरा में आते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीभाष्यों पर टीका लिखने से उन्हें भाष्यकार स्वामी भी कहा जाता है।

- श्री वैष्णव परंपरा के पुनरोद्धारक माने जाते हैं भाष्यकार रामानुज स्वामी

आरएसएस ने स्वच्छता सैनिकों का किया सम्मान

फरीदाबाद। राष्ट्रीय सेवक संघ ने फरीदाबाद में स्वच्छता सैनिकों को भाजपा कार्यालय सेहतपुर में फूल मालाओं से सम्मानित किया व राशन वितरित किया। इस के साथ ही इस मौके पर करीब एक हजार लोगों को पका हुआ भोजन भी वितरित किया गया। इसका आयोजन तिगांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यालय स्थित सेहतपुर में किया गया। सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय सेवक संघ के प्रांत सह सम्पर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र, राकेश अग्रवाल, गोबिंद, रामबहादुर, राजकुमार वार्ड नम्बर 23 की पार्षद गीता रैक्सवाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश रैक्सवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यहां पर करीब 52 सफाई कर्मियों को फूल माला पहना कर उनका सम्मान किया गया और उनको सूखा राशन भी दिया गया। इस मौके पर गंगा शंकर मिश्र ने कहा कि आज की इस विकट परिस्थितियों में हमारे सफाई कर्मी सैनिक की तरह डटे हुए हैं।

एलजी ने उपायुक्त को तीन फ्रीज, 13 एयर कंडीशन व तीन आरओ भेंट किए

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि कोविड.19 के दौरान अनेक संस्थाएं आगे आकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग का सहयोग कर रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एलजी इलैक्ट्रानिक्स कंपनी की ओर से उपायुक्त को 8 लाख रूपए कीमत के तीन फ्रीज, 13 एयर कंडीशन व तीन आरओ सुपुर्द किए गए। उपायुक्त ने यह सामान सिविल सर्जन डा. कृष्ण कुमार को सामान्य अस्पताल में प्रयोग करने के लिए सौंप दिया। इस अवसर पर एलजी कंपनी की ओर से यह सामान रीजनल मार्केट मैनेजर विकास कुमारए मार्केटिंग मैनेजर पुष्पेंद्र श्रीवास्तव व सुनील अग्रवाल ने भेंट किया।

विदेश में फंसे विद्यार्थी की जानकारी ईमेल पर दें

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल ने कहा कि महामारी कोविड.19 के दौरान जो विद्यार्थी विदेश में फंसे हैं, उनकी सूचना उपायुक्त कार्यालय की ई.मेल आईडी पर भिजवाई जा सकती है। इस ई-मेल आईडी पर विद्यार्थी का पूरा विवरण जैसे नाम, पिता का नाम, फरीदाबाद का पता, विदेश का पूरा पता व मोबाइल नंबर भेजा जाए। इसके लिए उपायुक्त कार्यालय के उप अधीक्षक कुंदनलाल की ड्यूटी लगाई गई है, जो प्रतिदिन के निर्धारित प्रोफार्मा में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

पुलिस ने शराब की तीन भट्टियां पकड़ी, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना छांयसा पुलिस टीम ने मंगलवार शाम को यमुना किनारे के ढूल्हेपुर गांव में रेड कर यमुना नदी के टापू पर अलग-अलग 3 भट्टियों पर कच्ची शराब बना रहे दो लोगों को अरेस्ट कर लिया गया। जबकि अन्य यमुना में कूदकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से 60 लीटर कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस टीम को मंगलवार शाम सूचना मिली कि ढूल्हेपुर गांव के पास यमुना नदी के टापू पर कुछ लोग अलग अलग भट्टियों पर कच्ची शराब तैयार कर रहे हैं। लॉकडाउन में शराबबंदी का फायदा उठाकर जिसे महंगे भाव में बेचा जाएगा। सूचना मिलने पर एएसआई सुदीप ने पुलिस टीम के साथ ढूल्हेपुर में छापेमारी कर दी। पुलिस की भनक लगते ही कच्ची शराब तैयार करने में लगे लोग अंधेरे का फायदा उठाकर यमुना नदी में कूदकर भागने लगे। तभी पुलिस टीम ने 2 लोगों को काबू कर लिया। जबकि अन्य फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके पर मिली 3 भट्टियों से 60 लीटर कच्ची शराब व उसे बनाने के उपकरण बाल्टी, टब, ड्रम, 65 किलो लाहन, 53 किलो गुड़ व अन्य सामान मिला। लॉकडाउन व शराब बंदी के चलते क्षेत्र में रेक्टिफाइड शराब की बिक्री की सूचना जोरों पर है। पुलिस की व्यस्तता के पूरा पूरा लाभ उठाने के लालच में लोगों के जीवन से खिलवा? की जा रही है। कुछ लोग तो अल्कोहल से वायरस मरने की जानकारी पर अनाड़ी लोग शराब के सेवन को आतुर दिखाई देते है।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

फरीदाबाद। पिछले कई दिनों बीमार चल रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में ईएसआई अस्पताल में मौत हो गई। व्यक्ति की मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक का दाह संस्कार कोरोना प्रोटोकाल के तहत किया गया है। क्योंकि मृतक की एक रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव आई थी।

यह रिपोर्ट सरकार द्वारा प्रतिबंधित लैब द्वारा जारी की गई है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसका सैम्पल लिया है। जानकारी के अनुसार ग्रेटर फरीदाबाद स्थित सोसायटियों में रहने वाला एक व्यक्ति की तबीयत पिछले कई दिनों से खराब चल रही थी। जिसके बाद परिजनों ने डाक्टरों के कहने पर प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिबंधित की गई लैब से जांच करवाई। इस लैब ने उक्त व्यक्ति की रिपोर्ट को पॉजीटिव बताया था। व्यक्ति का उपचार के लिए परिजनों ने उसे ईएसआई अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी बीती रात मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार व्यक्ति मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सांस की गंभीर बीमारी से पीड़ित था।

क्या कहते हैं डिप्टी सीएमओ

डिप्टी सीएमओ डा. रामभगत ने बताया कि व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि रिपोर्ट आने के बाद सही कारणों का पता लगाया जा सकता है। इसके अलावा ऐसा ही एक मामला एनआइटी एक निवासी का भी है। दोनों की रिपोर्ट निजी लैब से आई थी, लेकिन सरकार ने कोरोना जांच के लिए निजी लैब को प्रतिबंधित किया हुआ है। वहीं एक और व्यक्ति कोरोना संक्रमण से मुक्त हुआ है।

पंजाबी सेवा समिति बल्लबगढ़ ने किया अखबार विक्रेताओं को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

पंजाबी सेवा समिति बल्लबगढ़ हमेशा से ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का हौसला बढ़ाने एवं उत्साहवर्द्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। समाज व देश के प्रति भी समिति बढ़.चढ़ योगदान कर रहा है। इसी कड़ी में पंजाबी सेवा समिति बल्लबगढ ने बुधवार को चावला कॉलोनी गुरुद्वारा चौक पर आवश्यक सेवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे कोरोना योद्धाओं सम्मानित किया है। इस मौके पर समिति के प्रधान प्रेम खट्टर ने कहा कि इस कोरोना जैसी महामारी में ये हमें सुचारू रूप से सेवाएं दे रहे हैं। हमें प्रतिदिन समय पर अखबार पहुंचाने वाले हाकर्स जो की समय पर शहर की खबर से रूबरू कराते हैं एवं भारत गैस एवं एचण्पीण् गैस सिलेंडर पहुंचाने जैसी आवश्यक सेवाओं का काम कर रहे हैं। ऐसे में इन लोगों को उत्साह वर्धन करना हम सबका दायित्व बनता है। इसलिए समिति के सदस्यों द्वारा लगभग 22 लोगों को आज सम्मानित किया गया है। श्री खट्टर ने बताया कि मास्क की जगह गमछा, सैनिटाइजर और गिफ्ट के द्वारा सम्मानित किया और समिति के सदस्यों ने फूल डालकर उनका उत्साह वर्धन भी किया। इस मौके पर सोशल डिस्टेंस का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

फरीदाबाद। पंजाबी सेवा समिति के पदाधिकारी कोरोना योद्धाओं (अखबार विक्रेताओं) को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिला में तीन लाख 27 हजार क्विंटल गेंहू की खरीद

गुरुग्राम। जिला में अब तक 3 लाख 27 हजार 910 क्विंटल गेंहू तथा 94 हजार 570 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी हैं। देर सांय प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बुधवार को जिला की फर्रूखनगर मंडी में 19 हजार 80 क्विंटल, हेलीमंडी में 35 हजार 660 क्विंटल, खोर मंडी में 1810 क्विंटल तथा सोहना मंडी में 3 हजार 570 क्विंटल गेंहू की खरीद हुई। इसी प्रकार फर्रूखनगर मंडी में 2 हजार 580 क्विंटल, हेलीमंडी में 5 हजार 70 क्विंटल तथा सोहना मंडी में 4 हजार 290 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। डीसी अमित खत्री ने कहा कि मंडियों में गेंहू व सरसों की खरीद को लेकर मंडियों में ना केवल किसानों की सुविधा के लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए है बल्कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव को लेकर युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। मंडियों में आने वाले किसानों की थमल स्कैनर से स्क्रीनिंग करने के साथ साथ ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। उपायुक्त ने कहा कि जिला के जिन किसानों को 27 अप्रैल को मंडियों तथा खरीद केन्द्रों में बक्रिी के लिए सरसों व गेहूं लाने के एसएमएस ड्डोजे गए थे, परंतु बारिश की वजह से उनमें से जो किसान मंडियों में अपनी उपल नही ला सके थें उन्हें दोबारा एसएमएस ड्डोजे जाएंगे और सप्ताह में खरीद का एक दिन ऐसे छूटे हुए किसानों के लिए ही रखने का निर्णय लिया गया है।

राशन डिपूओं पर मिलेगी चना दाल

फरीदाबाद। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक केके गोयल ने बताया कि महामारी कोविड.19 के तहत एएवाई, बीपीएल व ओपीएच राशन कार्ड धारकों को डिपो धारकों के माध्यम से जन वितरण प्रणाली के तहत राशन उपलब्ध करवाया गया, जोकि निशुल्क था तथा सभी को नियमित आंवटन के अलावा 5 किलो अतिरिक्त गेहूं प्रति राशन कार्ड उपलब्ध करवाया गया। उन्होंने बताया कि एएवाई व बीपीएल कार्ड धारक को 35 किलोग्राम गेहूं, एक किलो चीनी, 2 लीटर सरसों का तेल, एक किलो चना दाल व एक किलो नमक प्रति राशन कार्ड उपलब्ध करवाया गया। इसी प्रकार ओपीएच कार्ड धारक को 5 किलो गेहूं व एक किलो चना दाल उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने बताया कि जिला में बीपीएल कार्ड धारक 43 हजार 31, एएवाई कार्ड धारक 6 हजार 846 तथा एक लाख 95 हजार 663 ओपीएच कार्ड धारक हैं।

पालघर में दो संतों व उनके चालक की निर्मम हत्या पर रोष

दीप जलाकर दी मृतक साधुओं को भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭गुरुग्राम

पालघर में दो संतों व उनके चालक की नर्मिम हत्या पर रोष जताने के साथ ही समाजसेवियों ने मृतकों को दीप जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समाजसेवी राजेश पटेल आदि ने दीप जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि साधु समाज से संबंधित इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए, लेकिन गत दिवस बुलंदशहर में भी मंदिर में रह रहे दो साधुओं की नर्मिम हत्या कर दी गई है, जोकि देश व समाज के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। समाजसेवियों ने उन्हें भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जन्म जयंती पर याद किया गया। उनका कहना है कि शंकराचार्य ने पूर्व से पश्चिम व उत्तर से दक्षिण तक देश को एकजुट करने में बड़ा योगदान दिया था। सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सुशील राजन, रितु, रश्मि, राहुल, राज, शुभम आदि श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए।

गुरुग्राम। गुरुवार को साधुओं को श्रद्धांजलि देते क्षेत्रवासी तथा श्रद्धांजलि सभा में शामिल मंदिर समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पालघर घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि। पालघर महाराष्ट्र में दो साधुओं एवं चालक की नर्मिम हत्या कर दी गई थी। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सामाजिक संस्था मंथन जनसेवा समिति द्वारा गत दिवस राजीव नगर स्थित गुफा वाले शिव मंदिर में दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि दी गई। संस्था के अध्यक्ष आरपीएस चौहान का कहना है कि संस्था इन साधुओं की नर्मिम हत्या की भर्त्सना करती है और महाराष्ट्र सरकार से मांग करती है कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। श्रद्धांजलि देने वालों में मंदिर के संचालक महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद गिरी महाराज, साध्वी आत्मचेतना गिरि, डा. राकेश शर्मा, आनंद गुप्ता, राजेश शर्मा, राज बहादुर परमार, हुकम सिंह सैनी, सुनील कुमार मौजूद रहे। कोरोना वायरस से बचने के लिए सामाजिक दूरी का पूरा पालन भी किया गया।

मुस्लिमों से सब्जी नहीं खरीदने वाले बयान पर भाजपा विधायक को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पार्टी विरोधी आचरण पर केंद्रीय नेतृत्व खफा, राज्य इकाई को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ऐसा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार

यूपी में भाजपा के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने बताया कि दोनों विधायकों का आचरण पार्टी की नीति के विपरीत है। दोनों विधायकों को एक हफ्ते में जवाब मांगा है। उन्होंने कहा अगर शिकायत सच पाई गई तो पार्टी नेतृत्व कड़ी कार्रवाई करेगा।

भाजपा ने यूपी के दो विधायकों सुरेश तिवारी को कथित तौर पर मुस्लिमों दुकानदारों से सब्जी नहीं खरीदने की बात को लेकर और श्याम प्रकाश को हरदोई स्वास्थ्य प्रशासन पर चिकित्सा उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने एक बयान में बताया कि दोनों विधायकों का आचरण पार्टी की नीति के विपरीत है। उन्होंने कहा कि दोनों विधायकों को एक हफ्ते में जवाब मांगा है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी टिप्पणी को 'अत्यधिक गैर जिम्मेदाराना' पाया।

खास बातें
- पार्टी नेतृत्व ने विधायकों से एक सप्ताह में मांगा जवाब
- जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो होगी सख्त कार्रवाई

बेवजह खड़ा किया विवाद, मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा

इस बयान के बारे में पूछे जाने पर तिवारी ने फोन पर कहा कि 17 या 18 अप्रैल को मैं जनता में मास्क और सेनेटाइजर वितरित कर रहा था। जब मैं नगर पालिका की बाउंड्री के निकट पहुंचा तो करीब 17 से 18 लोग मेरे पास आये और शिकायत करने लगे कि तबलीगी लोगों ने अफरातफरी मचा दी है और कोरोना वायरस फैला रहे हैं और वे अपने थूक से सब्जियों को भी दूषित कर रहे हैं। तब मैंने लोगों से कहा कि मुस्लिम सब्जी विक्रेताओं से लड़ाई न करें या कानून अपने हाथ में न लें, केवल उनसे खरीददारी बंद कर दें। मुझे बताइए इसमें मैंने क्या गलत कहा।

हरदोई के विधायक ने विधायक निधि से दिए 25 लाख वापस मांगे

उधर, हरदोई के गोपामऊ से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने अपनी विधायक निधि से कोरोना की दवाइयों और मास्क आदि के लिए दी गई 25 लाख रुपए की धनराशि वापस दिए जाने की मांग की। विधायक का आरोप था कि दवा आदि खरीद में भ्रष्टाचार हुआ है। इसके लिए उन्होंने जिले के मुख्य विकास अधिकारी को पत्र लिखा था। उनके इस पत्र के बाद जिलाधिकारी पुलकित खरे ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई और चीफ फार्मासिस्ट जे एन तिवारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा है।

नड्डा ने स्वतंत्र देव को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा भाजपा इस तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी नेताओं को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। नड्डा ने उत्तर प्रदेश राज्य भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह से बात की और उनसे तिवारी के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। विधायक से एक सप्ताह के भीतर जवाब भेजने को कहा गया है। तिवारी को जनता से कथित रूप से यह कहते हुए कैमरे में कैद किया गया है कि वह मुस्लिम विक्रेताओं से सब्जी नहीं खरीदें। सोशल मीडिया पर विधायक का वीडियो मंगलवार सुबह वायरल हो गया। तिवारी वीडियो में कथित रूप से यह कहते नजर आ रहे हैं, एक चीज ध्यान में रखिएगा मैं बोल रहा हूं ओपेनली कोई भी मियां के हाथों सब्जी नहीं लेगा।

खबर संक्षेप

लखनऊ में खुलेंगी निर्माण सामग्री व लोहे की दुकानें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रीन जोन में अब कंस्ट्रक्शन कार्य भी शुरू हो जाएगा। राज्य प्रशासन ने कहा है कि जिलाधिकारी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकानें खोलने की अनुमति देंगे और राज्य में लोग घर निर्माण अथवा दूसरे

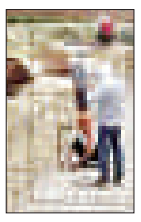

तरह के निर्माण कार्य को कर सकेंगे। हालांकि निर्माण कार्य की अनुमति सिर्फ कोरोना ग्रीन जोन में ही दी गई है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बुधवार को कहा कि लोहे और बिल्डिंग मैटेरियल की दुकानें अब जिलाधिकारी की अनुमति से खुलेंगी। निर्माण इकाइयों में सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जाएगा।

ऑक्सीजन आपूर्ति का ठेका दागी कंपनी को मिला

लखनऊ। कोरोना महामारी के बीच मौके का फायदा उठाने के लिए लॉकडाउन के दौरान दागी कंपनियों ने भी अपने हाथ-पांव

पसारने शुरू कर दिए हैं। जिला अस्पताल और लखनऊ के लोहिया इंस्टीट्यूट के बाद अब मेरठ मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन पाइपलाइन के लिए हुए टेंडर में अफसरों ने पुष्पा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड को भी काम देने पर मुहर लगा दी है। पुष्पा सेल्स वही कंपनी है जिस पर 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन सप्लाई में गड़बड़ी करने का आरोप था।

बिहार : लॉकडाउन में छूट के लिए सीएम नीतीश ने केंद्र सरकार को दिया धन्यवाद

केंद्र की पहल से थमा सियासी संग्राम, विभिन्न राज्यों में फंसे छात्रों व मजदूरों की होगी वापसी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र जैसे राज्यों की मांग पर गृह मंत्रालय ने अलग-अलग स्थानों पर फंसे प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और छात्रों की आवाजाही के लिए नई गाइडलाइन तैयार की है। इसके तहत विभिन्न राज्यों में फंसे लोगों को एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने की अनुमति दी जाएगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लॉकडाउन के दौरान दूसरे राज्यों में फंसे लोगों को घर जाने की छूट देने के फैसले के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया है। नीतीश ने केंद्र के इस फैसले को स्वागत योग्य बताया है। नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोगों के आग्रह पर केंद्र सरकार ने साकारात्मक निर्णय लिया है। इससे बड़ी संख्या में बाहर फंसे लोगों के बिहार आने का रास्ता साफ हो गया है। बिहार आने के इच्छुक प्रवासी मजदूरों छात्र-छात्राओं तीर्थयात्री, पर्यटकों और अन्य लोगों को सुविधा और राहत होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश जनहित के लिए है।

खास बातें
- इस मुद्दे पर भाजपा और जेडीयू के बीच पैदा हो गई थी दरार
- केंद्र सरकार के इस निर्णय से छात्रों और मजदूरों की वापसी की राह खुली

नीतीश की बात सही, पर बच्चों की अनदेखी भी संभव नहीं

मजदूरों और छात्रों की वापसी के मुद्दे पर बिहार में राजनीति गरमा गई थी। भाजपा ने भी अपनी गठबंधन सहयोगी जेडीयू पर दबाव बनाना शुरु कर दिया था। वहीं राजद ने 1 मई को सांकेतिक उपवास करने का निर्णय लिया था। केंद्र सरकार की इस पहल के बाद इस मुद्दे पर हो रही राजनीति बंद हो गई है। भाजपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि सीएम नीतीश का स्टैंड सही है, लेकिन हम अपने छात्रों और मजदूरों की अनदेखी भी नहीं कर सकते हैं।

छात्रों और मजदूरों को राहत देगा केंद्र सरकार का फैसला

रामकृपाल ने कहा कोटा में फंसे बच्चों को लेकर अभिभावक काफी परेशान हैं, मगर लॉकडाउन की वजह से वे वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि बच्चों के अभिभावक बहुत परेशान हैं। इस मुद्दे का कोई विधि सम्मत रास्ता निकाला जाना चाहिए, ताकि कोटा और अन्य स्थानों से बच्चों और मजदूरों को वापस लाया जा सके। अब केंद्र सरकार की ताजा पहल से यह संकट खत्म हो गया। इससे छात्रों के अभिभावक और मजदूरों के परिजन निश्चित ही बहुत खुश होंगे।

अब सरकार की बहानेबाजी नहीं चलेगी : तेजस्वी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार सरकार के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के करीब 25 लाख लोग लॉकडाउन के कारण अन्य प्रदेशों में फंसे हुए है। सरकार को कश्मीर से लेकर कन्या कुमार तक फंसे सभी लोगों को लाना होगा। साथ ही उनके लिए प्रदेश में स्वास्थ्य संबंधी सभी इंतजामों को पुख्ता करना होगा। उन्होंने कहा अब प्रदेश सरकार नियमों का हवाला देकर कोई बहानेबाजी नहीं कर सकती है।

कोटा में फंसे छात्रों की के लिए उठाए जाएं जरूरी कदम : हाईकोर्ट

पटना। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार को निर्देश दिया है कि यदि राजस्थान के कोटा में फंसे छात्रों को हर तरह की मदद उपलब्ध कराए। न्यायमूर्ति हेमंत कुमार श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति आरके मिश्रा की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका और कोटा में फंसे छात्रों के अभिभावकों द्वारा दायर तीन रिट याचिकाओं पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करते हुए कहा कि कोटा में फंसे बिहार के छात्रों का सरकार को हर तरह का ध्यान रखना चाहिए।

अगली सुनवाई 5 मई को होगी

न्यायमूर्ति हेमंत कुमार श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति आर के मिश्रा की खंडपीठ ने इस मामले में केंद्र के वकील के एक सप्ताह का समय मांगे जाने पर इसकी अगली सुनवाई की तारीख पांच मई निर्धारित की है। पीठ ने कहा कि यदि कोई जरूरतमंद छात्र बिहार सरकार द्वारा स्थापित हेल्पलाइन नंबर पर मदद मांगता है तो सरकार को जरूरतमंद छात्रों की मदद सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

बिहार सरकार कर रही हर संभव मदद

बिहार सरकार की ओर से महाधिवक्ता ललित किशोर ने कहा कि यह हमारा (राज्य सरकार का) रुख रहा है, जिसे हमने हलफनामे में भी बताया है कि राज्य सरकार कोटा के मुद्दे पर बहुत संवेदनशील है। राज्य सरकार ने पहले ही एक हेल्पलाइन शुरू की है और जरूरतमंदों से कोई शिकायत या उनकी आवश्यकता पर, राज्य सरकार कोटा के अधिकारियों माध्यम उनकी मदद करेगी।

कोरोना के बीच नई आफत...

बिहार में चमकी बुखार ने ली तीन बच्चों की जान

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में कोरोना के साथ-साथ चमकी बुखार यानी एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) ने भी दस्तक देनी शुरू कर दी है। मंगलवार को दो जुड़वा बहनों की मौत के बाद इस साल मौत का आंकड़ा बढ़कर 3 हो गया है जबकि कोरोना वायरस से मौत की संख्या 2 है। पिछले साल बच्चों की मौत से जिस प्रकार हाहाकार मचा था उसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के हाथ-पांव फूले हुए हैं। आमतौर पर चमकी-बुखार से मौतों का सिलसिला मई के अंत से शुरू होता है लेकिन इस बार ये अप्रैल में ही शुरू हो गया है।

अब तक पता नहीं कैसे होता है चमकी?

तमाम कोशिशों के बावजूद पिछले 15 वर्षों में अभी तक विशेषज्ञ ये पता नहीं लगा पाए हैं कि चमकी-बुखार होता क्यों है? सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने इसकी रोकथाम के पुख्ता इंतजाम किए हैं। लेकिन यह कितना कारगर साबित होगा यह कह पाना मुश्किल है। डीएम चंद्रशेखर सिंह ने चिंता जताते हुए कहा, 'इलाके में रह-रह कर बारिश हो रही है जिसकी वजह से तापमान काफी कम है। इसके बाद भी चमकी बुखार से पीड़ित बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं जोकि काफी चिंताजनक है। प्रशासन की तरफ से बचाव कार्य किए जा रहे हैं'।

पिछले साल हुई थी 111 बच्चों की मौत

मुजफ्फरपुर का श्रीकृष्ण मेडिकल कालेज अस्पताल पिछले साल बच्चों की मौत का दर्द झेल चुका है। यहां पिछले साल 111 बच्चों की मौत हुई थी और इस साल ये सिलसिला अभी से ही शुरू हो गया है। सरकार अपनी तरफ से जागरुकता फैलाने का पूरा प्रयास कर रही है। जैसे कोरोना से बचने के लिए लॉकडाउन हथियार है उसी तरह से चमकी-बुखार से बचने का हथियार है 'जागरुकता'। क्योंकि किसी को पता नहीं है कि ये बीमारी बच्चों में होती क्यों है?

पेज एक का शेष...

पर्दा गिरने के बाद ...

दिन पहले हो गया था। तब न बेटा मां को देख पाया था, न मां ही बेटे को। तो, दोनों मां-बेटों ने मौत को शिकस्त दे दी और अब गले मिल लिए। इरफान का कहा करते थे कि बोलने में अच्छा लगता है लेकिन जब सच में जिंदगी आपके हाथ में नींबू थमाती हैं न, तो शिकंजी बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है। आपके पास और च्वॉइस भी क्या है पॉजिटिव रहने के अलावा। पर, इरफान के लिए ये बहुत मुश्किल रहा हो पर वे यादों की शिकंजी बनाकर तो चले गए। हालांकि, इस शिकंजी का एक घूंट लेना भी मुश्किल होगा क्योंकि, एक तरफ से इसकी मिठास रुलाएगी तो दूसरी तरफ से इसकी खटास रोने नहीं देगी।

वसोवां स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक, अंतिम यात्रा में 20 लोग: सदाबहार अभिनेता इरफान खान को बुधवार दोपहर तीन बजे मुंबई के वसोवां स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। इस मौके पर उनके दोनों बेटे अयान और बाबिल के अलावा कुछ परिजन और करीबी दोस्त मौजूद रहे। उन्हें अस्पताल से सीधा कब्रिस्तान लाया गया था। करीबियों में से एक विशाल भारद्वाज, तिग्मांशु धूलिया के अलावा राजपाल यादव, कपिल शर्मा और मीका सिंह जैसे लोग नजर आए। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, शत्रुघ्न सिन्हा, लता मंगेशकर ने उनके निधन पर दुख प्रकट किया। 7 जनवरी 1967 को जयपुर के एक कारोबारी पठान परिवार में हुआ था। मूलरूप से यह परिवार टोंक के पास एक गांव का रहने वाला है। दो साल पहले साल 2018 में ही उन्हें पता चला था कि उन्हें गंभीर बीमारी थी। इसके बाद लंदन में लगभग एक साल तक उनका इलाज चलता रहा। पिछले साल सितम्बर में वह मुंबई लौटे थे, हालांकि तब भी वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो सके थे। आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम के दौरान उनकी एक कीमोथेरपी मिस हो गई थी। उसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी।

वे शूटिंग में बिल्कुल ...

से बचने के सीन में कई मीटर लुढ़क जाते थे, तो लगा कि ये एक्टर तो बहुत मेहनत करता है। इरफान ने बहुत कम वक्त में ही चंबल की बोली सीख ली थी यानी ठेठ देसज एक्सेंट को पकड़ लिया था। यह भी बलवंत के लिए इरफान के प्रति आदर बढ़ने की वजह थी। बलवंत इरफान के असमय जाने से बेहद सदमे में हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ...

ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन, नदी विकास, गंगा संरक्षण विभाग, भूमि संसाधन विभाग और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा इस साल शुरू होने वाले मॉनसून के मद्देनजर सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के मुख्य सचिवों को संयुक्त परामर्श जारी किया है। देश में मौजूदा कोरोना संकट को देखते हुए मंत्रालय ने एक रणनीति बनाई है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मानसून के दौरान वर्षा जल के संरक्षण के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किया जा सके, जिसके लिए संबंधित गतिविधियों की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जनांदोलन बना अभियान: जल शक्ति मंत्रालय ने बीते साल जल शक्ति अभियान शुरू करते हुए देश के ऐसे 256 जिलों को इसके दायरे में शामिल किया था, जो जल संकट से जूझ रहे हैं। इसके लिए सभी हितधारकों को जल संरक्षण अभियान के दायरे में लाने के लिए इस अभियान को जनांदोलन का रुप देकर जागरूकता को बढ़ावा दिया गया, जिसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आए। केंद्र सरकार के अलावा राज्य सरकारों, सामाजिक संगठनों, पंचायती राज संस्थानों और समुदायों सहित साढ़े छह करोड़ लोग इस अभियान से जुड़ चुके हैं, लेकिन मौजूदा स्वास्थ्य संकट को देखते हुए इन गर्मियों में अभियान में केंद्र सरकार के अधिकारियों को नहीं लगाया जाएगा। अभियान के तहत देशभर में 75 लाख पारंपरिक और अन्य जल स्रोत तथा तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया।

लॉकडाउन के दौरान मिली स्वीकृति: केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिंचाई और जल संरक्षण कार्यों को देखते हुए लॉकडाउन के दौरान प्राथमिकता के आधार पर मनरेगा कार्यों, पेयजल तथा स्वच्छता कार्यों को कराए जाने के लिए छूट के साथ स्वीकृति प्रदान कर दी है। केन्द्र और राज्य क्षेत्र की योजनाओं में मनरेगा कार्यों में सामंजस्य के साथ सिंचाई और जल संरक्षण क्षेत्रों को शामिल करने की इजाजत भी मिली है। गृह मंत्रालय की मंजूरी में इन गतिविधियों के लिए कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन के नियमों यानि सामाजिक दूरी के नियमों, फेस कवर या मास्क के उपयोग और अन्य आवश्यक सावधानियों का पालन जरूरी है।

आवश्यक सामान से ....

आसान बनाने का अनुरोध करते हुए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया, ताकि आवश्यक सामग्री की आपूर्ति के लिए ट्रक/लॉरी के आवागमन में कोई बाधा न आए। देश में कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन होने से देशभर में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं ठप हो गई थी, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय के पिछले सप्ताह जारी दिशानिर्देशों में निर्माण कार्यों को लॉकडाउन से उपायों के साथ छूट देने का निर्णय लिया गया। इसके लिए राज्यों के साथ सहमति बनाने की दिशा में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए राज्यों के परिवहन एवं लोक निर्माण विभाग मंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में बुनियादी ढांचों जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने और स्वीकृत धनराशि का उपयोग करने का अनुरोध किया। गडकरी ने राज्यों को बताया कि भूमि अधिग्रहण समेत सड़क निर्माण को गति देने के लिए 25 हजार करोड़ रुपये आंवटित किए गए हैं।

रोज 60 हजार...

के दोगुना होने की दर 11.3 दिन है,जबकि वैश्विक स्तर पर यह 7 दिन ही है। वहीं भारत में इससे होने वाली मौत की दर भी दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी कम लगभग 3 फीसदी है। केवल 0.33 फीसदी रोगी वेंटिलेटर पर हैं, जबकि 1.5 फीसदी मरीज आक्सीजन सपोर्ट व 2.34 फीसदी मरीज गहन चिकित्सा के तहत भर्ती हैं।

सीबीएसई ने कहा...

इलाके में भी सिर्फ मुख्य 6 विषय के पेपर होंगें। बता दें कि पूरे देश में दसवीं की परीक्षाएं नहीं होगी।

शामली की रैली में उड़ीं लॉकडाउन की धज्जियां

शामली। यूपी के शामली जिले में लॉकडाउन के दौरान कोरोना संक्रमण जैसी महामारी के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में सोशल डिस्टेंसिंग की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। रोटरी क्लब स्टार्स की ओर

से भैंसा बुग्गी पर यमराज को बैठाकर पूरे शामली शहर में रैली निकाली गई। इसमें एक तरफ यमराज बने युवक की ओर से लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का संदेश दिया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर रैली में शामिल लोगों को इसकी धज्जियां उड़ाते देखा गया। शहर में यमराज बने एक युवक को भैंसा बुग्गी पर बिठाकर पूरे शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। यमराज बना युवक भैंसे पर बैठकर जोर-जोर से चिल्ला कर लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर ही घर से निकलने की अपील कर रहा था।

यूपी बोर्ड : दूरदर्शन पर आज से चलेंगी हाईस्कूल और इंटर की कक्षाएं, सुबह 10 से 12 के बीच होगा प्रसारण

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कोरोना वायरस को लेकर देशव्यापी लॉकडाउन घोषित है। जिसके संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्कूलों को बंद रखा गया है जिससे छात्रों का भविष्य अंधकार में डूब गया है। इसी क्रम में यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए अच्छी खबर है। गुरुवार यानि 30 अप्रैल से दूरदर्शन पर दो घंटे हाईस्कूल और इंटर की कक्षाओं का संचालन किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि दूरदर्शन के स्वयंप्रभा चैनल पर सुबह 10 से 12 बजे तक कक्षाओं का प्रसारण होगा।

आधे-आधे घंटे की होंगी चार कक्षाएं

इसके अंतर्गत सुबह 30-30 मिनट की दो क्लास हाईस्कूल और 30-30 मिनट की दो क्लास इंटर मीडिएट की चलेंगी। शाम को यही क्लास रिपीट होंगी।

डीआईओएस ने बताया कि लॉकडाउन के कारण स्कूल की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए शासन के निर्देशों पर यह पहल की गई है। डॉ. एपीजे अब्दुल क्लाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के स्टूडियो में इनकी रिकॉर्डिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कम्प्यूटर शिक्षा की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2019-20 सत्र में हाईस्कूल के 30 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं में 65 हजार से भी कम बच्चों ने कम्प्यूटर का विषय लिया था।

राज्य में कंप्यूटर के शिक्षकों का बेहद अभाव

इंटर में लगभग 26 लाख छात्र-छात्राओं में से 18 हजार से भी कम बच्चों ने कम्प्यूटर की पढ़ाई की थी। हाईस्कूल और इंटर में गिनती के छात्र कम्प्यूटर की पढ़ाई कर रहे हैं। डॉ रवि भूषण (प्रदेश महामंत्री राजकीय शिक्षक संघ) ने कहा कि प्रदेशभर के राजकीय विद्यालय कम्प्यूटर शिक्षक विहीन हैं। सहायता प्राप्त और वित्तविहीन स्कूलों की स्थिति भी यही है। ऐसे में जब प्रदेश के अधिकांश शिक्षक स्वयं कम्प्यूटर शिक्षा से अनभिज्ञ हैं तो वे शिक्षण सामग्री का मॉड्यूल किस प्रकार तैयार कर सकते हैं।

रिम्स के निदेशक ने आशंकाओं पर दिया जवाब...

निजी वार्ड में हैं लालू, कोरोना होने की संभावना नहीं

एजेंसी ▶▶ रांची

रांची स्थित राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डा. डीके सिंह ने कहा है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को कोरोना वायरस संक्रमण का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने ये भी बताया कि लालू यादव का इलाज करने वाले किसी डॉक्टर या फिर उनकी टीम के स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड-19 का संक्रमण नहीं है। रिम्स निदेशक ने स्पष्ट किया कि राजद अध्यक्ष रिम्स के निजी वार्ड में भर्ती हैं। वह अपने वार्ड से बाहर नहीं निकल रहे हैं, ऐसे में उनके संक्रमित होने की आशंका बिल्कुल नहीं है। चारा घोटाले में सजा काट रहे लालू प्रसाद रांची के रिम्स में प्राइवेट वार्ड में भर्ती हैं। रिम्स के निदेशक डा. डीके सिंह ने लालू यादव के स्वास्थ्य को लेकर मीडिया में चल रही खबरों पर सफाई दी।

खास बातें
- पिछले काफी समय से रांची के रिम्स में भर्ती हैं चारा घोटाले के आरोपी पूर्व सीएम
- पिछले काफी समय से की जा रही है उनको पैरोल पर रिहा करने की मांग

लालू का इलाज करने वाला कोई व्यक्ति कोरोना संक्रमित नहीं

दरअसल, कुछ खबरों में इस बात की आशंका जताई गई थी कि रिम्स के मेडिसिन विभाग में भर्ती एक बुजुर्ग मरीज के सोमवार को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद लालू का इलाज कर रहे मेडिसिन विभाग के डॉक्टर उमेश प्रसाद की टीम के भी उससे प्रभावित होने की आशंका है। रिम्स निदेशक ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव रिम्स के निजी वार्ड में भर्ती हैं। वह अपने निजी कक्ष से बाहर नहीं निकलते हैं, लिहाजा उनके संक्रमित होने की कोई आशंका नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लालू का इलाज कर रहे डा. उमेश प्रसाद की यूनिट का कोई भी सदस्य कोरोना संक्रमित नहीं है।

तेजस्वी ने जताई पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंता

इस बीच लालू यादव के बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पटना में अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की है। तेजस्वी ने अपने पिता को जल्द पैरोल पर रिहा करने करने के लिए अपील की है। तेजस्वी ने कहा 72 साल की उम्र होने और किडनी, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों से जूझने के कारण मेरे पिता को महामारी के दौरान और सुरक्षात्मक उपाय करने की जरूरत है।

लालू के कोरोना टेस्ट की कोई जरूरत नहीं

यह पूछे जाने पर कि क्या लालू यादव की भी कोरोना संक्रमण के लिए जांच कराई जाएगी, डॉ. सिंह ने कहा कि उसकी कोई जरूरत ही नहीं है। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि अगर लालू प्रसाद की यूनिट के डा. उमेश प्रसाद जरूरी समझेंगे तो उनकी जांच कराई जा सकती है। उल्लेखनीय है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले के चार विभिन्न मामलों में सजा पाने के बाद न्यायिक हिरासत में रिम्स में इलाजरत हैं।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्ती करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

कॉलेज में बनाए क्वारंटाइन सेंटर से भागे युवक का पेड़ से लटकता मिला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

बटियागढ़ के कॉलेज में बनाए गए क्वारेंटाइन सेंटर से भागे युवक का शव बुधवार की दोपहर एक पेड़ पर लटकता हुआ मिला। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्ती करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी देते हुए बटियागढ़ थाना टीआई लखनलाल तिवारी ने बताया कि मंगोला गांव निवासी कल्लू पिता हीरा अहिरवार 45

जबलपुर में अपने परिवार के लोगों के साथ मजदूरी करता था। जिसे जबलपुर से वापस आने के कारण उसके छोटे भाई उमेद अहिरवार और बहू के साथ 20 अप्रैल को कालेज के क्वारेंटाइन सेंटर में रखा था।

वहां से वह 21 अप्रैल की रात भाग गया

वहां से वह 21 अप्रैल की रात भाग गया जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। बुधवार की दोपहर जंगल मे केरबना रोड पर एक शव पेड़ पर झुलता मिला जिसकी पहचान कल्लू के रूप में हुई। मामले के जांच की जा रही है।

मजदूर वहां से पैदल ही आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज जांच के लिए पहुंचे थे

जैसलमेर से लौटकर सड़क किनारे सो रहे तीन मजदूरों को ट्रक ने कुचला

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन

राजस्थान के जैसलमेर से लौटे तीन मजदूरों को एक ट्रक ने कुचल दिया। दुर्घटना मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात 3 बजे की है। मजदूर भैरवगढ़ स्थित साडू माता मंदिर सड़क के मोड़ पर सो रहे थे। इस दौरान ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। राजस्थान में फंसे मध्य प्रदेश के मजदूरों को लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में बसें भेजी गई थीं। इसी में उज्जैन के मोहनपुरा गांव में रहने वाले 12 मजदूर जैसलमेर से लौटे थे। वहां से आने के बाद मजदूरों ने जब घर जाने के लिए गांव में प्रवेश करना चाहा तो गांव वालों ने उन्हें बगैर कोरोना संक्रमण की जांच के आने देने से मना कर दिया एएसपी

रूपेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि इसके बाद यह सभी मजदूर वहां से पैदल ही आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज जांच के लिए पहुंचे थे।

चालक फरार है

वहां से देर रात लौटने के बाद यह भैरवगढ़ स्थित साडू माता मंदिर के पास सड़क किनारे सो गए थे। रात्रि 3 बजे के करीब इंदौर से मैदा भरकर ट्रक क्रमांक एमपी 09- एच एच-2669 आगर की ओर जा रहा था। ट्रक के ड्राइवर ने सो रहे मजदूरों को कुचल दिया। दुर्घटना में मोहनपुरा निवासी विक्रम पिता मोती सिंह उम्र 65 वर्ष, भूली पति विक्रमसिंह उम्र 55 वर्ष तथा बद्रीलाल पिता कैलाश बंजारा की मौत हो गई। चालक फरार है।

शहर में बंट रहे करोड़ों रुपए के राशन पैकेट, भोजन पैकेट, मास्क

सेवा-भलाई में भी इंदौर नंबर वन : निगम ने दो करोड़ का राशन बांटा, पुलिस दे रही रोज सवा लाख भोजन पैकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

कोरोना महामारी को रोकने के लिए शहर में सख्त लॉकडाउन है। दुकानें बंद हैं, लेकिन जरूरतमंदों तक मदद पहुंच रही है। करोड़ों रुपये के राशन पैकेट, भोजन पैकेट, मास्क शहर में बंट रहे हैं। लोग बड़े-बड़े दान खामोशी से कर रहे हैं। इस वक्त इंदौर दूसरे शहरों से कटा हुआ है। शहर का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो रोज कमाता और रोज खाता है। ऐसे माहौल में उन तक भी मदद पहुंचाई जा रही है। प्रशासन, स्वयंसेवी संगठन का नेटवर्क मिलजुल कर काम कर रहा है। पुलिस जवान ड्यूटी के दौरान लॉकडाउन तोड़ने वालों पर सख्ती बरत रहे हैं, लेकिन थानों पर जाकर आसपास के इलाकों में भोजन पैकेट बांटने जा रहे हैं। सफाई में देश का नंबर वन शहर परोपकार और सेवा में भी नंबर वन है।

लॉकडाउन होने के बाद 29 मार्च से ही निगम ने राशन सामग्री वितरित करनी शुरू कर दी थी। राशन के पैकेट तैयार कर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का काम अब तक जारी है। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद भी ली जा रही है। निगम अब तक दो करोड़ रुपए से अधिक की राशन सामग्री बांट चुका है। इसमें 10.50 लाख भोजन पैकेट और 3.80 लाख राशन पैकेट का मुफ्त वितरण किया गया है। लॉकडाउन में एक ओर पुलिस सड़कों पर मौजूद रहकर नियमों का पालन सुनिश्चित करवा रही है वहीं दूसरे हाथ से जरूरतमंदों की मदद में भी जुटी हुई है। थाने, पीटीसी, बटालियन आदि से रोजाना डेढ़ लाख से ज्यादा भोजन पैकेट जरूरतमंद लोगों को वितरित किए जा रहे हैं।

शहर का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो रोज कमाता और रोज खाता है

पीटीसी एसपी अवधेश गोस्वामी करीब 12 हजार भोजन के पैकेट रोजाना तैयार करवाते हैं। डीएसपी सुनील तालान के मुताबिक लॉकडाउन शुरू होते ही एसपी ने जिला प्रशासन और समाजसेवियों के साथ मिलकर मदद करनी शुरू की। नवआरक्षकों के लिए खाना बनाने वाले ठेकेदार भरत राजपूत अपने कर्मचारियों के साथ रात करीब 10 बजे से खाना बनाना शुरू कर देते हैं। नवआरक्षक पैकिंग में मदद करते हैं। सुबह तक पैकेट तैयार हो जाते हैं। 9 हजार पैकेट नगर निगम द्वारा बंटवा दिए जाते हैं। शेष पुलिसकर्मी निचली बस्तियों व झुग्गी-झोपड़ी में बांट देते हैं।

साढ़े तीन करोड़ से अधिक राशि की मदद

विभिन्न संगठन के लोगों के मुताबिक साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक की राशि की मदद शहर में लॉकडाउन के दौरान की जा चुकी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भी सेवा भारती के माध्यम से शहर में जरूरतमंद परिवारों को रोज 12 हजार भोजन पैकेट बांटे जा रहे हैं। शहर में चार स्थानों पर संस्था ने भोजशालाएं बनाई हैं। वहां से अलग-अलग बस्तियों में स्वयंसेवक पैकेट लेकर जाते हैं। संघ के माध्यम से अभी तक 1 लाख मास्क, 30 हजार सैनिटाइजर और साबुन और 613 पीपीई किट बांटी गई है।

सूखा राशन और भोजन के पैकेट सहित वेंटिलेटर आदि के लिए दी राशि

कोरोना से जंग में धार्मिक-सामाजिक संगठन साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक की मदद कर चुके हैं। लोगों को सूखा राशन और भोजन के पैकेट सहित वेंटिलेटर, पीपीई किट, सैनिटाइजर, दवाई, मास्क के अलावा एक बड़ी राशि प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के सहायता कोष में दी गई है। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष भरत मोदी अब तक 15 लाख से अधिक के मेडिकल उपकरण तो माहेश्वरी समाज के नाइजरिया के मनीष मूंदड़ा 17 लाख की पीपीई किट इंदौर के अस्पताल को दे चुके हैं। इसके साथ ही गुजराती समाज 30 लाख, गीता भवन ट्रस्ट 11 लाख, सेंट्रल जिमखाना क्लब दो लाख 51 हजार सहित कई संगठन विभिन्न राहत कोष में राशि दे चुके हैं। सिख, अग्रवाल, माहेश्वरी, राजपूत, बोहरा समाज के लोगों द्वारा आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है।

भोपाल में 41 नए कोरोना पॉजिटिव मिले, 500 हुई मरीजों की संख्या

भोपाल में बुधवार को 41 नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं, इसी के साथ शहर में मरीजों की संख्या 500 हो गई है। हमीदिया अस्पताल में कल एक मरीज की मौत हुई थी उसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इसके साथ ही राजधानी में कोरोना से मौत का आंकड़ा 14 पर पहुंच गया है और 163 ठीक होकर घर लौट चुके हैं। नई रिपोर्ट में एक ही इलाके मंगलवारा से 5 संक्रमित मरीज मिले। पॉजिटिव आए लोगों में पुलिसकर्मी उनके परिवार भी शामिल। इसके अलावा एक ही परिवार के 3 लोग भी पॉजिटिव जिसमें 2 साल की बच्ची भी शामिल। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का कुक भी पॉजिटिव निकला, हालांकि अधिकारी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। बताया जा रहा है कि कुक रोज खाना बनाने अधिकारी के यहां जा रहा था। कुक के पॉजिटिव निकलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी फिर से जांच करवाएंगे। इसके पहले मंगलवार को फिर 28 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 26 अप्रैल को भोपाल के मंगलवारा के कुमारपुरा में रहने वाले एक व्यक्ति श्यामलाल की मौत हमीदिया अस्पताल में हुई थी। संदिग्ध होने की वजह से मौत के कुछ समय पहले ही इनका सैंपल लिया गया था। मंगलवार को रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 25 अप्रैल को कुर्सी से गिरने के बाद इन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती करवया गया था। इसके बाद वहां से इन्हें हमीदिया अस्पताल रिफर कर दिया गया। यहां उनके फेंफड़ों में इंफेक्शन फैलने के बाद उनकी मौत हो गई। राजधानी में कोरोना से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं संक्रमितों की संख्या 459 हो गई है। मंगलवार को एक सुखद खबर यह रही कि विरायु अस्पताल से 28 संक्रमित पूरी तरह ठीक होकर घर लौट गए।

दो दिन में पुडुचेरी से 500 रिपोर्ट आई

भोपाल के दो हजार से ज्यादा सैंपल की रिपोर्ट दिल्ली और पुडुचेरी में लंबित थी। इसमें पुडुचेरी से पिछले दो दिन में 500 रिपोर्ट आ चुकी है और 30 संक्रमित मिले हैं। यानी पुडुचेरी से आई रिपोर्ट में छह प्रतिशत लोग पॉजिटिव आए हैं।

हज हाउस में ठहरा हर तीसरा जमाती पॉजिटिव, 57 जमाती अब तक संक्रमित

इधर, अब जमातियों की सैंपल रिपोर्ट भी आने लगी है। मंगलवार को पुडुचेरी से आई रिपोर्ट में हज हाउस में ठहरे 15 नए जमाती पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले यहां के 36 जमाती पॉजिटिव हो चुके हैं। 139 जमातियों को हज हाउस में रूकवाया गया था। इसमें से कुल 51 पॉजिटिव हो चुके हैं। वहीं ताजुल मस्जिद में रूके छह जमाती पॉजिटिव पाए गए हैं। इस तरह संक्रमित जमातियों की कुल संख्या 57 हो गई है। मतलब यहां ठहरा हर तीसरा जमाती कोरोना संक्रमित है। 27 जमातियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इन्हें घोड़ा नक्कास की एक निजी होटल में अलग से रुकवाया जा रहा है। वहीं 37 की रिपोर्ट अभी आना बाकी है। इससे पहले 29 जमातियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। पॉजिटिव आने वाले सभी जमातियों का इलाज चिरायु अस्पताल में किया जा रहा है। अब तक 14 जमाती स्वस्थ होकर जा चुके हैं।

बढ़ाना है जनता की रोग प्रतिरोधक क्षमता

विंध्य हर्बल से एक करोड़ पैकेट त्रिकटु तैयार करवा रही मध्य प्रदेश सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोरोना से लंबी चलने वाली लड़ाई मध्य प्रदेश सरकार जनता की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जीतेगी। पहले चरण में एक करोड़ लोगों को आयुर्वेदिक औषधि त्रिकटु के एक करोड़ पैकेट बनाकर मुफ्त दिए जाएंगे। प्रदेश के आयुष विभाग ने वन विभाग के ब्रांड विंध्य हर्बल को 1900 क्विंटल त्रिकटु तैयार करने का ऑर्डर दिया है। यह औषधि 50-50 ग्राम के पैकेट में मांगी गई है, जो आयुष विभाग की टीम घर-घर जाकर बांटेगी।

इसके अलावा अणु तेल, आरोग्य कसायम और संस्मणी वटी भी तैयार कराई जा रही है। यह अलग-अलग औषधियां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ खांसी, सर्दी, सांस की तकलीफ, कफ और पेट के विकारों को ठीक करती है। सभी औषधियां वन विभाग के औषधि प्रसंस्करण केंद्र बरखेड़ा पठानी में तैयार की जा रही हैं। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए शारीरिक दूरी बनाने सहित सुरक्षात्मक अन्य उपाय करने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने करीब एक हफ्ते पहले कहा था कि सरकार जनता को आयुर्वेदिक औषधि मुफ्त देगी। सरकार त्रिकटु चूर्ण उपलब्ध करा रही है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर बताया जा रहा है। लोगों को इस चूर्ण का काढ़ा बनाकर पीना है। आयुष विभाग ने त्रिकटु के साथ 12 हजार लीटर अणु तेल, 280 क्विंटल संस्मणी वटी (गिलोय कैप्सूल) और छह क्विंटल आरोग्य कसायम का भी ऑर्डर दिया है।

कड़ू चिरायता का पंचांग ज्यादा कारगर

सेवानिवृत्त आइएफएस डॉ. आरजी सोनी का दावा है कि कड़ू चिरायता का पंचांग ज्यादा कारगर साबित होगा। यह घर में बना सकते हैं। एक लीटर पानी में 50 ग्राम कालमेघ (कड़ू चिरायता) एक तिहाई रहने तक उबालें। छानकर कांच की बोतल में भरकर रख लें और स्वस्थ व्यक्ति 20 एमएल काढ़ा दिन में एक बार 15 दिन तक लें। जबकि संक्रमित व्यक्ति सात दिन तक दिन में तीन बार लेगा तो ठीक हो जाएगा। सोनी का दावा है कि पंचांग एंटी वायरस है और चिकनगुनिया, डेंगू, पीलिया में पूरी तरह से सफल रहा है। सोनी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को भी यह विधि भेजी है।

तन्खा ने उठाए सवाल

उधर, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि कोरोना की इस जंग में आपका चित्र सरकारी पैकेट में देना बहुत गलत मैसेज है। ऐसा करना दंडनीय अपराध है। क्या आपकी अनुमति से हुआ है, नहीं तो जिस अधिकारी के आदेश से हुआ है, उसे दंडित करें।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण बढ़ने की आशंका, कई जिलों में लोग सशंकित

शिविरों में रह रहे झारखंड के मज़दूरों में भय व्याप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोराना वायरस संक्रमण के मामले में छत्तीसगढ़ में हालात बहुत अच्छा रहा है। 37 पाजेटिव मामले आने के बाद लंबे अर्से से और नए मरीज नहीं मिलने से नागरिकों की चिंता दूर हुई थी। मंगलवार की दोपहर तक जहां छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमितों की संख्या मात्र तीन पर आ गयी थी, रात होते-होते यह 13 हो गई।

जानकार सूत्रों का कहना है कि यह संख्या खतरनाक तरीके से बढ़ सकती है। दरअसल जिस मज़दूर के ज़रिए यह फैला, उसके साथ रहने वाले मज़दूर जशपुर और राजनांदगांव जिले के क्वारेन्टीन सेंटर में हैं। इन सभी की जांच अब तेज कर दी गई है। राहत शिविरों में वहां रह रहे झारखंड के मज़दूरों में भय व्याप्त है।

दरअसल 16 अप्रैल की रात को महाराष्ट्र से झारखंड जाने वाले मजदूरों को राजनांदगांव के पास क्वारेंटाइन सेंटर से जशपुर और सूरजपुर के जजावल शिफ्ट किया गया था। वहां मज़दूरों को करीब 400 की संख्या में रुकवाया गया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण की स्थिति चिंताजनक है।

जांच जारी है

जशपुर और सूरजपुर में क़रीब 300 से ज़्यादा मज़दूर भेज दिए गए थे। इन 300 मज़दूरों में से 106 लोगों को सूरजपुर और बाक़ी करीब 200 लोगों को जशपुर भेजा गया है। सूत्रों का कहना है कि पिछले 4-5 दिनों में जशपुर में कई समाजसेवी संस्थाएं आश्रय गृह जाकर इनसे मिला है और सेवा करने के नाम पर इनके साथ फोटो शूट भी कराया है। अगर यह सब सच निकला और यदि जशपुर से कोई सम्भावित मरीज़ निकला तब तो उनके ऊपर भी दिक्कतें आने की सम्भावना बनी रहेगी। सूरजपुर के मजदूरों की जांच रैपिड टेस्टिंग किट से हुई है इसके बाद एक और टेस्ट होगा जो कि रायपुर मेकाहारा अथवा एम्स में होगा इसके बाद ही यह तय माना जाएगा कि वे कोरोना पाजिटिव हैं अथवा नहीं। इस समय जशपुर के मज़दूरों की जांच जारी है।

पुलिस का एक जवान भी पॉजिटिव मिला

बताया जा रहा है कि राजनांदगांव से भेजने से पहले न तो इन लोगों की जांच हुई और न ही किसी की मंजूरी ली गई। संबंधित जिलों के अधिकारियों ने खुद ही समन्वय बनाकर यह फैसला कर लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सूरजपुर में पुलिस का एक जवान भी कोरोना पाजिटिव मिला है। जिसकी ड्यूटी श्रमिकों के आश्रयगृह में लगी थी। वहां किसी प्रकार की फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा था।

जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ...

अस्पताल के चौखट पर हुआ बच्चे का जन्म

धमतरी। सुदूर वनांचल से यदि कोई संजीवनी 108 और महतारी 102 वाहन में फोन लगाए और न लगे तो एक बार समझ भी आता है, लेकिन जिला अस्पताल से महज दो किलोमीटर दूर से भी न तो सुविधा मिल पाए और न ही यहां से फोन लगाने के बाद भी फोन न लग पाए तो समझ नहीं आता। जरूरत के समय यदि शासन की ओर से दी जा रही सेवा नहीं मिले तो अक्सर निराशा हो जाती है। सोमवार को एक ऐसा ही वाकया देखने को मिला। धमतरी शहर के सुंदरगंज वार्ड निवासी रेखा गुप्ता को 29 अप्रैल को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। ऐसे में उसके पति तरुण गुप्ता ने तत्काल संजीवनी 108 और महतारी 102 गाड़ी को बुलाने के लिए फोन लगाया। लेकिन दोनों ही वाहनों से संपर्क नहीं हो पाया। ऐसे में शहर की सेवाभावी संस्था रक्तदान ग्रुप को तरुण ने फोन लगाया। जैसे ही इसकी सूचना रक्तदान ग्रुप के शिवा प्रधान को मिली वे तत्काल गाड़ी के साथ सुंदरगंज वार्ड पहुंचे और प्रसव पीड़ा से कराह रही रेखा गुप्ता को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। लेकिन जिला अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास ही अचानक से फिर प्रसव पीड़ा बढ़ गई, और वहीं पर आनन-फानन में जिला अस्पताल की नर्स और अन्य सहायिकाओं के सहारे डिलीवरी कराई गई।

रेखा गुप्ता को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. बीके साहू ने जच्चा-बच्चा का परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

पूरी टीम ने सच्ची घटना की तरह जवाबदारी निभाई

कोरोना संदिग्ध मिलने पर प्रशासन की मॉक ड्रिल से धमतरी जिले में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

कोरोना संदिग्ध मिलने पर हुई जिला प्रशासन की मॉक ड्रिल की कानोंकान किसी को खबर नहीं हुई। बहुत ही गोपनीय ढंग से हुई मॉक ड्रिल से जिले में कोरोना संदिग्ध मिलने से हड़कंप मच गया। पूरी टीम ने सच्ची घटना की तरह जवाबदारी निभाई। टीम ने पूरी सुरक्षा के साथ कोरोना संदिग्ध को घर से एंबुलेंस से उपचार के लिए उठाया।

उनके परिवार के तीन लोगों को भी जिला अस्पताल ले जाने के बहाने वाहन में ले गए। इसे देखकर वार्ड व शहर में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस व प्रशासन ने प्रभावित वार्ड व संदिग्ध के मकान को सील भी कर दिया। कोरोना संदिग्ध मिलने की खबर से शहर व आसपास गांवों में सन्नाटा पसर गया था। शाम को जब जिला प्रशासन द्वारा मॉक ड्रिल की खबर जारी की गई, तब लोगों ने राहत की सांस ली। बेहतर ढंग से हुई जिला प्रशासन के इस माकड्रिल की चर्चा लोगों में होती रही।

29 अप्रैल बुधवार को जिला प्रशासन ने पहले से तय माकड्रिल में होने वाली गतिविधियों के अनुसार जालमपुर वार्ड के एक व्यक्ति का आरडी टेस्ट में कोरोना पॉजीटिव आने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त हुई। इसके बाद कोरोना फाइटर्स टीम से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी तत्परता से कार्रवाई करते हुए उक्त व्यक्ति को स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के विशेष सुरक्षा घेरे में लेकर एम्स रायपुर के लिए एम्बुलेंस में रवाना किया गया।

वार्ड के प्रत्येक घर में की गई जांच

इस बीच जालमपुर वार्ड के प्रत्येक घर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य जांच की। इसी तरह नगर निगम की टीम के द्वारा हाइपो क्लोराइट लिक्विड का छिड़काव कर सेनिटाइजेशन किया गया। साथ ही पूरे वार्ड को संवेदनशील क्षेत्र घोषित कर आवाजाही तथा लोगों का घर से निकलना पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया। वार्ड के सभी प्रवेश द्वार पर पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात हो गए। चारपहिया वाहनों से वार्ड को सील किया गया। तेज सायरन बजाते हुए पुलिसकर्मी घूमते रहे।

मॉकड्रिक की गोपनीयता में सफल हुई टीम

कलेक्टर रजत बंसल, एसपी बीपी राजभानू, जिला पंचायत की सीईओ नम्रता गांधी तथा एएसपी मनीषा ठाकुर ने पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के अमले की तैनाती का जायजा लिया। इसके बाद शाम साढ़े चार बजे कलेक्टर, एसपी, सीईओ तथा एएसपी ने मौके पर पहुंचकर यह स्पष्ट किया यह पूरी कार्रवाई मॉक ड्रिल के तौर पर की गई थी। इसके तहत प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा निष्पादित किए जाने वाले त्वरित कार्य एवं गतिविधियों का आत्म-आकलन किया गया। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद क्विक रेस्पॉन्स टीम के सदस्यों को बताया कि यह आवश्यक था।

क्वीक रिस्पॉस दिया

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस को लेकर जिले में गठित विभिन्न टीमों ने क्विक रिस्पॉन्स किया, इससे यह बात सिद्ध होती है कि यहां की टीम किसी भी प्रतिकूल स्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सक्षम है। मॉकड्रिल में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने बेहतर ढंग से अपने दायित्व का निर्वहन किया, इसके लिए पूरी टीम बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर एसपी तथा सीईओ ने भी कहा कि आने वाले समय में किसी आपात स्थिति में चुनौतियों का सामना करने में हम कितन सक्षम हैं, इसके मद्देनजर यह कार्रवाई गोपनीय ढंग से की गई।

इन दिनों घर से बाहर पार्क या जिम में जाकर एक्सरसाइज न कर पाने के कारण अगर आप अपने वेट को लेकर चिंतित हैं तो यहां बताए जा रहे मसालों का सेवन शुरू कर दें। इससे आपकी इम्यूनिटी को भी फायदा होगा।

सजेशन

शिखर चंद जैन

वेट रहेगा कंट्रोल
बढ़ेगी इम्यूनिटी

इन दिनों लॉकडाउन की वजह से घूमना-फिरना कम हो पाता है और आप अपने वेट कंट्रोल प्रोग्राम के डिस्टर्ब होने से परेशान हैं तो घर में एक्सरसाइज और योगासन के साथ-साथ इन मसालों के सेवन की मदद से भी आप वेट कंट्रोल कर सकते हैं। इन मसालों के सेवन से आपको दोहरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी भी बढ़ाएंगे।

अदरक : आयुर्वेद में शरीर में चर्बी इकट्ठा होने की एक बड़ी वजह कफ की वृद्धि को माना गया है। जिन लोगों में इस कारण से

फैट जमा हुई है, उनके लिए अदरक का सेवन काफी फायदेमंद माना गया है। अदरक पेंक्रियाटिक एंजाइम की तरह काम करती है, जिससे खाने का पाचन सुचारू रूप से होता है और अनावश्यक फैट शरीर में इकट्ठा नहीं होता।

काली मिर्च: आयुर्वेद में काली मिर्च को कटुरस प्रधान और तीक्ष्ण स्वाद वाली कफ-वात नाशक औषधि माना गया है। यह भोजन का स्वाद बढ़ाने वाली, कृमिनाशक और ज्वरनाशक भी मानी गई है। इसमें फैट बर्निंग के गुण भी मौजूद हैं। कई शोधों के नतीजों में प्रमाणित हो चुका है कि इसमें मौजूद पेपरिन फैट सेल की ग्रोथ नहीं होने देते। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं। काली मिर्च पसीने के माध्यम से शरीर में मौजूद वेस्ट प्रोडक्ट का भी उत्सर्जन करती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ इसे एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों के कारण भी खूब पसंद करते हैं। इसके नियमित सेवन से आपको स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी।

दालचीनी: दालचीनी प्रायः हर घर की रसोई में मिल जाती है। यह कफ-खांसी नाशक, उष्ण तासीर वाली हर्ब है। दालचीनी के सेवन से व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। जिससे वह ओवर ईटिंग से बच सकता है और वेट कंट्रोल प्रोग्राम आसानी से सफल हो सकता है। इसमें मौजूद पॉलीफेनॉल ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है। साथ ही यह खून से खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल का लेवल कम कर के अच्छे कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ाता है। इससे भी वेट कंट्रोल होता है और कोरोनरी हार्ट डिजीज का जोखिम कम होता है।

हल्दी: हम दालों और सब्जियों में हल्दी जरूर डालते हैं। यह कफ नाशक है, स्वाद में तीखी और कटुरस युक्त हल्दी को फैट रिडक्शन के लिए अत्यधिक उपयोगी माना गया है। इसमें मौजूद कर्क्यूमिन मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करके रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करता है। साथ ही इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं।

जीरा: कई व्यंजनों में तड़का लगाने की प्रक्रिया जीरे बिना पूरी नहीं हो सकती। पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। यह पित्त वर्धक, वातनाशक हाजमे में सहायक और आंखों के लिए भी उपयोगी माना जाता है। यह जठराग्नि को मेंटेन करते हुए शरीर में अवांछित फैट को जमने से रोकता है। जीरे का सेवन वजन कम करने में भी मददगार है, यह बॉडी से फैट और कोलेस्ट्रॉल कम करता है, जीरा एक बेहतरीन एंटी-ऑक्सिडेंट है और साथ ही यह सूजन को कम करने और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने में कारगर है, इसमें फाइबर भी पाया जाता है और यह आयरन, कॉपर, कैल्शियम, पोटैशियम, मैगनीज, जिंक और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स का अच्छा सोर्स भी है, इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी-कॉम्प्लैक्स जैसे विटामिन भी खासी मात्रा में पाए जाते हैं।

सरसों : सरसों को मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जाना जाता है। इसमें मौजूद नियासिन जो निकटीनामाइड को एंजाइम का अंश है, ब्लड कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड कम करने में सहायक है।

मेथी: मेथी को आयुर्वेद में वातनाशक, श्लेष्मानाशक और ज्वरविनाशकारी माना जाता है। इसमें थियामिन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, विटामिन बी,ई होते हैं। वजन कम करने के लिए रात भर मेथी को पानी में भिगोएं और उस पानी को रोज सुबह पीएं।

ये भी रखें ध्यान

- वजन कम करने के लिए इन मसालों के सेवन के साथ-साथ हमेशा भूख से कुछ कम खाएं। थोड़ी मात्रा में दिन में चार-पांच बार खाएं।
- रात के भोजन में हमेशा तेल-घी रहित हल्का भोजन लें।
- भोजन सोने से कम से कम 2 घंटे पहले कर लें। *

(आरएआरईजीडी, गुवाहाटी के रिसर्च फैलो डॉ. विश्वजीत घोष से हुई बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. अनिमेष आर्य

हालांकि कोरोना संक्रमण के कुछ लक्षणों, जैसे-बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ के बारे में शुरुआत से ही बताया जा रहा है। लेकिन बहुत से ऐसे रोगी भी पाए जा रहे हैं, जिनमें इसके संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखता। इसे एसिंपटोमेटिक कोरोना संक्रमण कहा जा रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार इसमें लापरवाही बरतने पर यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

बिना लक्षणों वाला संक्रमण
लापरवाही हो सकती है खतरनाक

को रोना संक्रमण की महामारी की चपेट में पूरी दुनिया है। शुरुआती दौर में इसके संक्रमण को फैलने से रोकने और इसके लक्षणों के आधार पर पहचान की बात की गई थी ताकि सभी लोग उसी अनुसार जांच और बचाव के लिए खुद को तैयार करें। लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं, क्योंकि अब चुनौतियां भी अधिक कठिन हो गई हैं। पहले जैसा कि इसके लक्षणों में सूखी खांसी, बुखार और गंभीर मामलों में सांस लेने में तकलीफ आदि बताया गया लेकिन नए मामलों में यह भी देखा गया है कि कोई भी लक्षण दिखाई न देना, इस बात का संकेत नहीं है कि व्यक्ति संक्रमण रहित होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से भी कहा गया कि बिना लक्षणों वाले संक्रमित रोगी भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में सचेत रहना ही पहली सावधानी है और हमें इससे बचने के लिए हर तरह से तैयार रहने की जरूरत है।

समझें अपनी जिम्मेदारी

सबसे पहले यह समझना होगा कि कोरोना के कोई भी लक्षण न दिखाई देना ज्यादा खतरे की बात है क्योंकि भले ही व्यक्ति एक सामान्य जीवन जी रहा है लेकिन वह एक घातक रोग का संवाहक तो है ही। इसलिए ऐसे केस में यदि व्यक्ति जानता है कि वह संक्रमित है और पूरी तरह से सामान्य जीवन जीने लायक है तो अपने आप को स्वस्थ मान कर न चले। इसलिए यदि ऐसे व्यक्ति को अपने संक्रमण की जानकारी है तो तुरंत अपने प्रशासन को खबर करके अपने आप को पूरी तरह से ठीक हो जाने तक क्वारंटीन में रहना चाहिए।

कैसे मानें खुद को संदिग्ध

अब चूंकि बता दिया गया है कि कोरोना कई मामलों में लक्षण रहित भी होता है तो ऐसे में घबराने के बजाय विवेक से काम लें। चूंकि इससे संक्रमित होने का मूल कारण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रमण का फैलना

है इसलिए कुछ बातों पर गौर करें-

- क्या लॉकडाउन से एक महीना पहले से लेकर अब तक के समय किसी विदेश यात्रा या देश में ही कोई हवाई यात्रा या ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आने की आपकी कोई हिस्ट्री रही है?
- बताई गई सावधानियों को न बरतते हुए किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना, या किसी ऐसे ही संदिग्ध मरीज के संपर्क में आना।
- बिना किसी सावधानी के संक्रमण के जोखिम वाली जगह पर जाना जैसी कोई हिस्ट्री है, तो बहुत मुमकिन है कि लक्षण न दिखाई देने पर भी आप संक्रमित हों। ऐसे में बिना किसी हिचक के जांच के लिए जाना चाहिए और सभी हिदायतों का पालन करना चाहिए।

मरीजों का इलाज

कोरोना संक्रमण से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले ऐसे मरीज, जिनको सांस लेने में परेशानी आने लगती है तो उन्हें अन्य दवाओं के साथ वेंटीलेटर की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन लक्षण न दिखाई देने वालों को इसकी जरूरत बेशक नहीं पड़ती लेकिन सभी तरह के इलाज में कॉमन होता है आइसोलेशन, सामाजिक दूरी। इन्हें आइसोलेशन में ऑब्जरवेशन में रखा जाता है और संक्रमण रहित होने तक संबंधित डॉक्टर इलाज करते हैं। इलाज के दौरान पेशेंट के टेस्ट अलग-अलग चरणों में होते हैं।

संक्रमण गंभीर होने में लेता है समय

कोरोना के संक्रमण के मामले में यह बात ध्यान देने वाली है कि अकसर यह संक्रमण अपना गंभीर रूप लेने में समय लेता है। जैसे बहुत मुमकिन है कि इसके शुरुआत में कोई लक्षण ही न दिखें और धीरे-धीरे व्यक्ति को खांसी, जुकाम फिर बुखार आदि लक्षण दिखें। खबरों के अनुसार विदेश से आने वाले कई लोगों ने कोई लक्षण न होने पर लापरवाही की, खुद को आइसोलेट नहीं किया, लेकिन अचानक फिर उनकी तबियत बिगड़ी जिससे संक्रमण का पता चला लेकिन कोई लक्षण न दिखने के दौरान ये लोग न केवल सामान्य जीवन जीते रहे बल्कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेते रहे, जिसका नतीजा यह हुआ कि उन्होंने अन्य लोगों के लिए संक्रमण का जोखिम तैयार कर दिया। इसलिए यदि उपरोक्त में से कोई भी असावधानी आपसे हुई है तो तुरंत सचेत हो जाएं और जांच का विकल्प चुनें, हिदायतों का पालन करें, क्योंकि संक्रमण का शरीर में होना ही इस रोग की पुष्टि है। ऐसे में इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जिसके लक्षण आज नहीं दिख रहे, वह कल गंभीर रूप से आपको बीमार नहीं करेगा।

करवाएं पूरा इलाज

जैसा बताया गया कि यदि आप जानते हैं कि आप कोरोना संक्रमित हो सकते हैं लेकिन 'बीमार' नहीं हैं, यानी कोई भी लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं तो ऐसे में भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए संक्रमण रहित होने तक आइसोलेशन में रहें और डॉक्टर के निर्देशानुसार पूरा इलाज करवाएं, फिर चाहे इसमें कितना भी लंबा समय क्यों न लगे। यह आपकी जान को बचाने के लिए जरूरी होने के साथ ही बतौर नागरिक भी आपकी जिम्मेदारी है। *

(लेखक श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-पल्मोनोलॉजिस्ट हैं)

मास्क-सामाजिक दूरी है जरूरी

लक्षण रहित कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए सामाजिक दूरी और मास्क पहनने जैसी हिदायतों का सख्ती से पालन हम सभी को करना चाहिए। क्योंकि अपने आस-पास हम नहीं जानते हैं कि कौन व्यक्ति संदिग्ध है। ऐसे में सावधानी बरतें और इन्हीं सावधानियों को अपनाते हुए, जो लोग संक्रमित हैं उनको ठीक होने में मदद करें और हौसला बढ़ाएं, ताकि रोगी जल्द से जल्द इस संक्रमण से पूर्णतः मुक्त हो जाएं। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, आईसीएमआर और डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी की गई जानकारी के अलावा अन्य किसी भ्रमित करने वाली खबरों या अफवाहों पर ध्यान न दें। *

हेल्थ रिसर्च

कोरोना पेशेंट्स के लिए खतरनाक है मोटापा

महामारी बन चुकी कोरोना वायरस का इलाज ढूंढ़ने में दुनिया भर के वैज्ञानिक एक ओर जहां हर संभव प्रयास कर रहे हैं, वहीं इसका मनुष्यों पर पड़ने वाले प्रभावों का भी अध्ययन किया जा रहा है। एक शोध में पाया गया है कि मोटापा, कोरोना वायरस पीड़ितों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

कोरोना वायरस से पीड़ित लोगों को लेकर फ्रांस के वैज्ञानिक लगातार शोध कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि फ्रांस के 25 प्रतिशत लोग गंभीर रूप से उम्र, पूर्व मौजूदा समस्याओं या मोटापे के कारण खतरनाक स्थिति का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिक परिषद के जीन शाखा के प्रमुख प्रोफेसर फ्रांस्वा डेल्क्रेसी ने कोरोना बीमारी का मोटे लोगों पर हुए असर के शोध का निष्कर्ष निकालते हुए कहा है कि मोटापे के बढ़ते स्तर के कारण अमेरिकियों को कोरोना वायरस से बिशेष रूप से खतरा है। प्रोफेसर फ्रांस्वा

डेल्क्रेसी के अनुसार अमेरिका में वर्तमान में 42.4 प्रतिशत वयस्क आबादी मोटापे का शिकार है, जिनमें 18.5 प्रतिशत बच्चे हैं। कोरोना वायरस की चपेट में आए लोगों में मोटे लोगों की संख्या काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अब तक 8 लाख से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं और 50 हजार से अधिक लोग जान गवां चुके हैं। डेल्क्रेसी का मानना है कि यह वायरस मोटे लोगों को अपनी चपेट में आसानी से ले सकता है ऐसे में जो लोग अधिक वजन वाले हैं, उन्हें बिशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। * -अजेश कुमार

संक्रमण से बचाव में कारगर हैं होम्योपैथिक दवाएं

मेडिकल सजेशन

अंजू गुप्ता

को विड-19 जिसे सामान्य भाषा में कोरोना वायरस कहा जाता है, ने दुनिया के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। मेडिकल साइंस अभी तक इसके बचाव का कोई टीका नहीं खोज पाया है इसलिए सभी देश इससे घबराए हुए हैं। दुनिया भर में कोरोना वायरस से लगभग 30 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 2 लाख से अधिक लोग मौत का शिकार हो गए हैं। जब महामारियों एवं संक्रामक रोगों से बचाव एवं उपचार की बात होती है, तब होम्योपैथी की चर्चा होना स्वाभाविक है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक डॉ. हैनिमैन के समय से लेकर आज तक 200 वर्षों में होम्योपैथी ने अनेक महामारियों के बचाव एवं उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

होम्योपैथी में संक्रामक रोगों के उपचार की असीमित संभावनाएं निहित हैं, बस जरूरत है उसको अनुभवी डॉक्टर के निर्देश पर प्रयोग में लाकर आजमाने की। जैसा बताया जा रहा है कोरोना के संक्रमण से निपटने के लिए सबसे जरूरी है बेहतर इम्यूनिटी। इम्यूनिटी अच्छी होगी तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर रहेगी।

होम्योपैथी में शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में आर्सेनिक एल्बम, इंफ्लेंजनम, जेल्सियम, ब्रायोनिया, बेलाडोना, कैंफर जैसी दवाएं बेहतर और सकारात्मक परिणाम देती हैं। इन होम्योपैथिक दवाओं को डॉक्टर के परामर्श से लेकर शरीर की इम्यूनिटी को बेहतर बनाया जा सकता है। इम्यूनिटी बेहतर होने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होगी और शरीर कोरोना के अलावा अन्य मौसमी संक्रामक रोगों को रोकने में समर्थ रहेगा। इन होम्योपैथिक दवाओं के अलावा पौष्टिक भोजन, हरी सब्जियों का सेवन, विटामिन-सी की गोलियां शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में कारगर हैं। रोजाना धूप में बैठना और प्राणायाम जैसे योग भी इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं। *

(वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अनुरुद्ध वर्मा से बातचीत पर आधारित)

आमंत्रित हैं लेख...

स्वयं डॉक्टर्स या लेखक, स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से बातचीत पर आधारित लेख हमें इस पृष्ठ में प्रकाशनार्थ भेज सकते हैं। लेख इस पते पर भेजें

हरिभूमि- संपादक-सेहत

सी-101, 102 न्यू मुल्तान नगर, दिल्ली-110056

या मेल करें-sehatharibhoomi@gmail.com

अवेयरनेस

शाहिद ए चौधरी

कोरोना वायरस के संक्रमण, इसके लक्षणों और प्रभावों के बारे में लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। यही वजह है कि इस बहुरूपिए वायरस की सटीक दवा और वैक्सीन भी अभी तैयार नहीं हो सकी है। ऐसे में इसके संक्रमण पर किसी भी असामान्य लक्षणों को लेकर हमें सजग रहना चाहिए।

बहुरूपिया कोरोना वायरस

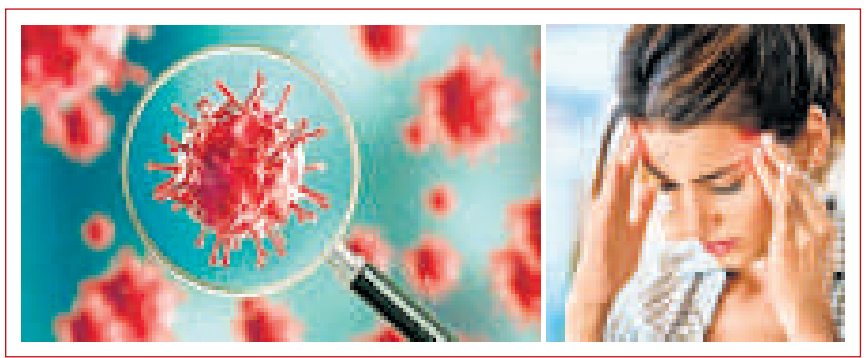

आपको कोरोना वायरस का संक्रमण है या नहीं? जानने के लिए विशेषज्ञों ने जो लक्षण बताए, उसके तीन चरण हैं। पहला- जब संक्रमण नया है तो हल्का बुखार, सूखी खांसी, सिरदर्द और दस्त। दूसरा- जब फेफड़े प्रभावित होते हैं तो सांस सही से न लिया जाना और हायपोक्सिया यानी ऑक्सीजन की कमी। तीसरा-जब शरीर का इम्यून सिस्टम संक्रमण को बाहर निकालने के लिए हाइपर मोड में आ जाता है तो एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, शॉक, कार्डियक फेलियर, सिस्टमिक इंफ्लेमेटरी रेस्पोंस सिंड्रोम जिसमें पूरे शरीर पर सूजन और जलन होने लगती है। लेकिन अब कोविड-19 से संक्रमित ऐसे भी मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें इनमें से कोई लक्षण नहीं पाए जा रहे यानी इस रोग के प्रचारित लक्षण दिखाई ही नहीं दे रहे हैं। यह बहुत खतरनाक है, क्योंकि बिना लक्षण वाले रोगी बीमारी फैलाते रहते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता है।

उभर रहे हैं नए लक्षण

भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अपने देश में जो कोविड-19 संक्रमण के कुल मामले हैं उनमें से 80 प्रतिशत में इस रोग के लक्षण नहीं हैं या बहुत ही मामूली हैं, यह चिंता का बड़ा कारण है। मंत्रालय के अनुसार, बिना लक्षण वाले रोगी दूसरे लोगों में संक्रमण फैला सकते हैं, इसलिए सोशल डिस्टेंसिंग (देह से दूरी) का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस बारे में चिंता का एक अन्य गंभीर विषय यह भी है कि कोविड-19 में अब नए प्रकार के लक्षण देखने को मिल रहे हैं यानी कोरोना वायरस अलग-अलग तरह से अटैक कर रहा है। मसलन, लगभग दो सप्ताह पहले चेन्नै की एक डर्मेटोलॉजिस्ट (त्वचा रोग विशेषज्ञ) के पास एक जोड़ा आया, दोनों को ही हल्का बुखार था और दोनों के ही पैरों पर समान प्रतीत होने वाले रैशेज थे। डॉक्टर ने सोचा कि शायद दोनों को खसरा है, लेकिन यह भी आश्चर्य की बात थी कि दोनों को एक सा ही संक्रमण एक साथ कैसे हो सकता था, इसलिए दोनों को ही कोविड-19 टेस्ट कराने की सलाह दी गई और दोनों पॉजिटिव निकले। अब दोनों ठीक हो चुके हैं। चेन्नै के संक्रमण रोग विशेषज्ञ डॉ. सुब्रमण्यम स्वामीनाथन इसे 'कोविड फीट' कहते हैं। उनके अनुसार, इस बात के साक्ष्य बढ़ते जा रहे हैं कि त्वचा यह बताने का सेंसर हो कि शरीर के भीतर कोविड-19 के साथ क्या हो रहा है। अगर किसी को कोविड-19 के घोषित लक्षण (बुखार, खांसी या बदन दर्द) नहीं हैं और पैरों पर रैशेज दिखाई देते हैं तो उसे कोरोना वायरस संक्रमण का टेस्ट कराना चाहिए। शायद यही कारण है कि डॉक्टरों का फिलहाल के लिए केवल यही नुस्खा है- अधिक टेस्ट और आइसोलेशन।

हो सकती है ब्लड क्लॉटिंग

अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने कोविड-19 रोगियों के रक्त में कुछ अजीब चीज होते हुए देखी। विभिन्न विशेषज्ञों ने शरीर के विभिन्न अंगों में रक्त को गाढ़ा और क्लॉट होते हुए देखा। नेफ्रोलॉजिस्ट्स ने, गुर्दे के जो कैथिटर्स डायलिसिस (खून को साफ) करते हैं, उनको क्लॉट से बंद होते हुए देखा। पल्मोनोलोजिस्ट्स ने कोविड-19 रोगियों को मैकेनिकल वेंटीलेटर्स पर मॉनिटर करते हुए देखा कि फेफड़ों के कुछ हिस्सों में रक्त ही नहीं था। न्यूरोसर्जनों ने देखा कि ब्लड क्लॉट की वजह से स्ट्रोक में वृद्धि हो रही है और 31 वर्ष के रोगी तक को स्ट्रोक पड़ा है, जिस प्रकार से यह रोग शरीर के विभिन्न अंगों में क्लॉट उत्पन्न कर रहा है, उससे विशेषज्ञों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि कोविड-19 फेफड़ा (लंग) रोग से कहीं आगे की बात है, इसलिए अब क्लॉट के उत्पन्न होने से पहले ही रोगियों को रक्त पतला करने की दवा भी दी जा रही है, इस उम्मीद में कि क्लॉटिंग रोकने से शायद यह रोग कम घातक हो जाए, लेकिन यह नया प्रोटोकॉल हाई-रिस्क रोगियों के लिए नहीं है, क्योंकि खून को पतला करने से ब्रेन और अन्य अंगों में ब्लीडिंग हो सकती है।

सावधानी सबसे जरूरी

कोविड-19 रोगियों में नित नए लक्षण और जटिलताएं सामने आ रही हैं। कुछ रोगियों में लक्षण ही नहीं हैं। कोविड-19 को हुबेई प्रांत, जिसकी राजधानी वुहान है, में नियंत्रित करने के बाद अब चीन के उत्तर-पूर्वी शहर हर्बिन में इसके नए मामले सामने आए हैं। साथ ही कोविड-19 का अभी कोई निश्चित इलाज भी नहीं तलाशा जा सका है। वैक्सीन आने की भी अभी बस उम्मीदें ही हैं। दरअसल, नए कोरोना वायरस के बारे में जानकारी का जबरदस्त अभाव है, इस वजह से अधिक परेशानी है, इसलिए विश्व स्वास्थ संगठन ने सावधान किया है कि फिलहाल हमें सोशल डिस्टेंसिंग और एहतियात बरतते हुए कोविड-19 के साथ जीना सीखना होगा। *

चिंतन

दिलों के तार छेड़ती थी इरफान की अदाकारी

राजस्थान से दिल्ली और फिर यहां नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से मुंबई जाकर अपने अभिनय से धाक जमाने वाले इरफान खान बेहतरीन अदाकार और उम्दा इंसान थे। उनके निधन से दुनियाभर में शोक की लहर है। वे ऐसे अभिनेता थे, जिन्हें बॉलीवुड से पहले हॉलीवुड ने पहचाना। वे हॉलीवुड से होकर बॉलीवुड पहुंचे। वे भारत के पहले इंटरनेटशनल अभिनेता भी थे। इरफान ने दर्जनों फिल्मों में बेमिसाल अदाकारी का लोहा मनवाया। उन्होंने हासिल, मकबूल, लाइफ इन ए मेट्रो, आनः मैन एट वर्क, द किलर, सनडे, क्रेजी-4, बिल्लू, स्लमडॉग मिलियनेयर, न्यूयॉर्क, लंचबॉक्स, पीकू और अंग्रेजी मीडियम जैसी फिल्मों में काम किया, जिसे लोगों ने खूब सराहा। उनकी आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम थी। उन्हें हॉलीवुड में भी खूब सफलता मिली। द नेमसेक, लाइफ ऑफ पाई, जुरासिक वर्ल्ड, स्लमडॉग मिलियनेयर, इन्फर्नो, द अमेजिंग स्पाइडर मैन और ए माइटी हार्ट जैसी हिट और लोकप्रिय फिल्मों में अपने बोलते अभिनय की छाप छोड़ी। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म पान सिंह तोमर के लिए इरफान खाम को राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके मित्र तिग्मांशु धूलिया की इस फिल्म में इरफान ने विद्रोही डकैत पान सिंह तोमर की जीवंत भूमिका अदा की थी। इरफान खान ने सपोर्टिंग और निगेटिल रोल के लिए आईफा, स्टारस्क्रीन, जी सिने, फिल्मफेयर जैसे तमाम अवार्ड अपने नाम किए। इसके अलावा, लाइफ ऑफ पाई और स्लमडॉग मिलियनेयर जैसी फिल्मों ने ऑस्कर में भी धूम मचाई। ऐसा नहीं हैं कि इरफान को यह कामयाबी यूं ही मिल गई हो। इसके पीछे उन्हें लंबा संघर्ष और कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वो बताते थे कि संघर्ष के दौरान पैसे न होने के कारण न जाने कितने दिनों तक भूखा ही रहना पड़ा। एक बार तो सब्जी तक बेची, लेकिन हार नहीं मानी। इरफान में क्रिकेट के प्रति भी गहरा लगाव था। उनका चयन सीके नायडु ट्रॉफी के लिए हुए था, जहां उभरते हुए खिलाड़ियों को तराशने का मौका मिलता है। फिर वे प्रथम श्रेणी के लिए तैयार होते हैं, मगर पैसों की तंगी के चलते वे ज्यादा नहीं खेल पाए। जयपुर में 7 जनवरी 1967 को जन्मे इरफान का पूरा नाम साहबजादे इरफान अली खान था। पिता का नाम जागीरदार खान था। इरफान ने पठान मुस्लिम परिवार में जन्म लेने के बाद भी कभी मीट या मांस नहीं खाया और वे बचपन से ही शाकाहारी थे। यही कारण है कि उनके पिता इरफान को मजाक में कहा करते थे कि ये तो पठान परिवार में ब्राह्मण पैदा हो गया है। इरफान खान ने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की। उन्होंने चाणक्य, भारत एक खोज, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात, चंद्रकांता और श्रीकांत जैसे धारावाहिकों से करियर का आगाज किया। स्टार प्लस के सीरियल डर में विलेन की भूमिक भी निभाई। 23 फरवरी 1995 को इरफान ने अपनी दोस्त सुतपा सिकदर से शादी की थी। जिनसे उनके दो बेटे, अयान और बाबिल हैं। फरवरी 2018 में जांच के बाद इरफान को पता चला कि उन्हें कैंसर है। इसके इलाज के लिए वे एक साल के लिए लंदन गए। 53 साल के इरफान ने गुरुवार को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में अंतिम सांस ली। चार दिन पहले ही इरफान की मां सईदा बेगम का भी देहांत हो गया था। वे अपनी मां के अंतिम संस्कार में हिस्सा नहीं ले सके थे। मौजूदा दौर के बेहतरीन अदाकार इरफान खान अब नहीं रहे। कभी भी लौटकर नहीं आने के लिए वो ऐसे समय में दुनिया से निकल गए, जब कोई घर से बाहर नहीं निकल सकता। इरफान का शरीर अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका अभिनय हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेगा और याद दिलाता रहेगा कि इरफान वो कलाकार थे, जिनका अभिनय बोलता था, बहुत कुछ कहता था, दिलों के तार छेड़ता था। अलविदा इरफान, आप हमेशा जिंदा रहेंगे।

पुष्पाजंलि

विवेक शुक्ला

सदैव जिंदा रहेंगे इरफान

इरफान खान को साल 2012 में 60वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार फिल्म पान सिंह तोमर में अभिनय के लिए दिया गया था। वह उनके करियर के श्रेष्ठतम फिल्मों से एक थी। कुछ एक्टर ऐसे होते हैं कि चरित्र में इतना घुसकर एक्टिंग करते हैं कि लगता है कि हिलाकर रख देंगे। इरफान खान उन गिने-चुने कलाकारों में थे। उनकी मृत्यु पर पूरे देश में शोक का माहौल है। वे अपनी फिल्मों के माध्यम से सदैव अपने चाहने वालों के बीच जिंदा रहेंगे।

बेहतरीन धावक से दस्यु बने पान सिंह तोमर के जीवन पर बनी फिल्म की शूटिंग से पहले इरफान खान सन 2009 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित करनैल सिंह स्टेडियम आए थे। उनके साथ फिल्म के डायरेक्टर तिग्मांशु धूलिया भी थे। इरफान खान करीब पौना घंटा 1954 में बने करनैल सिंह स्टेडियम में ठहरे। उसके चक्कर लगाए। क्या आप जानना चाहेंगे कि वे क्यों स्टेडियम आए थे? दरअसल इसी स्टेडियम में पान सिंह तोमर ने 1964 में राष्ट्रीय स्टीपलचेज स्पर्धा का रिकार्ड स्थापित किया था। एक तरह वे उस स्थान को देखना चाहते थे जिधर पान सिंह तोमर अपने धावक जीवन के शिखर पर पहुंचे थे। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वे अपने किरदार को कितना जीवंत बनाने की चेष्टा करते थे। पुरानी दिल्ली वाले करनैल सिंह स्टेडियम को पहाड़गंज स्टेडियम भी कहते हैं। इरफान ख़ान कभी क्रिकेट बनना चाहते थे। इधर आकर उन्हें वह दौर जरूर याद आया होगा जब वे क्रिकेटर बनना चाह रहे थे। हालांकि, इस पर उनके पिता राजी नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने नेशलन स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया। इरफान खान को साल 2012 में 60वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार फिल्म पान सिंह तोमर में अभिनय के लिए दिया गया था। वह उनके करियर के श्रेष्ठतम फिल्मों से एक थी।

कुछ एक्टर ऐसे होते हैं कि चरित्र में इतना घुसकर एक्टिंग करते हैं कि लगता है कि हिलाकर रख देंगे। इरफान खान उन गिने-चुने कलाकारों में थे। उनकी मृत्यु पर जिस तरह का देश में शोक का माहौल बना है ऐसा ही दुःख उस समय की अभिनेत्री स्मिता पाटिल के न रहने पर महसूस हुआ था। इस बीच, साउथ दिल्ली के चितरंजन पार्क के बी- ब्लॉक के उस घर की कोई भी दुआ बॉलीवुड के मशहूर एक्टर इरफान खान को नहीं लगी। न केवल इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर के मायके में, बल्कि चितरंजन पार्क के तमाम लोग अपने जमाई बाबू के सेहतमंद होने की बड़ी शिद्दत के साथ कामना कर रहे थे। उन्हें यहां के लोग जमाई बाबू कहते थे। इरफान खान ने सुतापा सिकदर से 1994 में कोर्ट मैरिज की थी। उसके बाद वे यहां लगातार आते-जाते रहते थे। दोनों नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के छात्र थे। उसी दौरान दोनों में घनिष्ठ संबंध स्थापित हो गए थे। इरफान खान कई बार कहते थे कि वे और सुतापा क्लासेज खत्म होने के बाद बंगाली मार्किट और श्रीराम सेंटर में चाय पीने रोज पहुंचते थे। इरफान खान ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत इंटरनेशल फिल्म से की थी। उनकी पहली फ़िल्म सलाम बॉम्बे को ऑस्कर के लिए नॉमिनेशन भी मिला था। उस समय इरफान खान एनएसडी में अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे।

इरफान खान अपने चितरंजन पार्क स्थित ससुराल में कभी हीरो बनकर नहीं आए। मतलब वे उसी तरह से यहां आए जैसे एनएसडी में पढ़ते हुए आया करते थे। वे आठ-नौ साल पहले तक तो यहां की दुर्गा पूजा भी में एक दिन तो अवश्य आ जाया करते थे, पत्नी सुतापा सिकदर के साथ। पर बाद में काम के बढने के बाद उनका चितरंजन पार्क आना कम होता गया। चितरंजन पार्क में सुतापा सिकदर के पड़ोसी और हिन्दुस्तान फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष डीके बोस ने बताया कि सुतापा सिकदर के पिता पूर्व पाकिस्तान के शरणार्थी थे। उन्हें यहां पर 1970 में 160 गज का प्लॉट आवंटित हुआ था। अब उस घर में सुतापा के भाई सपरिवार रहते हैं। सुतापा एंड्रूजगंज के केन्द्रीय विद्यालय की स्टुडेंट थी। दिल्ली के बंगालियों के स्वर्ग चितरंजन पार्क में ढाका, खुलना, मेमनसिंह, चटगांव जैसे शहरों से आए शरणार्थियों को प्लाट दिए गए थे।

इरफान खान ने मकबूल, हासिल, द नेमसेक, रोग जैसी फिल्मों मे अपने अभिनय का लोहा मनवाया। हासिल फिल्म के लिए उन्हे वर्ष 2004 का फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ खलनायक पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। उन्होंने हॉलीवुड की ए माइटी हार्ट, स्लमडॉग मिलियनेयर, लाइफ ऑफ पाई और द अमेजिंग स्पाइडर मैन फिल्मों मे भी काम किया था। 2011 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया। 2017 में बनी हिंदी मीडियम फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया।

बेशक, इरफान खान को हिन्दी फिल्मों के सबसे इटेंस और उम्दा कलाकारों के रूप में याद रखा जाएगा। इरफान ज़िंदगी के आखिरी समय तक लड़ते रहे। इरफान लड़े और बहुत लड़े। इरफान खान बहुआयामी कलाकार थे। उनके निधन की खबर सुनकर सारा देश स्तब्ध रह गया। इरफान की आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम बनी। यह फिल्म इस साल लॉकडाउन से पहले सिनेमाघरों में उतरी। बीमारी की वजह से इरफान इस फिल्म की प्रमोशन में भी शामिल नहीं हुए। अगर बात उनके फिल्मी सफर से हटकर करे तो उनका संबंध राजस्थान के टोंक रियासत के राज परिवार से था। राजस्थान में टोंक अकेली मुस्लिम रियासत थी। इरफान खान का पूरा नाम साहबजादे इरफान अली खान था। पर उन्होंने अपने नाम को छोटा कर लिया था। हालांकि वे जमीन के आदमी रहे। उन्होंने कभी अपने को राजे-रजवाड़ों से जोड़कर नहीं देखा। वे अपनी फिल्मों के माध्यम से सदैव अपने चाहने वालों के बीच जिंदा रहेंगे।

कल्पित ज्ञान की बाधा

संकलित

दर्शन

यदि दुख को मिटाना हो, तो सुख की कल्पना छोड़ देनी पड़ेगी और दुःख को ही जानना पड़ेगा। जो दुख को जानता है, उसका दुःख मिट जाता है। जो सुख को मानता है, उसका दुख छिप जाता है; मिटता नहीं, भीतर चला जाता है। अगर अज्ञान को मिटाना है, तो ज्ञान की कल्पना नहीं करनी है-अज्ञान को ही जानना है। अज्ञान को जो जानता है, वह ज्ञान को उपलब्ध हो जाता है। लेकिन जो ज्ञान को, झूठे ज्ञान को, कल्पित ज्ञान को पकड़ लेता है, उसका अज्ञान छिप जाता है, अज्ञान मिटता नहीं, और ज्ञान उसे मिलता नहीं, क्योंकि कल्पित ज्ञान का कोई भी अर्थ नहीं है। क्या हम सुखी हैं? क्या हमने कभी भी सुख जाना है? अगर कोई बहुत निष्पक्ष अपने जीवन पर लौट कर देखेगा, तो पाएगा, सुख-सुख तो कभी नहीं जाना, दुख ही जाना है। लेकिन दुख को हम भुलाते हैं। और जिस सुख को नहीं जाना, उसको कल्पित करते हैं, उसको थोपते हैं। हां, एक आशा है मन में कि कभी जानेंगे। और आशा उसी की होती है, जिसे न जाना हो। सुख को जाना नहीं है, इसलिए निरंतर सोचते हैं- कल, आने वाले कल, भविष्य में सुख मिलेगा। जो और भी ज्यादा काल्पनिक हैं, वे सोचते हैं, अगले जन्म में। जो और भी ज्यादा काल्पनिक हैं, वे सोचते हैं, किसी स्वर्ग में, किसी मोक्ष में सुख मिलेगा। अगर आदमी ने सुख जाना होता, तो स्वर्ग की कल्पना कभी न की गई होती।

प्रेम के वशीभूत है भगवत्ता

संकलित

प्रेरणा

विदेश के मनीषियों ने, बड़े-बड़े विद्वानों ने, अच्छे-खासे 'इंटेलिजेंट' कहलानेवाले लोगों ने यह स्वीकार किया कि भारत का तत्त्वज्ञान, फिलासफी, भारतीय दर्शन समझ में तो आ जाता है कि एक ही सत्ता है, अनेक अंतःकरणों में और अनेक वस्तु-व्यक्तियों में वह एक ही परमात्मा है। उसके अनेक-अनेक नाम और रूप हैं। यह समझ में तो आ जाता है, लेकिन हिन्दुस्तानियों के पास यह कौन-सा मेथड है कि जो सर्वव्यापक है, सर्वेश्वर है, परमेश्वर है, उसको नन्हा-मुन्ना बच्चा बना देते हैं, छछिया भर छाछ पर नचा देते हैं। 'हाय सीते !... हाय लखन!...' करके रोने की लीला करवा देते हैं, सखा बना देते हैं? जो परात्पर ब्रह्म है उसे अर्जुन का रथ चलानेवाला कैसे बना देते हैं? हिन्दुस्तानियों के पास यह कौन-सा मेथड है? विदेशी दार्शनिकों के दिल में यह गुत्थी बड़ी गहरी है। यहाँ की भूमि पर भगवद्अवतार हुए शिवजी की परम्परा से, भगवान नारायण और ऋषियों की परम्परा से। यहाँ नश्वर शरीर की आसक्ति कम करके भाव और प्रेम विकसित हो ऐसी उपासना और साधना पद्धति है। तो जहाँ भाव और प्रेम होता है वहाँ महाराज! पशु भी वश हो जाते हैं, पक्षी भी वश हो जाते हैं, मनुष्य भी वश हो जाते हैं और पत्थर भी पिघल जाते हैं तथा पत्थर से देव भी प्रकट हो जाते हैं। भक्तों की भावना और प्रेम से विश्व नियंता भी नन्हा-मुन्ना बालक होकर लीला करने को तैयार हो जाता है। यही बात पश्चिम के मनीषियों को समझनी होगी।

सारा संसार

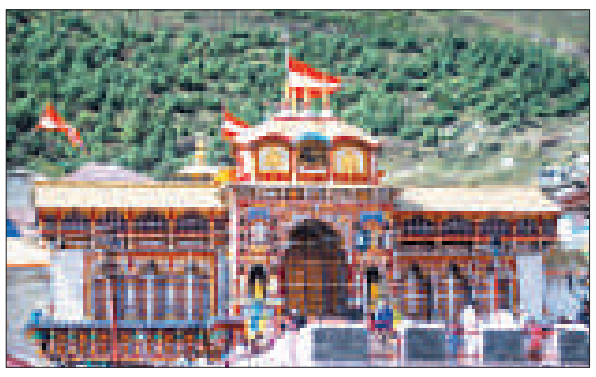

बद्रीनाथ अथवा बद्रीनारायण मन्दिर उत्तराखण्ड के चमोली जनपद में अलकनन्दा नदी के तट पर स्थित एक हिन्दू मन्दिर है। यह हिंदू देवता विष्णु को समर्पित मंदिर है और यह स्थान इस धर्म में वर्णित सर्वाधिक पवित्र स्थानों, चार धामों, में से एक यह एक प्राचीन मंदिर है जिसका निर्माण 7वीं-9वीं सदी में होने के प्रमाण मिलते हैं। मन्दिर के नाम पर ही इसके इर्द-गिर्द बसे नगर को भी बद्रीनाथ ही कहा जाता है।

व्यंग्य

सुरजीत सिंह

कोरोना से लड़ना

ताजा अपडेट क्या है! मैंने अंगड़ाई का लॉक तोड़ते हुए पूछा। वे तेल के वैश्विक दामों की तरह लगभग मोबाइल पर गिरते हुए बताने लगे, अभी तक बीस-पच्चीस डॉक्टर, पचास-साठ के आसपास नर्सिंगकर्मी और पुलिस वाले तो डबल सेंचुरी के नजदीक हैं। मतलब हमारे देश में इतने ज्यादा नेगेटिव हैं कि इतने न्यून आंकड़ों के साथ पॉजिटिव संकेत मिलने लगे हैं। अब यकीन से कह सकते हैं, हम बाकी देशों से बेटर सिचुएशन में हैं। बहुत जल्द काबू कर लेंगे। मैंने लंबी सांस छोड़ने के प्रमाण के साथ संतोष जताया। जी जी, आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हैं, अभी मैंने थूक, हाथापाई, धमकियां इत्यादि के शुमार नहीं किए हैं इसमें। तो क्या कम्बख्त यह वायरस हाथापाई पर भी उतर आया है। हमारे मुल्क में तेजी से संक्रमण नहीं फैला पाया तो बेशर्मी से सीधे-सीधे थूकने लगा और धमकियां भी दे रहा है। वायरस होकर इंसानों जैसी हरकत, चाइनीज कहीं का! वे अचकचाए से मेरा मुंह ताकने लगे। उन्हें मुंह बाए देख मेरे हौसले के शेयर एकदम से उछले, विषय विशेषज्ञों के इस भरमार वाले दौर में ऐसे मुंह बाए श्रोता दुर्लभ और दर्शनीय होते हैं, वक्त का कौटिल्य कहता है, मिल जाएं तो दबोच लेने चाहिए। मैंने थोड़ा और लपकाते हुए उसके साजिशन फैलने, उद्गम स्थल, जैविक पिता देश तक की खबर ले डाली। अब उनसे नहीं रहा गया, जेब से सेनेटाइजर की शीशी निकालते हुए बोले, आप यह कैसी चाइनीज अंडरवीयर को मास्क समझने जैसी बातें कर रहे हैं, मैं बात स्वास्थ्यकर्मियों को पीटने वाली घटनाओं की कर रहा हूं। कुछ मोहल्लों में स्क्रीनिंग मुश्किल हो रही है। सेंपल लेने में ही मल्ल युद्ध लड़ना पड़ रहा है। सेंपल के लिए जाते हैं, पत्थर बटोरकर लाते हैं। दृश्य ऐसे हैं, कहीं कोरोना संदिग्ध आगे, पीपीई किट पहने कोरोना वॉरियर्स पीछे, कहीं कोरोना वॉरियर्स आगे तो संदिग्ध उनके पीछे। एकबारगी कोरोना भी कन्फ्यूज्ड है कि साला मैं किधर हूं। गुत्थमगुत्था होकर भी सेंपल ले लिया तो समझो कोरोना पर फतह हासिल कर ली। कोरोना लगभग काबू में है, लेकिन वायरसेत्तर हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि कोर्ट, पुलिस, कानून, प्रशासन, सरकारों तक से नहीं संभले तो अध्यादेश लाना पड़ा है। ओह, यह कैसा मंजर है! यूएसए, इटली, स्पेन, ब्रिटेन से आंकड़े संक्रमित और मृत्यु के आ रहे हैं, टीके परीक्षण की प्रोग्रेस के आ रहे हैं, हमारे यहां पीटने की ब्रेकिंग न्यूज आती हैं, आज इतने डॉक्टर पिटे, इतने नर्सिंगकर्मी घायल, पुलिसकर्मियों के सिर फूटे, हाथ कटे। कोरोना हॉट स्पॉट से पहले ऐसे स्पॉट चिन्हित करने पड़ रहे हैं, जहां स्वास्थ्यकर्मियों के पिटने की सर्वाधिक आशंकाएं हैं। कोई आश्चर्य नहीं, आगे से यहां स्क्रीनिंग, सेंपलिंग, सेनेटाइजेशन के लिए जाएं, उससे पूर्व कर्फ्यू घोषित हो जाए या फिर आंसू गैस के गोले दागने पड़ें। इन हालात के मद्देनजर ऐसे पीपीई किट की सख्त दरकार है, जो संक्रमण भले ही न रोक पाए, मगर पिटाई से तो बचाएं।

अंतर्मन

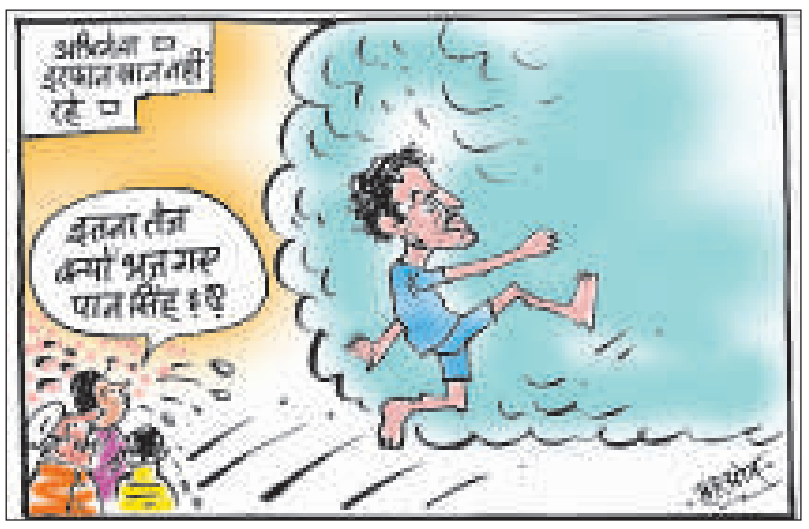

आज की पाती

कोरोना का उजला पक्ष

कोरोना का यह संकटकाल हमारे लिए कुछ बेहतर भी ले के आया है। दरअसल, चीन में कोरोना के असर के चलते विदेशी कंपनियों का कामकाज ठप पड़ा है। और जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया की बहुत सारी कंपनियां भारत को वैकल्पिक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देख रही हैं। पिछले दिनों विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस ओर इशारा करते हुए कहा था कि राज्य अगर रिफॉर्म करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो इस संकट को हम बहुत बड़े अवसर में बदल सकते हैं। हमें इसका लाभ लेना चाहिए।

-शक्ति प्रसाद

ट्रेंड

गुमराह करने का प्रयास

राहुल गांधी और रणदीप सिंह सुरजेवाला देश के लोगों को गुमराह करने के लिए गलत तथ्यों का प्रयोग कर रहे हैं। वे संदर्भ से बाहर जाकर सनसनीखेज तथ्यों का सहारा लेते हैं। उन्हें कुछ भी कहने से पहले सच्चाई का पता लगाना चाहिए।

-निर्मला सीतारमण

सहज अभिनय था

इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुःख हुआ। वह मेरे पसंदीदा लोगों में से एक थे और मैंने उनकी सभी फिल्में देखीं, जिनमें से एक थी इंग्लिश मीडियम। अभिनय उनके लिए कितना सहज और शानदार था। उनकी आत्मा को शांति मिले।

-सचिन तेंदुलकर

बाजीराव को नमन

चीते की चाल, बाज की नजर और बाजीराव पेशवा की तलवार पर संदेह नहीं कर सकते। बाजीराव ने 43 युद्ध किए और उन सब में एक भी बार पराजित नहीं हुए। वीर शिरोमणि श्रीमंत पेशवा बाजीराव को शत-शत नमन।

-बाबा रामदेव

अन्नदान करें

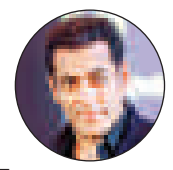

बाबाओं के बाबा जीशान बाबा ने अपनी आन बान और शान से संकट के इस समय में देश के 1,25,000 परिवारों को राशन बाटा है। यह अपने आप में बड़ी संख्या है, एक चुनौती है। हम सबको इसे स्वीकार करके अन्नदान करना चाहिए।

-सलमान खान

करंट अफेयर

पुरुषों को कोरोना वायरस से ज्यादा खतरा : अध्ययन

पुरुषों और महिलाओं को जानलेवा कोरोना वायरस से संक्रमित होने का समान रूप से खतरा है, लेकिन पुरुषों पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ने और उनकी मौत होने का ज्यादा खतरा है। एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। इसमें यह भी बताया गया है कि कोविड-19 से संक्रमित बुजुर्ग पुरुषों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। पहले के शोध में बताया गया था कि बुजुर्गों और मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों की कोविड-19 के कारण मौत होने का ज्यादा खतरा है। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित एक नए अध्ययन में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के लिंग भेद का परीक्षण किया गया है। अध्ययन में चीन के बीजिंग तोंगरेन अस्पताल के जिन क्यई समेत वैज्ञानिकों ने कोविड-19 से मरने वाले लोगों की प्रवृत्ति का मूल्यांकन किया। यांग ने कहा,'पहले जनवरी में हमने देखा था कि कोविड-19 से मरने वालों में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में ज्यादा लगती है।' उन्होंने कहा, 'इससे सवाल उठा कि क्या पुरुष कोविड-19 संक्रमण लगने या मरने को लेकर ज्यादा संवेदनशील हैं? हमने पाया कि किसी ने भी कोविड-19 के मरीजों के लिंग-भेद काम नहीं किया, इसलिए हमने इस पर अध्ययन शुरू किया।'

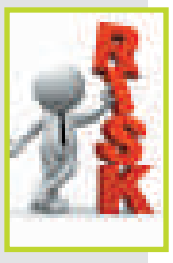

ऑफ बीट

ऑनलाइन प्रसारण वाली फिल्मों को ही मिलेगी जगह

अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (ऑस्कर) ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से घोषणा की है कि आने वाले ऑस्कर में सिर्फ ऑनलाइन प्रसारण वाली फिल्मों को ही जगह मिलेगी। सालाना पुरस्कार समारोह आयोजित करने वाले आयोजकों ने मंगलवार को घोषणा की कि कोविड-19 महामारी ने अकेडमी को 'अस्थायी अपवाद' के लिए मजबूर किया है क्योंकि इसकी वजह से सिनेमाघरों में ताले लगे हैं। इससे पहले अकेडमी उन्हीं फिल्मों को अपनी सूची में शामिल करती थी जो कि लॉस एंजिलिस काउंटी के कारोबारी मोशन पिक्चर सिनेमाघर में कम से कम लगातार सात दिन दिखाई जाती थी। इस अवधि के दौरान फिल्म को रोजाना कम से कम तीन बार दिखाया जाना जरूरी था। अकेडमी के अध्यक्ष डेविड रूबीन और कार्यकारी अध्यक्ष डॉन हडसन ने कहा कि फिल्मों के जादू का अनुभव करने के लिए सिनेमाघर में बड़े पर्दे से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है और यह प्रतिबद्धता बरकरार है लेकिन ऐतिहासिक तौर पर कोविड-19 ने अपवाद की जरूरत पैदा कर दी है। अकेडमी ने कहा कि जब सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार सिनेमाघर खोले जाएंगे तो एक तारीख तय की जाएगी और उसके बाद यह नियम लागू नहीं होगा।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

लॉकडाउन
कर सरकार कोरोना से बचा रही

देशवासी ही उड़ा रहे सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां संगारेडड्डी में पुलिस पर पथराव, हावड़ा में हमला

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद/नई दिल्ली

हैदराबाद के संगारेड्डी थाना इलाके में 2400 मजदूर घर जाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए, पुलिस टीम पर हमला भी किया, जिसमें एक जवान घायल हो गया, एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है, उधर पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के कोरोना वायरस रेड जोन में लॉकडाउन लागू करने के लिए गए पुलिसकर्मियों के साथ लोगों ने बदसलूकी के साथ ही मारपीट की

▶▶ देश में लगातार बढ़ रही कोरोना संक्रमितों की संख्या
▶▶ संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए प्रशासन प्रयासरत

कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसे रोकने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाकर लोगों को घरों में रहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का निर्देश तो दिया गया है लेकिन देश के अलग-अलग हिस्सों से समय-समय पर प्रवासियों के जुटान की तस्वीरें चिंता में डाल रही हैं। ताजा मामला तेलंगाना का है। प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में मंगलवार को तकरीबन 2400 मजदूरों के सड़कों पर उतर प्रदर्शन करने की खबर सामने आई है। बताया गया कि हैदराबाद आईआईटी में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले तकरीबन 2400 प्रवासी मजदूर बुधवार सुबह सड़कों पर उतर आए। संगारेड्डी रुरल इलाके की पुलिस ने बताया कि मजदूर अपने घर जाना चाहते हैं और इसी मांग को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल, पुलिस उन्हें समझाने में लगी है। इस बीच कुछ प्रवासी मजदूरों ने पुलिस की टीम पर हमला भी किया। बताया गया कि नाराज मजदूरों ने इलाके में तैनात पुलिस की टीम पर पत्थर बरसाए। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के कोरोना वायरस रेड जोन में लॉकडाउन लागू करने के लिए गए पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने के आरोप में बुधवार को दस लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों को मंगलवार शाम हावड़ा जिले में लॉकडाउन करने गए पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मजदूर घर जाने के लिए अड़े

- हैदराबाद में सड़क पर उतरे 2400 मजदूर, घर जाने के लिए किया प्रदर्शन
- संगारेड्डी की पुलिस ने बताया, मजदूरों ने पुलिस की टीम पर किया पथराव
- मजदूरों के हमले में एक जवान के घायल , पुलिस का वाहन भी क्षतिग्रस्त

हावड़ा में पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 10 अरेस्ट

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के कोरोनारेड जोन में लॉकडाउन लागू करने के लिए गए पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने के आरोप में बुधवार को दस लोगों को गिरफ्तार किया गया। हावड़ा पुलिस आयुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही, क्योंकि पुलिस ने इलाके में बंद को सख्ती से अंजाम देने के लिए सड़कों पर गश्त की। बता दें कि हावड़ा जिले के टिकियापारा में 'रेड जोन' में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन करने गई पुलिस दल पर लोगों ने हमला कर दिया था, जिसके बाद दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। यह घटना मंगलवार शाम को हुई, जब पुलिस का एक गश्ती दल अल्पसंख्यक बहुल इलाके टिकियापारा के बेलिरियस रोड पर पहुंचा, इस दल को सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में लोग स्थानीय बाजार में एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की कर रहे हैं और लॉकडाउन के नियमों और सोलश डिस्टेंसिंग का उल्लंघन कर रहे है।

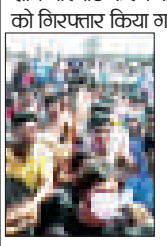

देश का यह हाल

वेतन काटने के लिए अध्यादेश जारी करेगी केरल सरकार

केरल सरकार ने कोरोना से निपटने की लड़ाई में पैसों की कमी दूर करने के लिए अपने कर्मचारियों का वेतन काटने के लिए एक अध्यादेश लाने का बुधवार को फैसला किया है। केरल हाईकोर्ट द्वारा वाम सरकार के अपने कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेश पर रोक लगाने और इसके कानून के तहत ना होने की बात कहने के एक दिन बाद यह निर्णय किया गया है।

पांव में छाले, 12 दिन में पटियाला से पैदल लखनऊ पहुंचे युवक

पटियाला में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले सुल्तानपुर के शिवा, सचिन और विवेक मंगलवार को जब लखनऊ पहुंचे तो उनकी आंखों में आंसू और पांव में छाले थे। पैसे खर्च हो चुके थे, पेट खाली था। लखनऊ पहुंचे सड़क किनारे बैठे शिवा, सचिन और विवेक ने बताया कि वे सुल्तानपुर जिले के रहने वाले और पटियाला में मथुरा कॉलोनी में रहते थे। 12 दिन से लगातार यात्रा कर रहे थे।

संगारेड्डी में पुलिस का एक जवान घायल

मजदूरों के हमले में एक जवान के घायल होने की खबर है। संगारेड्डी पुलिस ने बताया कि आक्रोशित मजदूरों ने पुलिस के वाहन को भी नुकसान पहुंचाया है। इससे पहले महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के बांद्रा इलाके में प्रवासी मजदूरों की ऐसी ही भीड़ इकट्ठा हो गई थी। बांद्रा में जुटे मजदूर भी घर भेजे जाने की मांग कर रहे थे। कोरोना को लेकर जारी लॉकडाउन के कारण सड़कों पर वाहन नहीं के बराबर चल रहे हैं। ऐसे में लोगों का अपने घर वापस लौटना मुश्किल हो गया है। इस वजह से बहुत से लोगों ने हजारों किमी की दूरी पैदल नापने की कोशिश की ताकि वह अपने घर पहुंच सकें। बेरोजगारी और भोजन प्रवासी मजदूरों की अहम समस्या है जिसकी वजह से वे अपने घर वापस जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आनंद विहार बस स्टेशन पर भी बीते दिनों हजारों प्रवासी घर जाने के लिए इकट्ठा हो गए थे। वाहन न मिलने पर उनमें से कई ने पैदल ही घर के लिए कूच कर दिया था।

लोगों से घर लौटने को बोला तो विवाद और मारपीट भी की

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने उन्हें घर लौटने के लिए कहा और इस तरह से विवाद हुआ और मारपीट हुई। स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। हमारे दो कर्मचारी घायल हो गए और दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हावड़ा को हाल ही में रेड जोन के अंतर्गत आने वाले चार जिलों में से एक घोषित किया गया है। राज्य के कोरोना वायरस के लगभग 75 प्रतिशत मामले इन जिलों से सामने आए हैं। रेड जोन में आने वाले चार जिलों में हावड़ा के साथ कोलकाता, पूर्वी मिदनापुर और उत्तर 24 परगना शामिल हैं।

मोदी ने राज्यों से कहा, रेड जोन में फॉलो करें 'हिमाचल मॉडल'

देश इस वक्त कोरोना महामारी के महासंकट से जूझ रहा है। अलग-अलग राज्यों में कई इलाकों को रेड जोन में रखा गया है। यह रेड जोन किसी इलाके से मिलने वाले कोरोना मरीजों की संख्या के आधार पर तय किया गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों से कहा है कि वे रेड जोन में कोरोना से जंग जीतने के लिए 'हिमाचल प्रदेश मॉडल' को फॉलो करें। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह बात सामने आई है। बता दें कि देश में कोरोना मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अब तक यह संख्या 31 हजार को पार कर चुकी है, वहीं मरने वालों की संख्या भी 1000 के पार पहुंच गई है। इसके पूर्व 'भीलवाड़ा मॉडल' को लेकर भी कई चर्चाएं चल चुकी हैं।इस मॉडल के तहत राज्य द्वारा सारी जनसंख्या की Influenza जैसे लक्षणों की स्क्रीनिंग की गई। जब लोग शुरुआती मेडिकेशन से ठीक नहीं हुए तो उनका रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलिमेरेस चेन रिएक्शन (आरटी-पीआर) टेस्ट कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र के अधिकारियों ने राज्यों को भी इसी तरह की एप्रोच रेड और ऑरेंज जोन में अपनाने को कहा है। इसमें घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करना और आरोग्य सेतु ऐप में खुद ही इस बारे में डिक्लेरेशन देने के लिए लोगों को जागरुक करना भी शामिल है।

आईआईटी का अध्ययन

धूम्रपान करने वाले लोगों को कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा खतरा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), जोधपुर के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान करने वालों को कोरोना के संक्रमण से सबसे ज्यादा खतरा है। वैज्ञानिकों की टीम न्यूरोनिवसिव प्रकृति की खोज कर रही है। यह वह बीमारी है जिसमें कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। अगर किसी व्यक्ति में सूंघने की कमी और स्वाद न आने जैसे लक्षण हैं तो उसे क्वारेंटाइन कर लेना चाहिए। प्रो.सूरजजीत घोष के नेतृत्व में स्टडी में बताया गया कोरोना एक विशिष्ट मानव रिसेप्टर के साथ बातचीत करने के लिए जाना जाता है।

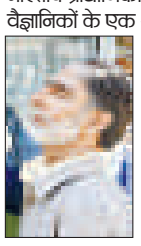

पंजाब में 2 सप्ताह तक आगे बढ़ाया गया लॉकडाउन

कोरोना महामारी के चलते पंजाब सरकार ने लॉकडाउन को दो सप्ताह तक आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हालांकि इस दौरान लोगों को चार घंटे की छूट दी जाएगी। इस बारे में घोषणा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान रोजाना सुबह 7 बजे से 11 बजे तक लोगों को चार घंटे की छूट दी जाएगी।

साधुओं की हत्या ...

योगी के ऑफिस-शिवसेना के बीच छिड़ा ट्विटर युद्ध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के सीएम कार्यालय ने शिवसेना पर आरोप लगाया है कि यूपी में हुई साधुओं की हत्या पर शिवसेना आरोप लगा रही है। सीएम योगी के दफ्तर के ट्विटर हैंडल से शिवसेना सांसद संजय राउत को आड़े हाथों लिया है।

योगी आदित्यनाथ के ऑफिस ने एक के बाद एक ट्वीट कर शिवसेना को खरी-खरी सुनाई है। सीएम योगी के ऑफिस की तरफ से संजय राउत पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया गया, 'पालघर में हुई संतों की वीभत्स हत्या पर चिंता व्यक्त करने को राजनीति कहने वाली आपकी वैचारिक कुदृष्टि को क्या कहा जाए? कुसंस्कारों में 'रक्त स्नान' करती आपकी टिप्पणी,आपके बदले हुए राजनीतिक संस्कारों की परिचायक है। निसंदेह यही तुष्टीकरण का प्रवेश द्वार है। सीएम योगी के ऑफिस ने ट्वीट किया कि संतों की बर्बर हत्या पर चिंता करना राजनीति लगती है?

महाराष्ट्र संभालें, यूपी की चिंता न करें...

यूपी के मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को फोन किया क्योंकि पालघर के साधू निर्मोही अखाड़ा से संबंधित थे। सोचिए, राजनीति कौन कर रहा है?'सीएम योगी के ऑफिस ने ट्वीट किया कि सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी में काननू का राज है। यहां कानून तोड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाता है।
बुलन्दशहर की घटना में त्वरित कार्रवाई हुई और चंद घंटों के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार किया गया।
महाराष्ट्र संभालें,यूपी की चिंता न करें।

सीएम पद पर तलवार...

अधर में ठाकरे, नामांकन राज्यपाल के पास लंबित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का भविष्य अधर में लटक गया है क्योंकि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उनके विधान परिषद नामांकन पर फिलहाल फैसला नहीं किया है।

उन्होंने राज्य के मंत्रियों के साथ बातचीत के दौरान ठाकरे के नामांकन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार और जयंत पाटिल, शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अनिल परब और कांग्रेस के बालासाहेब थोराट और असलम शेख जैसे मंत्रिमंडल के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को राज्यपाल से मिलने के लिए पहुंचा, जिसमें उन्होंने ठाकरे को परिषद का सदस्य नामांकित करने को लेकर संशोधित राज्य मंत्रिमंडल की सिफारिश की।

■ अब तक परिषद के सदस्य नहीं

प्रस्ताव पर अनिश्चितता

एक वरिष्ठ कैबिनेट सदस्य ने कहा कि कोश्यारी ने हमारी बात सुनी लेकिन उनका रवैया टाल-मटोल वाला रहा। इसलिए हमें नहीं पता कि वह हमारी याचिका को स्वीकार करेंगे या नहीं। प्रस्ताव पर अनिश्चितता दिख रही है। उन्होंने कहा कि ठाकरे के नामांकन पर अनिश्चितता के मद्देनजर सरकार विधान परिषद चुनावों के लिए चुनाव आयोग से संपर्क करने पर विचार कर रही है। उधर सीएम ठाकरे को अगले माह तक किसी भी सभा का सदस्य बनना आवश्यक है।

लॉकडाउन का खेती पर असर नहीं

9.39 करोड़ किसानों के खाते में भेजी गई 18 हजार करोड़ की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ सरकार किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दे रही मदद

कोरोना संकट के चलते देश भर में चल रहे लॉकडाउन के बीच भी खेती-किसानी का काम बदस्तूर जारी है। सरकार हर संभव किसानों के साथ खड़ी है। यह दावा करते वाले केंद्रीय कृषिमंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार की कोशिश रहती है कि सरकारी खजाने का पैसा किसान व कृषि के लिए उपलब्ध रहे। इसी मकसद से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की घोषणा हुई और अब तक 9.39 करोड़ किसानों के खाते में 71,000 करोड़ रुपए सीधे पहुंचाए गए। उन्होंने कहा कि कोविद-19 संकट के दौरान भी सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को आर्थिक मदद देना जारी रखा है। कृषि विभाग ने गत 24 मार्च से लेकर अब तक 17,986 करोड़ रुपए किसानों के खाते में भेज चुका है। तोमर ने कहा कि किसी के लिए चिंता करने की कोई वजह नहीं है,देश में जरूरत से ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। लॉकडाउन की स्थिति में भी ग्रीष्मकालीन फसलों की बुआई पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है और इस साल भी लक्ष्य से अधिक खाद्यान्न उत्पादन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में खेती-किसानी का काम प्रभावित न हो,इसका पूरा खयाल रखा जा रहा है।

किसानों से खाद्यान्न खरीदने की प्रक्रिया जारी

साथ ही देश भर में किसानों से खाद्यान्न खरीदने की प्रक्रिया भी जारी है। अब तक 117 लाख टन गेहूं,18 लाख टन धान व 5 लाख दलहन की सरकारी खरीद की जा चुकी है। । उन्होंने कहाकि सरकार की पूरी कोशिश है कि जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी 3.7 फीसदी है वह आगे भी कम नहीं होगा। इसके लिए किसानों को प्रोत्साहित करने वाली योजनाएं जारी रहेंगी।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर तब्लीगी जमात के 13 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात पुलिस ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने के लिए तबलीगी जमात के 13 सदस्यों के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शिवानंद झा ने बताया कि दोनों मामलों में तबलीगी जमात के सदस्य लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर गुप्त तरीके से निजी बसों के जरिए गुजरात के दूसरे जिलों से भरूच जिले में गए। उन्होंने बताया कि एक मामले में भरूच जिले के पालेज थाना में छह सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी गयी। भरूच के ही आमोद थाने में तबलीगी जमात के सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि 25 मार्च को लॉकडाउन लागू होने के पहले तबलीगी जमात के कुछ सदस्य 17 मार्च को रो-रो फेरी सर्विस के जरिए भरूच से भावनगर गए थे। झा ने वीडियो संदेश में बताया हाल में उनमें से छह लोग एक निजी बस से भरूच के एक गांव लौटे थे।

उन्होंने बताया मामला सामने आने पर लॉकडाउन का उल्लंघन करने के लिए पालेज थाना में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसी तरह तबलीगी जमात से जुड़े सात लोग लॉकडाउन का उल्लंघन कर गुप्त तरीके से एक बस से भरूच आए। झा ने कहा कि जिले में उनके आने के बारे में जानकारी मिलने पर आमोद थाना में एक मामला दर्ज किया गया।

लोन डिफॉल्ट पर बहस में जावडेकर ने कहा

राहुल को चिदंबरम से पढ़ना चाहिए ट्यूशन, उनसे सीखें राइट ऑफ का मतलब कर्जमाफी नहीं होता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोन डिफॉल्टर्स के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस में बहस तेज हो गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के राहुल गांधी को जवाब देने के 13 घंटे बाद प्रकाश जावडेकर ने भी राहुल पर कटाक्ष किया है। जावडेकर ने बुधवार को कहा कि राहुल समझ लें कि राइट ऑफ का मतलब माफी नहीं होता। मोदी सरकार ने किसी का एक पैसे का कर्ज माफ नहीं किया है। भ्रम फैलाने से फायदा नहीं होगा। राहुल को राइट ऑफ और वेव ऑफ का फर्क समझने के लिए पी चिदंबरम से ट्यूशन लेना चाहिए। जावडेकर ने कहा कि राइट ऑफ अकाउंटिंग का नॉर्मल प्रोसेस है। यह बैंकों को डिफॉल्टर के खिलाफ कार्रवाई करने या रिकवरी करने से नहीं रोकता।

भाजपा पर भगोड़ों का साथ देने का आरोप लगाया

कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया था कि बैंक लुटेरों द्वारा पैसा लूटो-विदेश जाओ-लोन माफ कराओ ट्रैवल एजेंसी का पर्दाफाश! भगोड़ों का साथ-भगोड़ों का लोन माफ बना है। भाजपा सरकार का मूलमंत्र। भाजपा भगोड़ों का साथ दे रही है।

भाजपा के मित्रों के नाम बैंक चोरों की लिस्ट में

एक आरटीआई के जवाब में आरबीआई ने बताया था कि 30 सितंबर 2019 तक 50 कंपनियों का 68 हजार 607 करोड़ रुपए का कर्ज राइट ऑफ किया गया था। यह जानकारी मंगलवार को सामने आई। राहुल गांधी ने ट्वीट किया था कि संसद में मैंने एक सीधा सा प्रश्न पूछा था, मुझे देश के 50 सबसे बड़े बैंक चोरों के नाम बताइए। वित्तमंत्री ने जवाब देने से मना कर दिया। अब आरबीआई ने नीरव मोदी, मेहुल चोकसी समेत भाजपा के मित्रों के नाम बैंक चोरों की लिस्ट में डाले हैं।

कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 ट्वीट कर राहुल और कांग्रेस को जवाब दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल और सुरजेवाला ने लोगों को गुमराह करने की कोशिश की है। वे तथ्यों को गलत तरीके से बताकर सनसनीखेज बना रहे हैं। मनमोहन सिंह से राहुल राइट ऑफ के बारे में सीख लें।

डॉक्टर भी इस केस से हैरान, मामला यूपी के बाराबंकी के सूरजपुर का

भगवान का करिश्मा, महिला ने एक साथ दिया पांच बच्चों को जन्म

बाराबंकी। एक महिला ने एक साथ पांच बच्चों को जन्म दिया। डॉक्टर भी हैरान। बाराबंकी के सूरतगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार सुबह से ही हलचल थी। महिला ने यहां पांच बच्चों को एक साथ जन्म दिया। डॉक्टर भी इस केस से हैरान हैं। प्री मैच्योर डिलिवरी होने के कारण सभी बच्चे अंडरवेट हैं जिन्हें एनआईसीयू में रखा गया है। महिला की डिलिवरी 7 महीने में हुई है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. राजर्षि त्रिपाठी ने बताया कि इस तरह के केसों को क्विनट्यूपलेट कहा जाता है जिसमें मल्टीपल डिलिवरी होती है। डॉक्टरों ने बताया कि महिला और बच्चों को एहतियात के तौर पर लखनऊ रिफर किया जाएगा। सूरतगंज के कुतलुपुर की एक युवती अनीता गौतम (32) वर्ष ने पांच बच्चों को जन्म दिया। पति कुंदन गौतम ने बताया कि सुबह उसकी पत्नी अनीता बाथरूम गई थीं वहां पर प्रसव पीड़ा के बाद एक बच्चे का जन्म हो गया। आनन-फानन में आशाबहू को बुलाया गया और एंबुलेंस की मदद से सीएचसी सूरतगंज ले जाया गया।

7 महीने में हुई डिलीवरी

सुबह 8 बजे पांच बच्चों ने जन्म लिया। इस पर तत्काल डॉक्टरों ने पांचों बच्चों और पत्नी को जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला महिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रभुवन तिवारी ने बताया कि अनीता को 7 महीने में प्रीमैच्योर डिलेवरी हुई है। एक बच्चे के सिर में चोट है। शेष ठीक हैं लेकिन प्रीमेच्योर जन्म के कारण इनमें खून की नली, दिमाग, फेफड़े, आंख और दिल के पूर्ण विकसित न होने की आशंका है।

खबर संक्षेप

सारस्वत बैंक की संपत्तियां खरीदेगी बजाज हेल्थकेयर

नई दिल्ली। बजाज हेल्थकेयर ने कहा कि वह सारस्वत कोऑपरेटिव बैंक से 61 करोड़ रुपए में महाराष्ट्र व गुजरात में स्थित भूखंड व कारखाना समेत कुछ फंसी संपत्तियां खरीदेगी। जाज हेल्थकेयर ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि खरीदी जा रही संपत्तियों की मौजूदा क्षमता प्रति माह 111 टन दवाएं बनाने की है।

कमजोर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार की कमजोर मांग के बीच निवेशकों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को तांबा की कीमत 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 407.60 रुपए प्रति किग्रा रह गई। एमसीएक्स में तांबा के मई डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 10 पैसे अथवा 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 407.60 रुपए प्रति किग्रा रह गई।

रुपया 52 पैसे मजबूत होकर 75.66 रु. प्रति डॉलर

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के नरम पड़ने तथा घरेलू शेयर बाजारों के बढ़त में रहने से अंतरबैंकिंग विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 52 पैसे मजबूत होकर 75.66 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस दौरान रुपया 80 पैसे मजबूत हुआ है। कारोबार की शुरुआत में भारतीय मुद्रा 75.94 रुपए प्रति डॉलर पर खुली।

अप्रैल-मई के लिए कोई वेतन नहीं : स्पाइस जेट

नई दिल्ली। निजी विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने अपने पायलटों को सूचना दी कि अप्रैल और मई के लिए उन्हें कोई वेतन नहीं मिलेगा। वहीं मालवाहक विमानों का परिचालन कर रहे पायलटों को उड़ान के घंटों के आधार पर भुगतान किया जाएगा। कंपनी के मुख्य विमान परिचालन अधिकारी गुरचरण अरोरा ने पायलटों को ईमेल करके यह जानकारी दी।

हेस्टर के साथ आईआईटी टीका विकसित करेगी

नई दिल्ली। अहमदाबाद की दवा कंपनी हेस्टर बायोसाइंस ने कोरोना वायरस का टीका विकसित करने के लिए आईआईटी-गुवाहाटी के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि दोनों संगठनों के बीच इसके लिए 15 अप्रैल 2020 को एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने शुरू की स्पेशल लोन स्कीम, कम ब्याज पर मिलेगा लोन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कोरोनावायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन जारी है इससे कई लोगों के लिए रोजगार का संकट हो गया है। इस कारण उनको आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

- स्वयं सहायता समूह को मिलेगा 9 .4 फीसदी के सालाना ब्याज पर ऋण

इसी को देखते हुए इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने एक स्पेशल लोन योजना शुरू की है जिसका लाभ कोई भी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ले सकेगे। इसके तहत एसएचजी को 9.4 फीसदी के सालाना ब्याज पर ऋण मिलेगा और उसके लिए कोई अतिरिक्त सिक्योरिटी भी नहीं ली जाएगी। यह योजना 30 जून 2020 तक के लिए मान्य है। इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा और एसबीआई ने भी खास लोन स्कीम शुरू की है।

एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा पहले ही शुरू कर चुके स्कीम

एसबीआई ने शुरू की एग्री गोल्ड लोन स्कीम

एसबीआई ने एग्री गोल्ड लोन स्कीम शुरू की है। इसके तहत किसान सोने के जेवर देकर अपनी जरूरत के मुताबिक लोन ले सकते हैं। लॉकडाउन के बीच 5 लाख किसानों ने इसका फायदा उठाया है। लोन के लिए अप्लाई करने वाले किसान के नाम कृषि भूमि होनी चाहिए। उस कृषि भूमि की फर्द की कॉपी बैंक में देनी होती है। लोन पर 9.95 फीसदी सालाना ब्याज वसूला जाएगा। किसी भी ग्रामीण शाखा पर जाकर इसे अप्लाई किया जा सकते हैं।

6 दिन में मिलेगा लोन : एसएचजी द्वारा शाखा को आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन जमा करने के 6 दिनों के अंदर लोन मिल जाएगा। इस योजना के तहत कर्ज लेने के बाद छह महीने का मोराटोरियम पीरियड मिलेगा। उसके बाद 30 ईएमआई में कर्ज चुकाना होगा। बैंक इस लोन के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेगा।

बीओबी भी दे रहा खास पर्सनल लोन

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने अपने ग्राहकों के लिए कोरोनावायरस से निपटने के लिए खास पर्सनल लोन लांच किया है। कोरोना महामारी के कारण जिन्हें रुपयों की जरूरत है वे इसका लाभ ले सकते हैं। इसके तहत अधिकतम 5 लाख रुपए तक का लोन लिया जा सकता है। इसके लिए ग्राहकों को अपने बैंक की शाखा में जाना होगा। स्कीम 30 सितंबर, 2020 तक मान्य है। बीओबी की वेबसाइट के अनुसार, बैंक की इस सुविधा का लाभ वह ग्राहक ले सकते हैं, जिन्होंने होम लोन, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी या ऑटो लोन लिया हुआ है। इसके साथ ही उनका क्रेडिट स्कोर 650 या फिर इससे ज्यादा हो। इसके अलावा ग्राहक का बैंक के साथ कम से कम 6 महीनों से संपर्क हो।

एक लाख का लोन मिल सकेगा

इस योजना में किसी स्वयं सहायता समूह के लिए अधिकतम एक लाख रुपए का लोन मिल सकेगा। साथ ही, समूह का प्रत्येक सदस्य 5 हजार रुपए तक का लोन ले सकेगा।

बेहतर होना चाहिए ट्रैक रिकॉर्ड

बैंक के अनुसार इस योजना में उन्हीं को कर्ज मिलेगा, जिनका ट्रैक रिकॉर्ड बेहतर होगा। साथ ही इससे पहले कम से कम दो बार उस एसएचजी ने किसी भी बैंक से कर्ज लिया हुआ हो। इसका मतलब है कि जिस एसएचजी ने समय पर कर्ज वापसी की है। साथ ही शर्त है कि वह एसएचजी एक मार्च 2020 को लोन लेने की पात्रता रखते हों।

रेटिंग : वित्तीय साख को वर्तमान बीबीबी+ पर बनाए रखा

रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कर्ज का भार घटेगा खर्च अनुशासित है, लाभ भी ठीक है : एसएंडपी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

चुनौती भरे मौजूदा माहौल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कारोबार के आग के परिदृश्य को स्थायित्व भरा बताते हुए क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने उसकी वित्तीय साख को वर्तमान बीबीबी+ पर बनाए रखा है। एसएंडपी ने बुधवार को कहा कि तेल से लेकर रिटेल क्षेत्र में कार्यरत रिलायंस कंपनी का कर्ज अगले एक-दो साल में कम हो जाएगा और इसमें स्थिरता आ जाएगी।

कंपनी के अनुशासित खर्च, संपत्तियों की व्यवस्थित बिक्री और मजबूत लाभ बनाए रखने की क्षमता का उल्लेख करते हुए उसकी रेटिंग का स्तर वर्तमान बीबीबी+ श्रेणी में बनाए रखा है। फेसबुक ने पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जिओ प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की।

फेसबुक से 43,574 करोड़ रु. मिलेंगे : स्टैंडर्ड और पुअर्स (एसएंडपी) ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज इस सौदे से मिलने वाली 43,574 करोड़ रुपए (5.7 अरब डॉलर) की राशि का इस्तेमाल अपने शुद्ध ऋण को कम करने के लिए करेगी।'

ई-कामर्स प्लेटफार्म पर उतरने की प्रक्रिया तेज

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि फेसबुक के साथ इस सौदे से डिजिटल कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज की वृद्धि की क्षमताओं का भी विस्तार होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज फेसबुक के व्हाट्सएप एप्लीकेशन पर अपने जिओमार्ट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को उतारने की प्रक्रिया तेज करने के लिए फेसबुक के साथ मिलकर काम करेगी।

खास बातें

- कंपनी तेल से लेकर रिटेल क्षेत्र में कार्यरत
- कर्ज अगले एक-दो साल में कम हो जाएगा
- फेसबुक से मिलने वाली राशि कर्ज चुकाने में उपयोग करेगी कंपनी
- 2019-20 में कर पूर्व आय 31,500 करोड़ रु. हो जाने का अनुमान

कंपनी की आय 15 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

एसएंडपी ने कहा कि इसके साथ ही फेसबुक जैसे प्रमुख साझेदारों के निवेश के आने से डिजिटल और खुदरा क्षेत्र से रिलायंस इंडस्ट्रीज को होने वाली आय के अगले तीन साल तक सालाना 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने के अनुमान हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सऊदी अरामको ने भी उसके तेल-से-रसायन कारोबार की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को लेकर पिछले साल अगस्त में गैर-बाध्यकारी आशय पत्र दिया है।

अगले दो साल परिचालन बेहतर रहेगा

एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि डिजिटल और खुदरा क्षेत्रों में घरेलू बाजार में कंपनी की मुख्य उपस्थिति से अगले दो साल तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के परिचालन का प्रदर्शन बेहतर बना रहेगा।' एसएंडपी ने कहा कि उसे अनुशासित खर्च, संपत्तियों की व्यवस्थित बिक्री और लगातार बढ़िया कमाई के कारण अगले 12-24 माह में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल कर्ज के कम होकर स्थिर स्तर आ जाने की उम्मीद है।

डिजिटल और खुदरा क्षेत्र में कार्यरत

इसी कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज की बीबीबी+ रेटिंग के साथ स्थिर परिदृश्य में उसने भरोसा दिखाया है। डिजिटल और खुदरा क्षेत्रों से रिलायंस इंडस्ट्रीज की कर पूर्व आय के वित्त वर्ष 2017-18 के 9,300 करोड़ रुपये से बढ़कर 2019-20 में 31,500 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है।

अरामको से प्राप्त राशि कर्ज चुकाने में जाएगी

सऊदी अरामको के साथ इस सौदे का पूरा हो जाना रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए ऋण के संदर्भ में सकारात्मक (क्रेडिट पॉजिटिव) होगा, क्योंकि रिलायंस इंडस्ट्रीज इस सौदे से प्राप्त अधिकांश राशि का इस्तेमाल बकाया कर्ज का भुगतान कर कुल कर्ज के स्तर को कम करने में करेगी।

रियल स्टेट कंपनियां फिलहाल लाभ का लोभ छोड़ें : गडकरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रियल एस्टेट कंपनियों से कहा कि वे नकदी की स्थिति को बेहतर बनाने तथा कर्ज पर ब्याज की बचत करने के लिए नहीं बिक पाए घरों के स्टाक को उनकी लागत के आधार पर ही बेचने का प्रयास करें। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने रियल्टी कंपनियों के संगठन नारेडको के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र पहले से ही मांग में कमी की समस्या से जूझ रहा था। कोरोना वायरस महामारी से इस क्षेत्र पर और असर पड़ा है।

- केंद्रीय मंत्री की सलाह, लागत पर मकान बेच कर कर्ज चुकाएं

बिल्डरों को अपनी ओर से पूरे समर्थन का आश्वासन देते हुए उन्हें मौजूदा संकट से बाहर निकलने के उपायों का सुझाव लेकर आवास व वित्त मंत्रालयों तथा प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क करने को कहा। इन सुझावों में ग्रामीण क्षेत्रों में कारोबार का विस्तार करना, सड़क निर्माण के क्षेत्र में उतरना और अपनी आवास वित्त कंपनियां बनाना आदि शामिल हैं।

रियलएस्टेट कंपनियां भी बैंकों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहते हुए घर खरीदारों को कम दर पर कर्ज उपलब्ध कराने के लिये आवास वित्त कंपनियां बनाए। गडकरी ने कहा कि सरकार और निजी कंपनियों के वित्त पोषण के माध्यम से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को मजबूत बनाये जाने की जरूरत है।

प्रीमियम दर पर भाव नहीं मिलने वाला

मंत्री ने नहीं बिक पाए घरों के भंडार को रखे बिल्डरों को कहा, 'लालची न बनिए। आपको प्रीमियम दर पर भाव नहीं मिलने वाला है। आपको जो भी कीमत मिल पा रही है, उसी कीमत पर घरों को बेचिये ताकि आपके पास नकदी की उपलब्धता बेहतर हो और ब्याज का व्यय बच सके।'

कच्चा तेल वायदा में एमसीएक्स ने मार्जिन 125 फीसदी तक की

एजेंसी ⏭ मुंबई

- वायदा कारोबार में भाव शून्य से बहुत नीचे चले गए थे

ऑनलाइन वायदा बाजार मंच एमसीएक्स ने पिछले दिनों कच्चे तेल के वायदा कारोबार में भाव शून्य से भी बहुत नीचे चले जाने की घटना के मद्देनजर अपने यहां भविष्य की डिलिवरी के अनुबंधों पर मार्जिन मनी 125 प्रतिशत तक कर दी है। यह निर्णय गुरुवार से प्रभावी हो जाएगा और प्रति लॉट 1,95,000 रुपए तक मार्जिन रखनी होगी। एमसीएक्स ने बुधवार को जारी सर्कुलर में कहा है कि वह जोखिम प्रबंध के लिए 30 अप्रैल से अतिरिक्त उपाय करने जा रहा है। देश में कच्चा तेल वायादा कारोबार का 95 प्रतिशत कारोबार एमसीएक्स के माध्यम से होता है। इसके तहत अनुबंधों के लिए प्रस्ताव रखने वालों को जोखिम के आधार पर 95,000 रुपए से 1,95,000 रुपए प्रति लॉट का मार्जिन शुरू में ही रखना होगा।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन बढ़त

मुंबई। वैश्विक संकेतों के उत्साहजनक रहने के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन रौनक रही। बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी के शेयरों में लिवाली के चलते सेंसेक्स 606 अंक की बढ़त लिए बंद हुआ तथा निफ्टी भी सुधार कर 9,500 अंक के पार हो पहुंच गया।

ब्रोकरों के अनुसार अप्रैल के विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान से से पहले डॉलर के मुकाबले रुपए में सुधार से निवेशकों का उत्साह बढ़ा हुआ था। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के धीरे-धीरे लॉकडाउन (बंद) खत्म करने की घोषणा से भी बाजार में धारणा मजबूत रही।

कोरोना से जंग जीतेंगे, पांच ट्रिलियर इकोनॉमी भी बनेंगे

- एनआईपी टास्क फोर्स ने दिया वित्त मंत्री को फार्मूला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री को एनआईपी ने वर्ष 2019-2025 में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 111 लाख करोड़ के निवेश की जरूरत पर बल देता हुआ एक रिपोर्ट पेश किया

कोरोना से जंग और लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 5 ट्रिलियन इकोनॉमी वाला भारत देश बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) की एक विशेष टास्क फोर्स ने बुधवार को अपना बेहद खास टास्क पूरा किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एनआईपी ने वर्ष 2019-2025 में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 111 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत पर बल देता हुआ एक रिपोर्ट पेश किया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अगर 5 ट्रिलियन की इकोनॉमी बनाना है तो केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर देश के प्रमुख आधारभूत संरचना वाले क्षेत्र में दिल खोलकर निवेश करें। एनआईपी के रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, एनआईपी की रिपोर्ट न केवल देश भर में इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने का काम करेगी बल्कि आर्थिक गति को बनाए रखने में सहायक होगी। एनआईपी टास्क फोर्स ने न केवल प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में भारी मात्रा में निवेश पर बल दिया है बल्कि तय मियाद में प्रोजेक्ट खत्म हों ताकि प्रोजेक्ट कॉस्ट बढ़ती समय सीमा के साथ बढ़ता न जाए उसके लिए भी मंत्रालय को नुस्खा सुझाया है। यानि समय पर प्रोजेक्ट्स खत्म कैसे हों, इसकी रिपोर्ट में विस्तार से चर्चा की गई है। पिछले एक दश में यानि 2008 से 2017 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में महज 1.1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश किया गया था। उस अवधि में किए गए निवेश और प्रोजेक्ट्स को रिपोर्ट में रेखांकित करते हुए कहा गया है कि अब इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सालाना एकमुश्त निवेश की जरूरत है ताकि उसका असर सीधे देश की जीडीपी पर दिखे। विदित हो कि वित्त मंत्रालय ने आर्थिक मामलों के मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन किया था जिसमें नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत, सचिव व्यय, प्रशासनिक मंत्रालयों के सचिव के साथ अतिरिक्त सचिव निवेश सहित अन्य तीन वरष्ठि अधिकारी भी शामिल थे। एनआईपी का मुख्य उद्देश्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को इस तरह खड़ा करने का है जो सभी देशवासियों के काम आए।

100 गायक देंगे वन नेशन, वन वॉइस

- भारत के प्रति स्नेह और पीएम केयर्स के लिए कोरोना वॉरियर्स के प्रति सम्मान जताने के लिए भारतीय सिंगर्स राइट्स एसोसिएशन (इसरा) की एक पहल

नई दिल्ली। लता मंगेशकर समेत भारतीय सिंगर्स राइट्स एसोसिएशन (इसरा) के 100 गायक वन नेशन, वन वॉइस में एक साथ आएंगे - जो कोरोना योद्धाओं को समर्पित और पीएम केयर्स की सहायता में होगा। वन नेशन, वन वॉइस में 14 भाषाओं में 100 कलाकार गाएंगे। यह गीत अब तक का इस तरह से गाया गया सबसे बड़ा गीत होगा। महान गायिका आशा भोसले ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि गायक ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने हमेशा अपने संगीत के माध्यम से जनता की भावनाओं को व्यक्त किया है। इस प्रकार, इस अवसर पर जब हम सभी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वन नेशन के रूप में कोरोना के ख़िलाफ लड़ रहे हैं, तो इसरा के तहत देश के 100 गायकों ने राष्ट्र के प्रति एक वॉइस में अपना प्रेम व्यक्त किया और इस गीत को समर्पित किया है। उन्होंने आगे कहा, 3 मई 2020 को इसरा की ओर से लता मंगेशकर जी द्वारा ये गीत देश को समर्पित किया जाएगा। इससे पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में इतने कलाकार कभी एक साथ नहीं आए और इस बार भी वो एक विशेष उद्देश्य के लिए एक साथ आए हैं। यह गाना 3 मई से 100 से अधिक प्लेटफार्मों पर जारी किया जाएगा, इसमें टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया, एप्लिकेशन, ओटीटी, वीओडी, आईएसपी, डीटीएच और सीआरबीटी शामिल हैं।

कॉविड -19 महामारी के दौरान, हरियाणा सरकार को एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्रदान*

कोविड -19 वैश्विक आपदा से निपटने हेतु, पावरग्रिड द्वारा विविध प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 29.04.2020 को पावरग्रिड सी.एस.आर. के तहत उत्तरी क्षेत्र-1 द्वारा 04 नंबर एडवांस लाईफ सपोर्ट एम्बुलेंस हरियाणा सी.एस.आर. एडवाइजरी बोर्ड के सहयोग से गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूँह जिले के सरकारी अस्पतालों को कोविड-19 महामारी के दौरान सहायता स्वरूप प्रदान किया गया है।

नाबार्ड के कर्मियों ने 9.85 करोड़ रु. का किया योगदान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के कर्मचारियों ने कोविड- 19 के खिलाफ अभियान में मदद के लिए पीएम केयर्स फंड में 9.85 करोड़ रुपए का योगदान किया है। नाबार्ड के कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के आपात स्थिति में नागरिक सहायता एवं राहत कोष में औसतन अपने पांच दिन के वेतन का योगदान करते हुये 9.85 करोड़ रुपए दिए हैं।

भारत का 2025 तक 5 ट्रिल्यन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना साकार हो सकता है

अमेरिकी कंपनियां अब चीन के विकल्प की तलाश में, भारत पर नजर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत में अगर सब कुछ सही रहा तो 2025 तक 5 ट्रिल्यन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना सच हो सकता है। कोरोना महामारी के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अमेरिका की तमाम कंपनियां अब चीन के विकल्प की तलाश कर रही हैं और उनकी नजर भारत पर है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी राज्यों से कह चुके हैं कि कोरोना महामारी से निपटने के साथ-साथ निवेश की रणनीति पर काम करते रहें। अगर कोई कंपनी भारत में निवेश करना चाहती है तो इस मौके को किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं है।

डीपीआईआईटी ने विशेष कमेटी का किया गठन

डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड (डीपीआईआईटी) ने संयुक्त सचिवस्तर के अधिकारियों को लेकर एक स्पेशल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में सभी मंत्रालयों के अधिकारियों को शामिल किया गया है। इस कमेटी का काम उस रणनीति को तैयार करना और उस पर आगे बढ़ना है, जिससे भारत में बड़े पैमाने पर निवेशक आए और निवेश करें।

निवेशकों को लुभाने पर काम करे राज्य : *पीएम मोदी ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक की थी।*

अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स के सीनियर अधिकारी भारत में निवेश की स्टैटिजी पर काम कर रहे

अमेरिकी कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक

पिछले सप्ताह अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स के सीनियर अधिकारियों और भारत में काम कर रही अमेरिकन कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई थी। बैठक का आयोजन अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया की तरफ से किया गया था। इस बैठक में भारत को निवेश के लिए नए विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। यूएस गवर्नमेंट डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स की तरफ से भी इसका समर्थन किया गया है।

भारत सरकार से इन्सेंटिव की हो सकती है मांग

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स में साउथ एशिया के असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट थॉमस वाजदा ने इस बैठक में कहा कि जो इंडस्ट्रियल ऐक्टिविटी अभी चीन में हो रही है बहुत जल्द वह भारत में होने वाली है। अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा गया है कि वे अपने प्रस्ताव को लेकर भारत सरकार से सामने पहुंचे और इन्सेंटिव की मांग करें जिससे आने वाले दिनों में यहां अमेरिकन कंपनियों का तेजी से विस्तार हो सके। वाजदा ने कहा कि दोनों देश की सरकार भी एक दूसरे की मदद करने वाली है।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

हमसे पहले काम करने वाले को मुंहमांगा इनाम
घर बैठे 2 घंटे में समाधान
बाबा बंगाली
वशीकरण स्पेशलिस्ट
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, गृह क्लेश, नौकरी, कारोबार में बाधा, पति, पत्नी में अनबन, सौतन, दुश्मनी से छुटकारा, मुठकरनी
A to Z समाधान।
9997278009

सूचना

कोरोना वायरस का साइड इफेक्ट

जालंधर और मेरठ की ज्यादातर कंपनियां कंगाल

इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका भी खेल सामान सप्लाई बंद

खेल उद्योग चरमराया, लॉकडाउन से खेलों का सामान बनाने वाली कंपनियों को हुआ 700 करोड़ का नुकसान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोरोना वायरस का कहर खेलों के साथ खेलों का सामान बनाने वाली कंपनियों पर भी काल बनकर टूटा है। खेलों का सामान बनाने वाली देश की नामी-गिरामी कंपनियां बंद पड़ी हैं। नए आर्डर नहीं मिले या फिर फैक्ट्रियां जल्द शुरू नहीं हुईं तो उनके पास लंबी बंदी के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा। मार्च से लेकर मई तक रहने वाले लॉकडाउन ने देश के खेल और फिटनेस उद्योग को 600 से 700 करोड़ रुपए की चपत लगा दी है। खेल उद्योग यह घाटा सहने को तैयार है, लेकिन आगे इन हालातों को सहन करने की स्थिति में नहीं रहेगा।

30 प्रतिशत राजस्व का हुआ नुकसान

बीसीसीआई को लाल और गुलाबी गेंदें सप्लाई करने वाले मेरठ स्थित एसजी कंपनी के मालिक पारस आनंद का कहना है कि देश में खेल उद्योग का कुल सालाना राजस्व ढाई हजार करोड़ के आसपास है। इस कुल राजस्व का 30 प्रतिशत मार्च से लेकर मई माह तक कंपनियां कमा लेती है। दरअसल ये तीन माह खेल उद्योग के लिए सबसे बड़ा सीजन होते हैं। गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत होने के चलते प्रोडक्शन चरम पर होता, लेकिन इस वक्त सब बंद पड़ा है।

खेल फैक्ट्री बना रही पीपीई किट

मेरठ में खेल की कुछ फैक्ट्रियां पीपीई किट बनाने को मजबूर हो गई हैं। उन्हें सरकार की ओर से पीपीई किट बनाने का आर्डर मिला है। हालांकि अरविंद के मुताबिक जालंधर में कोई भी खेल कंपनी पीपीई नहीं बना रही है।

इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका भी खेल सामान सप्लाई बंद

ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका से आर्डर पर टिकी उम्मीदें

जालंधर और मेरठ की ज्यादातर कंपनियां इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका भी खेल सामान सप्लाई करती हैं। जालंधर स्थित इंग्लैंड की जानी-मानी कंपनी ग्रे निकोल्स के भारतीय फ्रेंचाइजी अरविंद एबरोल का कहना है कि यूरोप में सामान भेजा जा चुका है, लेकिन खेल गतिविधियां नहीं होने के चलते यह सामान गोदामों में रुका है। जुलाई के बाद ऑस्ट्रेलिया का सीजन शुरू होगा। पता नहीं वहां से कितना आर्डर आएगा, लेकिन यह तय है कि अब इंग्लैंड से आर्डर नहीं आएगा। यूरोप में इस साल भेजे गए सामान को अगले वर्ष बेचा जाएगा। ऐसे में भारतीय खेल कंपनियों के पास आर्डर कहां से आएगा। अरविंदर जालंधर की स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चर एंड एक्सपोर्ट एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन और कार्यकारिणी सदस्य हैं। उनके मुताबिक आर्डर नहीं मिलने से कुछ दिन के लिए फैक्ट्रियां बंद भी करनी पड़ीं तो भी कर्मियों को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा। हां, वेतन में जरूर कटौती की जाएगी।

कोरोना का असर

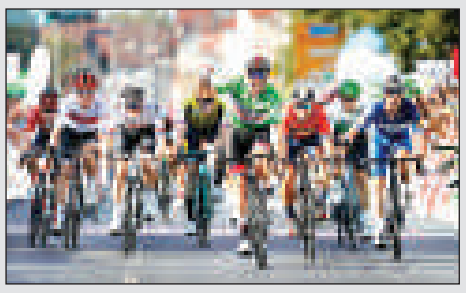

20 से 23 अगस्त के बीच होने वाले डाइचलैंड साईकिलिंग टूर रद्द

पेरिस। कोरोना वायरस महामारी के कारण इस साल 20 से 23 अगस्त के बीच होने वाले डाइचलैंड साईकिलिंग टूर को रद्द कर दिया गया है। आयोजकों ने यह घोषणा की। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिये जर्मनी में 31 अगस्त तक सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगा दी गयी है जिसके बाद आयोजकों ने यह फैसला किया। रेस के निदेशक क्लाउड राच ने बयान में कहा, 'हम बेहद निराशा के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि वर्तमान परिस्थितियों और जर्मन सरकार के फैसले के कारण यह साफ हो गया कि इस साल डाइचलैंड टूर नहीं हो सकता है।' अगले साल होने वाली रेस भी 2020 के ही मार्ग पर आयोजित की जाएगी। इसका मतलब है कि यह स्ट्रालसंड से शुरू होकर नुरेमबर्ग में समाप्त होगी।

तुर्की की एथलीट का लंदन ओलंपिक का नमूना डोपिंग में पॉजिटिव

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि तुर्की की एथलीट गुलकान मिंगिर को लंदन 2012 ओलंपिक खेलों से 'अयोग्य' घोषित कर दिया गया है क्योंकि उनका नमूना डोपिंग परीक्षण में पॉजिटिव आया है। तीस साल की मिंगिर आठ साल पहले महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में 27वें स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2012 यूरोपीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। आईओसी ने बयान में कहा, 'मिंगिर के लंदन 2012 के नमूने दोबारा की गयी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया है।'

एआईसी खेलों की ट्रेनिंग पर लगे प्रतिबंध से नाराज

मिलान। इटली की फुटबाल खिलाड़ियों की यूनियन (एआईसी) ने टीम खेलों की ट्रेनिंग को स्वीकृति नहीं देने जबकि व्यक्तिगत खिलाड़ियों के लिए कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों में ढिलाई देने के सरकार के फैसले की आलोचना की है। प्रधानमंत्री ग्युसेप कोंटे ने घोषणा की है कि चार मई से व्यक्तिगत खेलों से जुड़े खिलाड़ी ट्रेनिंग कर सकते हैं लेकिन फुटबाल सहित टीम खेलों को कम से कम 18 मई तक इंतजार करना होगा। एआईसी ने कहा कि इस फैसले से फुटबालर 'हैरान' हैं। इटली के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डेमियानो टोमासी एआईसी के अध्यक्ष हैं। एआईसी ने बयान में कहा, 'यह विचार भेदभावपूर्ण लगता है, यहां तक कि अतार्किक भी कि व्यक्तिगत खेलों से जुड़े खिलाड़ी ट्रेनिंग मैदान पर उतर सकते हैं लेकिन पेशेवर फुटबालर और टीम खेलों से जुड़े अन्य खिलाड़ी नहीं। इस नियम में भी समस्या बढ़ने का खतरा है और इससे खतरा कम नहीं होगा।'

फुटबाल मैचों के जल्द आयोजन की उम्मीद नहीं

लंदन। विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा की चिकित्सा समिति के अध्यक्ष माइकल डी'हूगे कोरोना वायरस महामारी के दौरान फुटबाल लीग को शुरू करने को लेकर आशंकित हैं और उन्होंने सुझाव दिया है कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को इसके बजाय अगले सत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जर्मनी में बुंडेसलिगा और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग खाली स्टेडियमों में आयोजित करने पर चर्चा चल रही है। लेकिन फीफा मेडिकल पैनल के प्रमुख डी'हूगे ने मंगलवार को बीबीसी से कहा, 'मेरा सुझाव है कि अगर यह संभव है तो अगले कुछ सप्ताह तक प्रतिस्पर्धी फुटबाल खेलने से बचना चाहिए। इसके बजाय अगले सत्र में अच्छी तरह से प्रतियोगिता शुरू करने की तैयारियां करनी चाहिए।' बेल्जियम के रहने वाले डी'हूगे ने कहा कि फुटबाल की जल्द वापसी करने पर भयंकर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

स्पेन में पेशेवर खिलाड़ी चार मई से शुरू कर सकेंगे ट्रेनिंग

मैड्रिड। स्पेन के पेशेवर खिलाड़ी चार मई से अपनी बेसिक ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे जिसमें ला लीगा के फुटबालर भी शामिल हैं। देश की सरकार ने यह घोषणा की। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्पेन की शीर्ष फुटबाल लीग 12 मार्च से स्थगित है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि लॉकडाउन हटाने की ओर लिए गए फैसले में यह पहला कदम होगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन दो महीने में चार चरण में हटाया जाएगा। इस घोषणा से लीग के क्लब अपने टीम के सदस्यों के साथ व्यक्तिगत सत्र शुरू कर सकते हैं लेकिन रिपोर्टों के अनुसार ट्रेनिंग पर लौटने से पहले सभी खिलाड़ियों को कोविड-19 स्क्रीनिंग परीक्षण कराना होगा। साथ ही मैदान पर एक बार में केवल छह खिलाड़ी ही उतर सकते हैं। कोविड-19 के कारण देश में करीब 24,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

ओलंपिक को स्थगित करने से होगा करोड़ों डालर का नुकसान : आईओसी

एजेंसी ▶▶| लुसाने

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थामस बाक ने बुधवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक खेलों को 2021 तक स्थगित करने से आईओसी को करोड़ों डालर का नुकसान होगा। जर्मनी के पूर्व ओलंपियन बाक ने ओलंपिक अभियान को लिखे पत्र में कहा, 'हमें पहले ही पता है कि हमें खेलों को स्थगित करने के कारण करोड़ों अमेरिकी डालर का नुकसान उठाना होगा।'

बाक ने कहा कि आईओसी तोक्यो के प्रति अपनी वित्तीय जिम्मेदारी को पूरा करेगा लेकिन इसमें संभवतः कटौती की जा सकती है। बाक ने कहा, 'हमें साथ ही स्थगित हो चुके खेलों को हमारे द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सभी सेवाओं पर गौर करना होगा और उनकी समीक्षा करनी होगी। आईओसी स्थगित हो चुके इन खेलों के संचालन के अपने हिस्से के कार्य और खर्चे के हिस्से के लिए जिम्मेदार बना रहेगा।' आईओसी के पास लगभग एक अरब अमेरिकी डालर की धनराशि रिजर्व के तौर पर है। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन इस साल 24 जुलाई से होना था लेकिन आईओसी ने ऐतिहासिक फैसला करते हुए इन खेलों को 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 तक स्थगित कर दिया।

आईओसी के पास लगभग एक अरब अमेरिकी डालर की धनराशि रिजर्व

तोक्यो खेलों की आयोजन समिति के प्रमुख योशिरो मोरी ने कहा है कि अगर कोरोना वायरस महामारी को एक साल के भीतर नियंत्रित नहीं किया गया तो खेलों को दोबारा स्थगित नहीं किया जाएगा और ये रद्द हो जाएंगे।

2028 ओलंपिक में शीर्ष दस में रहना मुश्किल पर असंभव नहीं : रीजिजू

नई दिल्ली। खेलमंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि 2028 ओलंपिक में पदक तालिका में शीर्ष दस में रहना मुश्किल लक्ष्य है लेकिन असंभव नहीं और सरकार ने इसे हासिल करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। रीजीजू ने कहा कि 2028 ओलंपिक के लिए प्रतिभा तलाशने का काम शुरू हो चुका है और देशव्यापी लॉकडाउन उठने के बाद प्रक्रिया तेज हो जाएगी। उन्होंने टेबल टेनिस कोचों के साथ एक आनलाइन सत्र में कहा, 'हमने 2028 ओलंपिक की पदक तालिका में भारत को शीर्ष 10 में देखने का लक्ष्य रखा है। यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। कोरोना महामारी से उबरने के बाद हम विशेष टीमें बनाएंगे और हर खेल के लिए बनने वाली टीमों में मौजूदा और अनुभवी कोच और खिलाड़ी होंगे।

चैंपियंस लीग के मैच विदेशों में खेल सकता है पीएसजी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के अध्यक्ष ने कहा है कि अगर फ्रांस के कोरोना वायरस को लेकर नए दिशानिर्देशों के कारण उनकी टीम चैंपियंस लीग के मैच स्वदेश में नहीं खेल पाती है तो वह इन मैचों को विदेश में खेलने के लिए तैयार है।

फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एडवार्ड फिलिप ने कहा था कि सितंबर तक पेशेवर फुटबाल की शुरुआत नहीं हो सकती जिसके बाद पीएसजी के अध्यक्ष नासिर अल खलीफी ने यह घोषणा की। सरकार के नए दिशानिर्देशों के बाद लीग 1 सत्र के भी रद्द होने की संभावना बन गई है। अल खलीफी ने बयान में कहा, 'हम फ्रांस सरकार के निर्णय का सम्मान करते हैं। यूएफा (यूरोपीय फुटबाल संघ) के साथ करार को देखते हुए हम कहीं भी और किसी भी समय चैंपियंस लीग में खेलने के लिए तैयार हैं। अगर फ्रांस में खेलना संभव नहीं है तो अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुरक्षा स्थिति सुनिश्चित करने के बाद हम विदेशों में अपने मैच खेलेंगे।'

वार्नर को आस्ट्रेलिया के जुलाई में होने वाले ब्रिटिश दौरे पर संदेह

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज डेविड वार्नर का मानना है कि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए उनकी टीम का इंग्लैंड और स्काटलैंड दौरा करने की संभावना न के बराबर है। आस्ट्रेलिया को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 जून को स्काटलैंड के खिलाफ टी20 मैच खेलना है। इसके बाद तीन जुलाई से वह विश्व चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलेगा। वार्नर ने क्रिकेट.काम.एयू से कहा, 'इंग्लैंड में जो कुछ हो रहा है उसे देखते हुए अभी हमारे वहां जाने की संभावना न के बराबर है।'

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक जुलाई तक सभी तरह की क्रिकेट को स्थगित कर दिया है। इंग्लैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट श्रृंखला का भी नया कार्यक्रम तैयार किया गया है। आस्ट्रेलिया का जून में होने वाला बांग्लादेश दौरा पहले ही रद्द कर दिया गया है और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगस्त में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के होने की भी संभावना नहीं है।

भारत के विदेशी कुश्ती कोच कुक और टेमो को वेतन का इंतजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के विदेशी कुश्ती कोच एंड्रयू कुक और टेमो कजारशविली मार्च का आधे महीने का वेतन लेकर भारत से चले गए हैं और वे नहीं जानते कि उन्हें वर्तमान महीने के बकाया के अलावा अन्य वेतन भत्तों का भुगतान होगा या नहीं।

भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा कोविड-19 महामारी के कारण लखनऊ में चल रहे राष्ट्रीय शिविर को 17 मार्च को समाप्त करने के बाद महिला टीम के कोच कुक 19 मार्च को अमेरिका के सिएटल रवाना हो गए थे। पूर्व विश्व चैंपियन और भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों को कोचिंग दे रहे दिमित्रुताइव कजारशविली भी सोनीपत में पुरुष शिविर को रोक दिए जाने के तुरंत बाद जार्जिया लौट गए थे। कुक ने सिएटल से कहा, 'मैं अपनी मर्जी से घर नहीं लौटा। मेरे लौटने से पहले उन्होंने सब कुछ मंजूर कर लिया था क्योंकि मैंने सभी फार्म भरे थे। मुझे मार्च महीने का आधा वेतन ही मिला है। जब मैंने इस बारे में पता किया तो उन्होंने बताया कि मेरा वेतन रोका हुआ है। जब से मैं घर में हूं मुझे कोई वेतन नहीं मिला। वे चाहते हैं कि हम जूम पर खिलाड़ियों से जुड़ें लेकिन भुगतान नहीं कर रहे हैं।

यह कितना उचित है। यह मजाक है। वे अनुबंध का सम्मान नहीं कर रहे हैं।' डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पुष्टि की कि कोचों का वेतन रोका गया है लेकिन आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द ही भुगतान किया जाएगा।

थामस और उबेर कप फिर से स्थगित, अब अक्टूबर में होंगे

नई दिल्ली। थामस और उबेर कप फाइनल्स को कोविड-19 महामारी के कारण बुधवार को दूसरी बार स्थगित कर दिया गया और विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्लूएफ) ने अब इन दोनों वैश्विक टीम चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 11 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के आर्थस में करने का फैसला किया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन टूर्नामेंट का आयोजन 16 से 24 मई के बीच होना था लेकिन विश्व भर में फैली महामारी के कारण 20 मार्च को इन्हें 15 से 23 अगस्त तक स्थगित कर दिया गया था। बीडब्लूएफ ने बुधवार को फिर से इन टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया। उसने कहा कि सितंबर से पहले इनका आयोजन करना संभव नहीं है। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने बयान में कहा, 'डेनमार्क सरकार का अपने देश में बड़े आयोजनों पर प्रतिबंध अगस्त के आखिर तक बढ़ाने के छह अप्रैल के निर्णय के बाद दोनों पक्ष इस पर सहमत थे कि इन चैंपियनशिप का आयोजन 15 से 23 अगस्त के बीच करना संभव नहीं होगा।

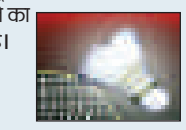

लैथम सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और साउदी चुने गए न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम को बुधवार को न्यूजीलैंड का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और तेज गेंदबाज टिम साउदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया। लैथम को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने जाने पर रेडपाथ कप दिया गया जिस पर पिछले सात वर्षों से केन विलियमसन या रोस टेलर का कब्जा रहा था। लैथम ने पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया है।

न्यूजीलैंड पुरस्कार समारोह का ऑनलाइन आयोजन कर रहा है। अगले दो दिन भी कुछ पुरस्कार वितरित किए जाएंगे जिनमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाना वाला सर रिचर्ड हैडली पदक भी शामिल है जो शुक्रवार को दिया जाएगा। लैथम ने नौ टेस्ट मैचों में 40.53 की औसत से 608 रन बनाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेली गई 154 रन की पारी भी शामिल है जिससे न्यूजीलैंड दूसरा टेस्ट मैच जीतकर श्रृंखला बराबर कराने में सफल रहा था।

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हस्सी ने किया अपनी टीम का चुनाव

तेंदुलकर, कोहली, सहवाग 'सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश' में शामिल

एजेंसी ▶▶| सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हस्सी ने बुधवार को भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट में अपनी 'सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश' में शामिल किया। आस्ट्रेलिया की तरफ से 2005 से 2013 तक टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले हस्सी ने उन खिलाड़ियों को अपनी एकादश में जगह दी है जिनके खिलाफ उन्होंने टेस्ट मैच खेले। इस 44 वर्षीय क्रिकेटर ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर सहवाग और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को अपनी सलामी जोड़ी बनाया है।

मध्यक्रम में उन्होंने ब्रायन लारा, तेंदुलकर, कोहली, जाक कैलिस और कुमार संगकारा को रखा है। हस्सी ने तेंदुलकर और कोहली को बल्लेबाजी क्रम में चौथे और पांचवें नंबर पर रखा है। उनके गेंदबाजी आक्रमण में दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन और श्रीलंकाई स्पिन दिग्गज मुथैया मुरलीधरन शामिल हैं। इस आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा कि उनके लिए चेन्नई सुपरकिंग्स के उनके पूर्व साथी महेंद्र सिंह धोनी को बाहर रखना मुश्किल था। उन्होंने हालांकि अपने फैसले को सही बताया कि क्योंकि खेल के लंबे प्रारूप को देखते हुए उन्होंने धोनी पर संगकारा को प्राथमिकता दी। हस्सी ने कहा, 'कुमार संगकारा, महेंद्र सिंह धोनी और एबी डिविलियर्स को लेकर मुझे काफी माथापच्ची करनी पड़ी। लेकिन मेरा मानना है कि धोनी और डिविलियर्स ने टी20 और वनडे में अधिक प्रभाव छोड़ा है। संगकारा ने टेस्ट क्रिकेट में काफी प्रभाव छोड़ा है।'

नेट सत्र जीत का सूत्र

हस्सी से ग्लेन मैकग्रा, शेन वार्न और ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों का नेट्स पर सामना करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह बहुत मुश्किल होता था। उन्होंने कहा, 'अगर आपने नेट सत्र आसानी से झेल दिया तो फिर आप टेस्ट क्रिकेट की कैसी भी परिस्थिति से पार पा सकते हो। मैं जब खेला करता था तब यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की वास्तविक मजबूती थी।' माइकल हस्सी की सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश : वीरेंद्र सहवाग, ग्रीम स्मिथ, ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, जॉक कैलिस, कुमार संगकारा, डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, जेम्स एंडरसन, मुथैया मुरलीधरन।

शुक्र है...हमारे बगल से गुजर गया विशालकाय एस्टेरॉयड

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अंतरिक्ष से आ रहा एस्टेरॉयड 1998 ओआर2 धरती के बगल से गुजर गया। इससे पृथ्वी को कोई खतरा नहीं था, क्योंकि यह धरती के करीब 63 लाख किलोमीटर दूर से गुजरा है। इसके पहले यह एस्टेरॉयड 12 मार्च 2009 को 2.68 करोड़ किमी की दूरी से गुजरा था। अब धरती के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इसके गुजरने के साथ ही दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने चैन की सांस ली है। हांलाकि, इस पर अध्ययन जारी रहेगा। एस्टेरॉयड 1998 ओआर2 अब 11 साल बाद फिर धरती के करीब से गुजरेगा, लेकिन उसकी दूरी 1.90 करोड़ किलोमीटर होगी। बता दें कि यह हर 11 साल में धरती के आसपास से गुजर जाता है। 2031 के बाद 2042, फिर 2068 और उसके बाद 2079 में यह धरती के बगल से निकलेगा।

2079 में धरती के बेहद करीब से निकलेगा। उस समय इसकी दूरी अभी की दूरी से 3.5 गुना कम होगी। यानी वह 63 लाख किलोमीटर की दूरी से निकला है, 2079 में वह 17.73 लाख किलोमीटर की दूरी से निकलेगा। यह इस एस्टेरॉयड की धरती से सबसे कम दूरी होगी।

खास बातें
- एस्टेरॉयड गुजरने के साथ ही दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने चैन की सांस ली
- बता दें कि एस्टेरॉयड हर 11 साल में धरती के आसपास से गुजर जाता है
- वैज्ञानिकों ने एस्टेरॉयड को पोटेंशियली हजार्ड्स ऑब्जेक्टस की श्रेणी में रखा गया है

वैज्ञानिकों ने बनाया 117 साल का कैलेंडर

बता दें कि वैज्ञानिकों ने इस एस्टेरॉयड को लेकर अगले 177 साल का कैलेंडर बना रखा है। इससे यह पता चलेगा कि यह एस्टेरॉयड कब-कब धरती से कितनी दूरी से निकलेगा। 2079 के बाद एस्टेरॉयड 1998 ओआर2 साल 2127 में पृथ्वी से करीब 25.11 लाख किलोमीटर की दूरी से निकलेगा। वैज्ञानिकों ने इसे पोटेंशियली हजार्ड्स ऑब्जेक्टस (पीएचओ) की श्रेणी में रखा है। अगर 2079 और 2127 में कोई गड़बड़ नहीं हुई तो उसके बाद यह एस्टेरॉयड धरती के लिए खतरा नहीं रहेगा।

इसके पहले एस्टेरॉयड 12 मार्च 2009 को 2.68 करोड़ किमी की दूरी से गुजरा था

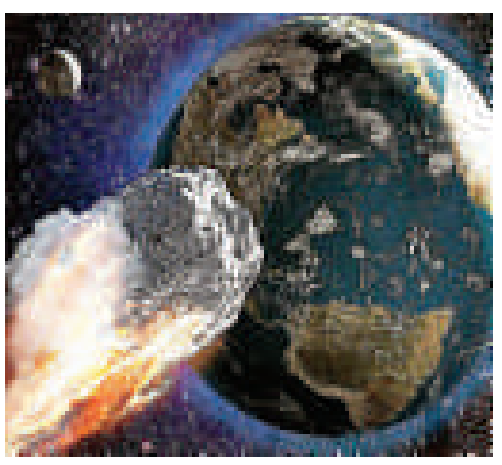

एस्टेरॉयड की गति 31,319 किमी घंटा थी

एस्टेरॉयड 1998 ओआर2 का व्यास करीब 4 किलोमीटर था। इसकी गति करीब 31,319 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। यानी करीब 8.72 किलोमीटर प्रति सेंकड। यह एक सामान्य रॉकेट की गति से करीब तीन गुना ज्यादा। यह एस्टेरॉयड सूरज का एक चक्कर लगाने में 1,340 दिन या 3.7 वर्ष लेता है। इसके बाद एस्टरॉयड 1998 ओआर2 का धरती की तरफ अगला चक्कर 18 मई 2031 को हो सकता है। तब यह 1.90 करोड़ किलोमीटर की दूरी से निकल सकता है।

एस्टेरॉयड निकल जाते हैं बस ऐसे ही

खगोलविदों के मुताबिक ऐसे एस्टेरॉयड का हर 100 साल में धरती से टकराने की 50,000 संभावनाएं होती हैं, लेकिन किसी न किसी तरीके से यह पृथ्वी के किनारे से निकल जाते हैं। खगोलविदों के अंतरराष्ट्रीय समूह के डॉ. ब्रूस बेट्स ने ऐसे एस्टेरॉयड को लेकर कहा कि छोटे एस्टेरॉयड कुछ मीटर के होते हैं। ये अक्सर वायुमंडल में आते ही जल जाते हैं। इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं होता है। बता दें कि 2013 में लगभग 20 मीटर लंबा एक उल्कापिंड वायुमंडल में टकराया था।

खबर संक्षेप

भारतीयों को लाने के लिए युद्धपोत तैयार

नई दिल्ली। कोरोनावायरस की वजह से खाड़ी देशों में लाखों भारतीय फंसे हैं। इन्हें निकालने के लिए भारतीय नौसेना तैयार है। जरूरत पड़ी तो इस अभियान में लैंडिंग प्लेटफॉर्म युद्धपोत आईएनएस जलाश्व और मगर श्रेणी के दो युद्धपोतों को भेजा जाएगा। सरकार ने इन्हें तैयार रहने के लिए कहा है।

व्हाइट हाउस ने मोदी को किया अनफॉलो

नई दिल्ली। कोरोना संकट के बीच व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्विटर पर फॉलो करने के कुछ दिन बाद ही अनफॉलो कर दिया है। भारत ने हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवाई देकर अमेरिका की मदद की थी। इसी के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने 10 अप्रैल को पीएम मोदी और भारत के पांच ट्विटर हैंडल को फॉलो करना शुरू किया था।

नीरव के प्रत्यर्पण पर 11 मई से होगी सुनवाई

लंदन। कोरोनावायरस लॉकडाउन के बावजूद भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के खिलाफ प्रत्यर्पण मामले में ब्रिटिश कोर्ट में 11 मई से सुनवाई होगी। मंगलवार को नीरव की न्यायिक हिरासत की अवधि 11 मई तक बढ़ा दी गई। पांच दिन तक सुनवाई होगी। वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट केस मैनेजमेंट से जुड़े डिस्ट्रिक्ट जज सैमुअल गूजी की कोर्ट में सुनवाई हुई थी।

22 मई से शुरू होगा चीन का संसद सत्र

बीजिंग। कोरोनावायरस जूझते हुए चीन में अब शांति है। चीन में अब धीरे-धीरे सबकुछ पहले जैसा होने लगा है और सरकारी कामकाज भी शुरू होने को है। 22 मई से चीन में इस साल का संसदीय सेशन का आयोजन किया जाएगा, सेशन पहले कोरोना की वजह से टल गया था। चीनी मीडिया के अनुसार, पहले चीनी संसद का सेशन मार्च में होना था।

नासा करवा रहा मुफ्त में अंतरिक्ष की सैर

वाशिंगटन। कोरोनावायरस की वजह से तमाम देशों के करोड़ों लोग घर में बंद हैं और उन्हें अपने घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। ऐसे में नासा आपको अंतरिक्ष की मुफ्त में सैर कराने का ऑफर लेकर आया है, आप घर बैठे अंतरिक्ष की वर्चुल सैर कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप बिना घर से बाहर निकले, अंतरिक्ष की सैर कर सकते हैं, वह बिलकुल मुफ्त।

अमेरिका-चीन के बीच जुबानी जंग जारी, इधर, कोरोना बरपा रहा कहर

अमेरिका में 24 घंटे में 2207 और अब तक 58 हजार लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट दिल दहलाने वाली

वायरस की वजह से हुई मौतों का आंकड़ा अमेरिका में 58 हजार से ज्यादा हो गया है और पिछले 24 घंटे में 2207 मौतें हुई है, वायरस की चपेट में 10 लाख 12 हजार 399 लोग आए हैं, पिछले रविवार और सोमवार को अमेरिका में मौत का आंकड़ा गिरकर 1000 और 1200 के आसपास आ गया था, तब उम्मीद जगी थी कि मौतों की रफ्तार थमती दिख रही है, लेकिन एक बार फिर कोरोना ने कहर बरपा दिया

कोरोनावायरस महामारी का कहर अमेरिका पर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वायरस की वजह से हुई मौतों का आंकड़ा यहां 58 हजार से ज्यादा हो गया है और पिछले 24 घंटे में 2207 मौतें हुई हैं। पिछले कुछ दिन में आए मौत के आंकड़े में गिरावट के बाद एक बार फिर इन नंबरों ने उछाल ली है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, अमेरिका में अब तक कोरोना वायरस की चपेट में 10 लाख 12 हजार 399 लोग आए हैं, जबकि 58 हजार से अधिक मौत हो चुकी है। ये दुनिया में किसी भी देश में सबसे अधिक है।

अमेरिका में अब तक 58 लाख से अधिक लोगों का कोरोना टेस्ट हो चुका है। बता दें, पिछले रविवार और सोमवार को अमेरिका में मौत का आंकड़ा गिरकर 1000 और 1200 के आसपास आ गया था, तब उम्मीद जगी थी कि मौतों की रफ्तार थमती दिख रही है, लेकिन अब एक बार फिर इसने बड़ा उछाल लिया है। हालांकि एक्सपर्ट्स का मानना है कि जिस रफ्तार से मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है और अभी इस महामारी का कोई इलाज नहीं आ रहा है, ऐसे में इस आंकड़े को रोकना काफी मुश्किल दिख रहा है।

खास बातें
- ट्रंप ने फिर कहा, चीन ने कोरोना को शुरुआत चरण में ही रोकने की कोई कोशिश नहीं की
- अमेरिका में अब तक 58 लाख से अधिक लोगों का कोरोना का टेस्ट हो चुका है
- अमेरिका के अलावा यूके, फ्रांस और जर्मनी भी चीन को दोषी ठहरा चुके हैं

फिर भड़के ट्रंप, एक देश की वजह से 185 देश नरक में

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चीन पर भड़के है। उन्होंने फिर कहा है कि चीन ने कोरोनावायरस को शुरुआत में ही रोकने की कोई कोशिश नहीं की और इसकी वजह से ही आज दुनिया के 185 देश नरक में हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय आया है जब कई अमेरिकी सांसदों ने मांग की है कि अब समय आ गया है जब चीन पर खनिजों और मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी निर्भरता को कम किया जाए।

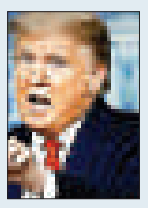

चीन ने कहा, नाकामी छिपाने झूठ बोल रहा अमेरिका

कोरोना महामारी को लेकर चीन और अमेरिका विवाद थम नहीं रहा है । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद अब चीन ने पलटवार किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने मीडिया से कहा कि कोरोना पर अपनी नाकामी छिपाने के लिए अमेरिका के राजनेता झूठ बोल रहे हैं। गेंग शुआंग ने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि अमेरिकी राजनेता तथ्यों की अनदेखी कर रहे हैं और बार-बार झूठ बोल रहे हैं। वे अपने यहां कोरोना पर नियंत्रण करने में नाकाम रहे और अपनी नाकामी छिपाने के लिए वे ध्यान भटका रहे हैं, लेकिन तथ्य शब्दों की तुलना में ज्यादा जोर से बोलते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के झूठे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।

फ्यूनरल में उमड़े लोगों को किया गिरफ्तार

यूयॉर्क के मेयर बिल दे ब्लेसिओ ने पुलिस को यहूदी समुदाय के अंतिम संस्कार में भारी संख्या में जुटे लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। पुलिस ने कार्रवाई भी की थी। बता दें, मंगलवार को न्यूयॉर्क के विलियम्सबर्ग में एक यहूदी समुदाय के फ्यूनरल में भारी संख्या में यहूदी जुटे थे। दरअसल राबी चैम मर्ज नाम के एक यहूदी की कोरोनावायरस की वजह से मौत हो गई थी। अंतिम संस्कार में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान कई लोगों ने मास्क तक नहीं लगाए. वहीं सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं किया गया।

पहले मरीज का कोरोना से फट गया था दिल

अमेरिका में कोरोना से हुई पहली मौत को लेर बेहद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। एक खबर के अनुसार अमेरिकी फॉरेंसिक पैथोलोजिस्ट ने यह दावा किया है कि जिस महिला की मौत हुई उसका दिल फट गया था और बाद में उसके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। पैट्रिशिया नाम की यह 57 वर्षीय महिला कैलिफोर्निया के सैन होजे इलाके में रहती थी। घर में ही उनकी मौत हो गई, इसकी शुरुआती वजह फ्लू को माना जा रहा था, लेकिन बाद में जब उनका कोरोना टेस्ट हुआ तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। कोरोना की वजह से उनका दिल फट गया था।

अमेरिका की अल्पसंख्यकों पर रिपोर्ट

विदेश मंत्रालय ने कहा रिपोर्ट में की गई बातों की परवाह नहीं करते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक आजादी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसमें कहा गया था कि भारत में 2019 में धार्मिक स्वतंत्रता में भारी गिरावट आई है। यहां पहले के मुकाबले अल्पसंख्यकों का शोषण बढ़ गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने मंगलवार को कहा कि हम यूएससीआईआरएफ की सालाना रिपोर्ट में भारत के बारे में किए गए आकलन खारिज करते हैं। भारत के संबंध में इसकी पक्षपाती और विवादास्पद टिप्पणियां नई नहीं हैं, लेकिन इस बार गलतबयानी और भी निचले स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि यह अपनी कोशिशों में अपने ही प्रतिनिधियों तक पहुंचाने में नाकाम रहा। हम इसे एक विशेष सोच के साथ काम करने वाला संगठन मानते हैं और इसके साथ ऐसा ही बर्ताव करेंगे। इसकी रिपोर्ट में की गई बातों की हम परवाह नहीं करते।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय को दिए सुझाव

यूएससीआईआरएफ की यह 21 वीं सालाना रिपोर्ट मंगलवार को ही जारी की गई है। इसमें आयोग ने भारत के बारे में अमेरिका के विदेश मंत्रालय को कई सुझाव दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में धार्मिक आजादी के उल्लंघन पर अतिरिक्त चिंता करने की जरूरत है। इसमें कई देशों में आस्था और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों के हनन के बारे में विस्तार से बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत धार्मिक आजादी के उल्लंघन में शामिल है।

मुर्दाघर भरे, बाथरूम में रख रहे लाशें

इक्वाडोर। कोरोनावायरस के संक्रमण के चलते लैटिन अमेरिकी देश इक्वाडोर का हेल्थ सिस्टम तबाह हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि हॉस्पिटलों में मरने वालों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। हेल्थ वर्कर्स के मुताबिक कोरोना संक्रमण की वजह से मरने वालों की लाशों से मुर्दाघर भरे हैं। एक हॉस्पिटल में मुर्दाघर भर जाने के बाद बाथरूम में लाशों के ढेर को रखा जा रहा है। इक्वाडोर के हॉस्पिटल गुआयाकिल में मरीजों की भरमार है।

हैटगियर लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग

बच्चों ने अपनाया नायाब तरीका

चीन में जिंदगी पटरी पर लौट रही है, लेकिन वायरस से सुरक्षित रहने के लिए ऐहतियात के तौर पर स्कूलों में स्टूडेंट्स के बीच सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा जा रहा है। हांगझोऊ के एक स्कूल के बच्चे अनोखे तरीके से सोशल डिस्टेंसिंग फॉलो कर रहे हैं। येंगझेंग एलिमेंट्री स्कूल का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें बच्चे हैटगियर पहने हैं। इसके दोनों तरफ 3 फीट लंबा डंडा निकला हुआ है, जिससे इस बात का ख्याल रखा जा सके कि गैप बना रहे।

बार काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

लॉकडाउन के बाद चीफ जस्टिस नहीं करें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई

एजेंसी ▶▶ पटना

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से लॉकडाउन के बाद ई-फाइलिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई जारी नहीं रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने सीजेआई को लिखे अपने पत्र में कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई में पारदर्शिता का अभाव रहता है जबकि खुली अदालत में सुनवाई के दौरान न केवल संबंधित पक्ष के वकील रहते हैं बल्कि अन्य वकीलों, मीडिया तथा मुवक्किलों की मौजूदगी में बहस होती है। डिजिटल सुनवाई हमेशा के लिए प्रभावी नहीं हो सकता है।

90% वकील तकनीक से अंजान

मिश्रा ने पत्र में लिखा है कि देश के करीब 90 प्रतिशत वकील तकनीक से अंजान और कई के पास तो संसाधन का भी अभाव है। कोर्ट के काम का न्याय वितरण प्रणाली के लिए ओपन कोर्ट सिस्टम को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग डिजिटल न्याय प्रणाली को लागू करने की वकालत कर रहे हैं, वे जमीनी हकीकत से दूर हैं। तकनीक कभी कानून के अभ्यास का विकल्प नहीं हो सकती है।

किम के उत्तराधिकारी के लिए उनके चाचा पर चर्चा

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया में अब तानाशाह किम जोंग उन के अगले उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कुछ दिन पहले उनकी बहन किम यो जोंग को किम का अगला उत्तराधिकारी बताया गया था। अब इसके लिए उनके चाचा किम प्योंग ईल को सही व्यक्ति बताया जा रहा है। यानी कि किम जोंग उन को लेकर कुछ तो गड़बड़ है। उन के चाचा 65 वर्षीय किम प्योंग इल उत्तर कोरिया के संस्थापक किम इल सुंग के आखिरी जीवित बचे बेटे हैं।

इन देशों में भारत शामिल नहीं

34 गरीब देशों के 1 अरब लोगों में संक्रमण का डर

एजेंसी ▶▶ लंदन

इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी (आईआरसी) ने मंगलवार को एक नई रिपोर्ट में कोरोना पर जनहानि की बड़ी चेतावनी दी है। ब्रिटेन के पूर्व विदेश सचिव डेविड मिलिबैंड की अध्यक्षता वाली इस एजेंसी के मुताबिक, दुनिया के 34 सर्वाधिक गरीब देशों में कोविड-19 वायरस का विनाशकारी प्रभाव होगा। इसके कारण करीब एक अरब लोगों में संक्रमण हो सकता है। 30 लाख लोगों की मौत हो सकती है। इन देशों में भारत का नाम नहीं है।

ये हैं सर्वाधिक गरीब देश

आईआरसी ने जिन 34 देशों की स्थितियों का आकलन करके रिपोर्ट बनाई है उनमें ज्यादातर युद्धग्रस्त और शरणार्थियों से प्रभावित देश हैं। इनमें अफ्रीकी और एशियाई देश हैं। ये हैं अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, बुरुंडी, बुर्किना फासो, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, कोलम्बिया, कोट डी आइवर, कांगो, अल सल्वाडोर, इथियोपिया, ग्रीस, इराक, जॉर्डन, केन्या, लेबनान, लाइबेरिया आदि हैं।

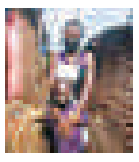

जापान की स्ट्राइड्स फॉर्मा कंपनी ने किया दावा

फेविपिरवीर एंटीवायरल टैबलेट कोरोना में कारगर

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

स्ट्राइड्स फॉर्मा साइंस लिमिटेड ने बुधवार को दावा किया कि दुनियाभर में कोविड-19 के इलाज में फेविपिरवीर एंटीवायरल टैबलेट के नतीजे सकारात्मक आए हैं। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसने यह दवा बनाकर उसकी बिक्री भी शुरू कर दी है। बांबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को दी गई जानकारी में कंपनी ने कहा है, फेविपिरवीर एक एंटीवायरल दवा है, जिसे शुरू में जापान में एंफ्लुएंजा के इलाज के लिए तैयार किया गया था। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के सामने आने के बाद फरवरी 2020 में चीन और अन्य कई देशों में कोविड-19 के प्रायोगिक इलाज के तौर पर इस दवा का अध्ययन किया गया।

खास बातें
- शुरू में टैबलेट को जापान में एंफ्लुएंजा के इलाज के लिए तैयार किया गया था
- चीन और कई देशों में कोविड-19 के प्रायोगिक के तौर पर इसका अध्ययन किया
- कीड़े मारने की दवा इन्वर्टीमाइसिन से वायरस को दो दिन में मारा जा सकता है

कोविड-19 के इलाज में टैबलेट के नतीजे सकारात्मक मिले

पहली कंपनी जिसने निर्यात शुरू किया

जापान के टोयोमा केमिकल की दवा एविगन की यह दवा जेनेरिक उत्पाद है। स्ट्राइड्स फॉर्मा ने कहा है कि वह भारत की पहली कंपनी है जिसने फेविपिरवीर टैबलेट का निर्यात शुरू किया है। कंपनी ने 400 एमजी और 200 एमडी के टैबलेट बनाए हैं।

एंटी पैरासाइट से दो दिन में मरेगा वायरस

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने भी कोरोना के इलाज में एक नया दावा किया है। नॉर्थशोर यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरव शाह ने कहा है कि एंटी पैरासाइट (कीड़े मारने की) दवा इन्वर्टीमाइसिन से वायरस को दो दिन में मारा जा सकता है। शाह के मुताबकि, ये दवा सुरक्षित है और दुनियाभर में आसानी से मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मोनाश बायोमेडिसिन डिस्कवरी इंस्टीट्यूट के डॉ. काइली वॉगस्टाफ का भी कहना है कि उन्होंने अध्ययन में पाया है कि दवा की एक डोज से वायरस का आरएनए को 48 घंटे या 24 घंटे के भीतर खत्म कर सकता है। फ्लोरिडा के ब्रोवॉर्ड हेल्थ मेडिकल सेंटर के डॉ. जैक्स रैज्टर का कहना है कि वे पहले से ही संक्रमितों के इलाज में इस दवा का प्रयोग कर रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सतवीर सिंह कटारिया द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109